राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 219 पटना (बिहार) मंगलवार,10 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

नवविवाहिता का फंदे से लटका मिला शव, मेंहदी का रंग तक नहीं छूटा था

क्राइम संवाददाता द्वारा

सारण :सीवान के दरौंदा थाना क्षेत्र के पूर्वी हड़सर गांव में सोमवार की शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। गांव निवासी 20 वर्षीय नवविवाहिता सुधा कुमारी का शव घर में फंदे से लटका मिला। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि सुधा की शादी महज एक सप्ताह पहले, 2 जून 2025 को हिंदू रीति-रिवाज से पूर्वी हड़सर गांव के प्रीतम कुमार से हुई थी। शादी को अभी ज्यादा दिन नहीं हुए थे और नवविवाहिता के हाथों की मेंहदी का रंग तक नहीं छूटा था, कि यह दुखद घटना सामने आ गई।

सुधा कुमारी गोपालगंज जिले के बरौली थाना क्षेत्र के मिजार्पुर गांव निवासी सत्येंद्र मांझी की बेटी थी। परिजनों के अनुसार, शादी के बाद से वह ससुराल में ही रह रही थी। सोमवार शाम को अचानक उसके मौत की सूचना मिली। शव घर के भीतर फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही सुधा के मायके पक्ष के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। दरौंदा थाना पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने मामले की प्राथमिक जांच शुरू कर दी है, हालांकि अभी तक मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई साजिश है। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। वहीं, स्थानीय लोग इस मामले को लेकर तरह-तरह की चचाएं कर रहे हैं। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं और सभी पहलुओं पर गहराई से जांच की जा रही है।

चिराग पासवान के अकेले चुनाव लड़ने के सवाल पर बीजेपी -JDU ने साधी चुप्पी, गठबंधन पर सस्पेंस

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

सिवानः बिहार में चुनाव होने वाला है और सियासत हलचल देखने को ना मिले ऐसा नहीं हो सकता. एक तरफ एनडीए नेता दावा कर रहे हैं कि नीतीश कुमार की अगुवाई में बिहार चुनाव 2025 लड़ा जाएगा. जिसे लेकर विपक्ष बार-बार एनडीए पर हमलावर है. अब इसी बीच लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ा ऐलान किया है. चिराग ने कहा है कि उनकी पार्टी बिहार के पूरे 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. चिराग के इस ऐलान से बिहार की सियासत को और हवा मिल गई है. जवाब देने से बचते रहे दिलीप जायसवालः चिराग पासवान के अकेले चुनाव लड़ने की संभावना पर जब सवाल पूछा गया तो बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सीधे जवाब देने से बचते हुए कहा कि एनडीए मिलकर 243 सीटों पर लड़ने की तैयारी कर रहा है. यानी उन्होंने टकराव की स्थिति को टालने की कोशिश की. वहीं जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने इस सवाल पर कहा मुझे नहीं मालूम है. वे फिलहाल चुप रहकर स्थिति को परखना चाहते हैं. चिराग पासवान ने ये नहीं कहा कि लोजपा सभी सीट पर लड़ेगी. चिराग ने कहा कि हम लड़ेंगे. चिराग पासवान एनडीए गठबंधन में हैं. एनडीए में कहीं कोई समस्या नहीं है. -दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष, बीजेपी प्रदेश 2020 में भी अकेले लड़े थे चिरागः चिराग पासवान इसके पूर्व में भी 2020 में अकेले चुनाव लड़े. चिराग पासवान बिहार के तमाम सीटों पर चुनाव लड़े वहां से जहां खञ्ञ के कैंडिडेट लड़ रहे थे. नतीजा यह हुआ कि नीतीश कुमार जदयू 71 से घटकर 43 सीटों पर सिमट गई थी.

फिर दोहराई जाएगी 2020 की कहानीः फिर एक बार 2025 में चिराग पासवान आरा में खुले मंच

से यह एलान करते हैं कि मेरी पार्टी को खत्म करने की साजिश चल रही है. इसलिए मैं पूरे बिहार में 243 सीट पर अकेले चुनाव लड़ेंगे. अब सवाल सबसे बड़ा यह है कि क्या फिर 2020 वाली कहानी दोहराई जाएगी, हालांकि जानकारों का यह मानना है कि किसी भी घटक दल के साथ रहते हुए इस तरह का ऐलान करना पार्टी गठबंधन के खिलाफ माना जाता है. सिवान में प्रमंडलीय बैठकः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को सिवान में जनसभा को संबोधित करेंगे. इसको लेकर एनडीए के घटक दलों में तैयारियां तेज हो गई हैं. कार्यकताओं को संगठित करने और कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के उद्देश्य से आज सिवान के एक निजी होटल में प्रमंडलीय बैठक आयोजित की गई. जहां कार्यकताओं से रूबरू होकर तमाम उन्हें सलाह दी गई.

सब लोग एक साथ हैं. एनडीए गठबंधन घटक दल 243 विधानसभा सीट पर एक साथ चुनाव लड़ेंगे. -उमेश सिंह कुशवाहा, प्रदेश अध्यक्ष, जेडीयू

बिहार में चुनाव कब होंगे?: बिहार की वर्तमान यानी नीतीश सरकार का कार्यकाल 23 नवंबर 2020 से शुरू हुआ था. नीतीश सरकार का कार्यकाल इस साल यानी 2025 में 22 नवंबर तक है. जाहिर है कि इससे पहले चुनाव होंगे. माना जा रहा है कि सितंबर से अक्टूबर के बीच आचार संहिता लग जाएगी. माना ये भी जा रहा है कि अक्टूबर से नवंबर के शुरूआती हफ्ते के बीच वोटिंग और मतों की गिनती संपन्न कराई जा सकती है.

12 साल से फरार हार्डकोर नक्सली ललन यादव गिरफ्तार, कई मामलों में था वांछित; ऐसे हुई गिरफ्तारी

क्राइम संवाददाता द्वारा

औरंगाबाद :औरंगाबाद पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में बीते 12 वर्षों से फरार चल रहे एक हार्डकोर नक्सली ललन यादव को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सली गोह थाना क्षेत्र के जुझारपुर गांव का रहने वाला है। दाउदनगर एसडीपीओ कुमार ऋषिराज ने सोमवार की शाम जानकारी देते हुए बताया कि औरंगाबाद जिले को अपराध और नक्सल गतिविधियों से मुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत ललन यादव की गिरफ्तारी के लिए औरंगाबाद पुलिस और एसटीएफ की एक संयुक्त विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम को तकनीकी और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर लगातार इनपुट मिल रहे थे। सोमवार को गुप्त सूचना मिली कि वांछित नक्सली ललन यादव अपने गांव जुझारपुर में देखा गया है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस और एसटीएफ की टीम ने गांव की घेराबंदी कर छापेमारी की, जिसमें ललन यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ में ललन यादव ने कई नक्सली घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार, ललन यादव के खिलाफ गोह थाना कांड संख्या 61/12, 140/13, 73/16 और 105/18 दर्ज हैं। इन मामलों में वह लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस को लगातार उसकी तलाश थी। एसडीपीओ कुमार ऋषिराज ने कहा कि औरंगाबाद पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई से नक्सलियों के मनोबल पर बड़ा असर पड़ा है। जिले में नक्सली गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। यह गिरफ्तारी नक्सल विरोधी अभियान में औरंगाबाद पुलिस की एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

किसान अन्नदाता ही नहीं, राष्ट्र निमार्ता भी हैं :कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा

संवाददाता द्वारा

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज-अयोध्या के एग्री बिजनेस मैनेजमेंट सभागार में विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को संबोधित कर कहा कि जब तक गांव और खेत मजबूत नहीं होंगे, तब तक राष्ट्र भी मजबूत नहीं बन सकता। उन्होंने इस संवाद को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसानों के भविष्य के साथ सीधा जुड़ाव बताया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और पर्व-त्योहार तक कृषि से जुड़े हैं। खेत में बोया गया एक बीज, कई पौधों का रूप लेता है- यही कृषि की चमत्कारी शक्ति है। उन्होंने इसे केवल जीविका का माध्यम नहीं, बल्कि आस्था और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया। उपमुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और बिहार की भौगोलिक और सांस्कृतिक निकटता का उल्लेख करते हुए कहा कि अगर दोनों राज्य कृषि के क्षेत्र में मिलकर कार्य करें, तो न केवल उत्तर भारत,

बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन संभव है। उन्होंने बताया कि बिहार में मक्का, गेहूं और धान के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और राज्य को केवल उत्पादक ही नहीं, बल्कि निर्यातक के रूप में विकसित करने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि बिहार में सीमांत किसानों की संख्या अधिक है, फिर भी सरकारी योजनाओं और किसानों की मेहनत के बल पर कृषि क्षेत्र में कई सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। बिहार सरकार का कृषि रोड मैप अब देश के लिए एक मॉडल बन रहा है। उपमुख्यमंत्री ने वैज्ञानिक कृषि की जरूरत को रेखांकित कर कहा कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान में 2170 वैज्ञानिक, 113 अनुसंधान संस्थान और 731 कृषि विज्ञान केंद्रों की सहभागिता से किसानों को नई तकनीकों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बीज भविष्य में आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखेगा। उन्होंने बिहार सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि हर जिले में 'सीड हब' की स्थापना, कृषि को उद्यम से जोड़ना, फसल विविधीकरण, डिजिटल कृषि मिशन के तहत एआई और ड्रोन तकनीक का प्रयोग तथा जलवायु अनुकूल खेती को बढ़ावा देने जैसे प्रयास किए जा रहे हैं।

को-ऑपरेटिव संस्थाओं के जरिए पहली बार विदेशों में जा रही बिहार की सब्जियां : मंत्री प्रेम कुमार

संवाददाता द्वारा

गया :बिहार में सहकारी संस्थाएं अब वैश्विक मंच पर अपने उत्पादों के साथ पहचान बना रही हैं। राज्य में पहली बार सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों द्वारा उत्पादित सब्जियों और फलों का निर्यात किया जा रहा है। यह जानकारी बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत सहकारिता में सहकार अभियान के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए दी। मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व बिहार से 1500 किलो सब्जियां और फल दुबई भेजे गए। इसमें परवल, करैला, बैगन, कटहल, केला और जदार्लु आम समेत कुल 10 प्रकार की फल-सब्जियां शामिल थीं। उन्होंने बताया कि नेपाल से 5000 किलो फल-सब्जियों की मांग प्राप्त हुई है और सिंगापुर से भी संपर्क स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त हिंदुस्तान लिवर लिमिटेड वैशाली जिले के टमाटर उत्पादक किसानों से खरीदी की प्रक्रिया में है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह केवल एक शुरूआत है। फिलहाल 45 मीट्रिक टन फल और सब्जी हर सप्ताह विदेश भेजने की दिशा में

ट्रायल किया जा रहा है। भविष्य में यह मात्रा कई गुना बढ़ेगी और इसका लाभ सीधे किसानों और विपणन करने वाली सहकारी समितियों को मिलेगा। सब्जियों और फलों के सुरक्षित भंडारण को लेकर सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रत्येक प्रखंड में 10-10 मीट्रिक टन क्षमता के कोल्ड स्टोरेज का निर्माण कराया जा रहा है। प्रत्येक यूनिट में 20 मीट्रिक टन का गोदाम, कार्यालय और वाहन पार्किंग की सुविधा होगी। इस योजना के तहत प्रथम चरण में 52 प्रखंडों को स्वीकृति दी गई है, जिसमें प्रत्येक कोल्ड स्टोरेज पर ₹1 करोड़ 14 लाख की लागत आएगी। यह संरचना किसानों को उनकी उपज को बेहतर मूल्य पर बेचने में सहायता करेगी। कार्यशाला में मंत्री ने सहकारिता विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पैक्स कम्प्यूटराइजेशन, कॉमन सर्विस सेंटर की स्थापना, पेट्रोल-डीजल आउटलेट, जन औषधि केंद्र, कृषक समृद्धि केंद्र, नई राष्ट्रीय सहकारी समितियों से संबद्धता, किसान क्रेडिट कार्ड, और माइक्रो एटीएम सुविधा जैसे कई कार्यक्रम सहकारी समितियों को आर्थिक और तकनीकी रूप से सशक्त बना रहे हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने सहकारी समितियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के लिए बैंक मित्र और डीएमए योजना के क्रियान्वयन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डोर स्टेप बैंकिंग सेवा विशेष रूप से महिलाओं और बुजुर्गों के लिए वरदान साबित हो रही है, जो घर से बाहर जाकर बैंक जाना नहीं चाहते। अब माइक्रो एटीएम की मदद से सहकारी समितियों के प्रतिनिधि गांवों में जाकर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। इस मौके पर औरंगाबाद जिले की 12 सहकारी समितियों को माइक्रो एटीएम भी वितरित किए गए। इससे ये समितियां बैंक मित्र के रूप में कार्य करते हुए ग्रामीण अंचलों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचा सकेंगी। जिला स्तरीय इस कार्यशाला में डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक के चेयरमैन संतोष कुमार सिंह, सहकारिता विभाग के संयुक्त निबंधक, सहायक निबंधक, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक, नाबार्ड के डीडीएम, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, सभी पैक्स अध्यक्ष, व्यापार मंडल और दुग्ध उत्पादन सहकारी समितियों के अध्यक्ष सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

फिर से वायरल हुई बिहार की 'पैड गर्ल', राहुल गांधी भी हो गए रिया के फैन

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार के गया जी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नारी शक्ति संवाद के दौरान एक खास मुलाकात ने सबका ध्यान खींचा. 'पैड गर्ल' के नाम से चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता रिया पासवान ने राहुल गांधी से खुलकर अपनी सोच साझा की. उन्होंने कहा कि वे भी उनकी तरह नेता बनना चाहती हैं और शादी नहीं करना चाहतीं ताकि अपने सपनों को पूरा कर सकें.

पैड गर्ल के नाम से विख्यातः पटना के अदालतगंज स्थित स्लम एरिया में पली-बढ़ी रिया पासवान आज हजारों लड़कियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं. स्नातक तक की पढ़ाई पूरी कर चुकीं रिया तीन साल पहले उस समय सुर्खियों में आईं जब एक सरकारी कार्यक्रम में उन्होंने स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को फ्री सैनिटरी नैपकिन देने की मांग उठाई. यह मुद्दा उस समय चर्चा में आ गया जब सीनियर आईएएस अधिकारी ने इसपर एक विवादित बयान दे दिया. बिहार में महिलाओं पर हो रहा अत्याचारः रिया पासवान ने ईटीवी भारत से बातचीत में बताया कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है, लेकिन महिलाओं पर रोज कहीं न कहीं अत्याचार हो रहा है. बिहार में इंसाफ के लिए महिलाएं दर-दर भटकने को मजबूर हैं. मुजफ्फरपुर में दलित लड़की के

साथ दुष्कर्म हुआ और गला काटा गया वह बच जाती यदि पटना मेडिकल कॉलेज में उसका सही ढंग से इलाज हो जाता. राहुल गांधी की मुरीदः उन्होंने कहा की देश में महिलाओं को लेकर कोई नेता खुलकर बात नहीं कर रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी हर जगह महिलाओं की समस्या को लेकर मुख्य रूप से आवाज उठाते रहे हैं. कहीं भी कोई कार्यक्रम होता है राहुल गांधी उस कार्यक्रम में शामिल होते हैं. वे लोगों के साथ जमीन पर बैठकर बात करते हैं. लेकिन आजकल के नेता किसी के यहां दुख वाले कार्यक्रम में भी शामिल होते हैं तो उनके बैठने के लिए अच्छी व्यवस्था चाहते हैं, लेकिन राहुल गांधी में ऐसी बात नहीं. स्लम एरिया की समस्याः रिया पासवान ने बातचीत में बताया कि पटना के जिस अदालतगंज स्लम एरिया में वह रहती है. वहां छह महीने पहले छोटी बच्ची की चोरी हुई थी. बीस हजार से अधिक की आबादी अदालतगंज स्लम एरिया की है. पटना की मेयर से सीसीटीवी कैमरा लगवा देने का आवेदन दिया, लेकिन लोगों को अभी भी शिक्षा की व्यवस्था नहीं है. नेता बनने की चाहतः रिया पासवान ने बताया कि उन्होंने राहुल गांधी के सामने इच्छा जाहिर की थी कि वह भी शादी नहीं करना चाहती हैं और राजनीति में आना चाहती हैं. रिया ने बताया कि शादी नहीं करने के पीछे मकसद यही है कि यदि शादी कर लेंगे तो फिर अपने परिवार और अपने बच्चों के बीच सिमट कर रह जाएंगे. और यदि शादी नहीं करेंगे तो फिर समाज के लिए काम कर सकेंगे. रिया के जिंदगी का लक्ष्यः रिया ने बताया कि राजनीति करना कोई बुरी बात नहीं और उनके जीवन का लक्ष्य यही है. स्लम एरिया में रहने वाले लोग की जिंदगी कैसे बेहतर हो. कैसे मूलभूत सुविधाओं का उन्हें लाभ मिल सके वह बेहतर जिंदगी जी सके यही मेरे जीवन का लक्ष्य है. स्लम एरिया की महिलाएं अब उनके संघर्ष में उनके साथ दे रही है. कौन है रिया पासवान?

: रिया पासवान पटना के स्लम एरिया की रहने वाली एक सामान्य परिवार की लड़की है, लेकिन उसकी सोच असाधारण है. रिया को लोग ह्यपैड गर्लह्व के नाम से इसलिए जानते हैं, क्योंकि तीन साल एक एक कार्यक्रम में उठाए गए सवाल से चचाओं में आ गई थी. दरअसल, पटना में ह्यसशक्त बेटी, समृद्ध बिहारह्व कार्यक्रम का आयोजन हुआ था, जिसमें रिया ने तत्कालीन महिला विकास निगम की एमडी, आईएस हरजोत कौर बम्हरा से एक साहसी सवाल पूछा था.

वैशाली में BDO मैडम गिरफ्तार हो गई, 20 हजार रिश्वत लेते निगरानी अधिकारियों ने दबोच लिया

क्राइम संवाददाता द्वारा

वैशाली : वैशाली में बड़ी कार्रवाई की गई है. लालगंज प्रखंड कार्यालय में विशेष निगरानी विभाग की टीम ने लालगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलम कुमारी को 20000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है. जिसके बाद उन्हें पटना ले जाया गया है. वैशाली में निगरानी की दबिश : दरअसल, विशेष निगरानी विभाग में लालगंज प्रखंड के करताहा निवासी मिथिलेश कुमार सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनकी पत्नी के नाम पर आवास पास हुआ है. जिसकी पहली किस्त ₹40000 आयी है. बाकी बचे किस्तों के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा पैसे की मांग की जा रही है. वैशाली में इऊड गिरफ्तार : इसके बाद विशेष निगरानी विभाग की टीम ने मामला दर्ज करते हुए सोमवार को कार्रवाई की. विशेष निगरानी की टीम प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलम कुमारी को कार्यालय से ₹20000 रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है. वेरिफिकेशन के बाद एक्शन : इस संबंध में विशेष निगरानी विभाग के अधिकारी ने बताया कि, "मिथिलेश कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि प्रधानमंत्री आवास

योजना के तहत मेरा आवास पास हुआ है. जिसकी पहली किस्त आयी है. प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलम कुमारी द्वारा पैसे की मांग की जा रही है. इसके बाद वेरिफिकेशन कराया गया." "आज वादी (मिथिलेश कुमार) के द्वारा ₹20000 दिया गया. प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अपने ड्राइवर अविनाश कुमार द्वारा पैसा लिया. ड्राइवर पैसा लेकर गया और उनके टेबल पर रख दिया है. उस पैसे की जानकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी को भी है. पैसे को भी बरामद कर लिया गया है. ड्राइवर और प्रखंड विकास पदाधिकारी दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है. दोनों से पूछताछ की जा रही है."- निगरानी विभाग के अधिकारी बिहार विजिलेंस विभाग की टीम ने सिवान में बड़ी कार्रवाई की है. एक राजस्व कर्मी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है. उसने जमीन की दाखिल-खारिज कराने के लिए 35 हजार रुपये की डिमांड की थी. शिकायत के बाद निगरानी की टीम ने उसे रिश्वत लेते हुए अरेस्ट कर लिया है. गिरफ्त में आया घूसखोर राजस्व कर्मचारीः गिरफ्तार राजस्व कर्मचारी की पहचान जिले के लकड़ीनबीगंज प्रखंड में राजस्व कर्मचारी पर तैनात गिरिश तिवारी के रूप में हुई है. उस पर पहले भी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप लगे थे लेकिन इस बार वह निगरानी विभाग के चंगुल में आ गया. इस कार्रवाई से राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है.

अग्रवाल समाज ने दिल्ली के विकास को नई दिशा देने का कार्य किया : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शालीमार बाग में अग्रवाल सभा की नव निर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शालीमार बाग का अग्रवाल समाज न सिर्फ अपने क्षेत्र में बल्कि पूरे दिल्ली के अग्रवाल समाज को साथ जोड़ते हुए दिल्ली के विकास के पथ को नई दिशा और समाज सेवा को प्रेरणा देने का कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अग्रवाल समाज सिर्फ एक समुदाय नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की सशक्त परंपरा है। हर बार जब देश या समाज को जरूरत पड़ी, अग्रवाल समाज सबसे आगे खड़ा मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रवाल समाज चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो, व्यापार में नैतिकता की मिसाल देना हो या फिर जरूरतमंदों की मदद के आगे है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि मैं ऐसे समाज का हिस्सा हूं, जो सिर्फ अपने नहीं, पूरे देश के भविष्य को संवारने का संकल्प लेकर चलता है।

डकैती व अपहरण के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच उत्तरी रेंज-2 ने 2014 में हुई डकैती व अपहरण के मामले में पिछले 11 वर्षों से फरार चल रहे आरोपित राकेश को उप्र के लोनी स्थित चमन विहार से गिरफ्तार किया है। यह आरोपित वर्ष 2015 में न्यायालय द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक एएसआई अशोक कुमार को सूचना मिली कि राकेश दिल्ली-उप्र बॉर्डर के पास रह रहा है। इसके बाद इंस्पेक्टर अजय सिंह की देखरेख में एसआई प्रदीप गोदारा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने लगातार निगरानी और तकनीकी साधनों की मदद से आरोपित का लोकेशन ट्रेस किया और चमन विहार लोनी से उसे गिरफ़्तार किया।क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार 26 दिसंबर 2014 की रात करीब 9-30 बजे एक टाटा 407 वाहन जो 50 कार्टन पान बहार लेकर जा रहा था को झंडेवाला इलाके में कुछ लोगों ने रोक लिया। वाहन चालक को अगवा कर उसका मोबाइल और नकदी लूट ली गई। करीब दो घंटे बाद चालक को धौला कुआं के पास फेंक दिया गया। जबकि आरोपित पान बहार की खेप और वाहन लेकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना पहाड़गंज में मुकदमा दर्ज हुआ।

पहाड़गंज के होटल में युवती की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिले के पहाड़गंज स्थित अरकाशन रोड पर एक होटल में रह रही युवती सारिका (29) की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह 9-47 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को एक कॉल प्राप्त हुई, जिसमें होटल स्टाफ ने सूचना दी कि एक जोड़ा होटल के कमरे में रातभर ठहरा था। सुबह जब सफाईकर्मी पहुंचे तो पाया कि महिला मृत अवस्था में बाथरूम में पड़ी थी। जबकि उसका पुरुष साथी गायब था। जांच में सामने आया कि दोनों ने 07 जून को शाम 4-15 बजे होटल में चेक-इन किया था। होटल स्टाफ के अनुसार, शाम करीब 6 बजे दोनों ने पिज्जा और लस्सी ऑर्डर किया था। अगली सुबह पुरुष अकेले होटल से बाहर निकलता हुआ सीसीटीवी फुटेज में नजर आया। घटना की जानकारी मिलते ही क्राइम टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपित सचिन (31) को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह सारिका के साथ रिश्ते में था। लेकिन उसे उस पर किसी और के साथ संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ, जिसके बाद आरोपित ने पहले पीटा और फिर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

दिल्ली में नौ वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म कर की गई हत्या

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के दयालपुर इलाके में 9 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म कर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक बच्ची का शव पड़ोस में एक बंद मकान में मौजूद सूटकेस से बरामद किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। साथ ही दुष्कर्म और हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपित की तलाश की जा रही है और उसकी तलाश के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि करीब 8:41 बजे दयालपुर पुलिस स्टेशन को नेहरू विहार में 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर हत्या किए जाने की सूचना मिली। इसके बाद दयालपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची जहां पता चला कि बच्ची को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया है। वहां पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया है। डीसीपी के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच में पीड़िता के चेहरे पर चोट के निशान देखे और यौन उत्पीड़न की आशंका जताई। क्राइम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीमें घटनास्थल का निरीक्षण कर रही हैं। डीसीपी के अनुसार आरोपित को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए कई टीमें सुराग जुटा रही हैं। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी खंगाला जा रहा है।

एनसीआर में भीषण गर्मी का कहर जारी, अगले दो दिनों तक हीट वेव का अलर्ट जारी

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के निवासियों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। भारतीय मौसम विभाग ने आगामी दो दिनों यानी 9 और 10 जून के लिए 'हीट वेव' और 'धूल भरी तेज हवाओं' का यलो अलर्ट जारी किया है। दोनों ही दिन अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है, जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा। मौसम विभाग ने साफ शब्दों में चेताया है कि दिन के समय तेज धूप और गर्म हवा का असर स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों पर। ऐसे में लोगों को सलाह दी गई है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर न निकलें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। 11 जून से मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिलेगा, जब स्पष्ट बदलाव देखा जा सकेगा। इस दिन 'गर्म और उमस भरा' मौसम तो रहेगा, लेकिन साथ ही 'गर्जन के

आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और तापमान में मामूली गिरावट के साथ 43 डिग्री तक रहने की संभावना है। हालांकि उमस बढ़ने से गर्मी की तीव्रता कम नहीं होगी। मौसम विभाग के मुताबिक 12 जून को मौसम में साथ बारिश' की भी संभावना जताई गई है। अगले दो दिनों यानी 13 और 14 जून को भी 'आंधी-तूफान और बिजली गिरने' की चेतावनी के साथ बारिश या गरज-चमक के आसार हैं। 13 जून को तापमान गिरकर 39 डिग्री और 14 जून को 38 डिग्री तक रहने की संभावना है, जिससे लोगों को कुछ हद तक राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 15 जून तक हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं और तापमान 38 डिग्री के आसपास बना रहेगा।

इस दौरान 'नो वॉर्निंग' दर्शाई गई है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि भीषण गर्मी के दौर से फिलहाल अस्थायी राहत मिल सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मी की लहर (हीट वेव) शरीर पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। इससे लू लगने, थकान, सिर दर्द और यहां तक कि हीट स्ट्रोक की भी आशंका रहती है। ऐसे में नागरिकों को चेतावनी दी गई है कि खुले आसमान के नीचे लंबे समय तक रहने से बचें और छायादार स्थानों में ठहरें।

नशा तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ , 7.9 किलो अफीम बरामद, चार तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल ने अफीम की अंतरराज्यीय तस्करी में लिप्त एक संगठित नशा तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 7.9 किलोग्राम अफीम बरामद की गई है। जिसकी बाजार कीमत लगभग 50 लाख आंकी गई है। पुलिस ने उक्त मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर एक बाइक भी जब्त की है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक आदतन नशा तस्कर मुन्ना लाल आनंद विहार बस अड्डे के पास अफीम की बड़ी खेप देने आ रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद इंस्पेक्टर मनीत मलिक के नेतृत्व में टीम गठित की गई। देर रात 12:10 बजे आरोपित मुन्ना लाल को ईडीएम मॉल के पास से पकड़ा गया और उसके पास से 5.324 किलो अफीम बरामद हुई। मुन्ना लाल से पूछताछ में पता चला कि वह झारखंड के लातेहार जिले से अफीम लाकर उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में सप्लाई करता था। उसकी निशानदेही पर दो सप्लायर

देर रात 12:10 बजे आरोपित मुन्ना लाल को ईडीएम मॉल के पास से पकड़ा गया और उसके पास से 5.324 किलो अफीम बरामद हुई।

फरीद उद्दीन और अब्दुल राशिद आलम को बरेली के एक होटल से गिरफ्तार किया गया और 1.515 किलो अफीम बरामद हुई। इसके पुलिस टीम ने मेरठ निवासी करमजीत सिंह सैखों को 966 ग्राम अफीम के साथ दबोचा। उसके पास से अफीम की तस्करी में उपयोग की गई बाइक बरामद की गई।

नालों से गाद निकालने की तारीख बार-बार बढ़ाने पर कांग्रेस ने सवाल उठाया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार द्वारा नालों से गाद निकालने की तारीख को बार-बार आगे बढ़ाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली सरकार ने नालों से गाद निकालने की 15 मई की तारीख को आगे बढ़ाकर 31 मई कर दी। इसके बाद आज दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा 45 प्रतिशत काम पूरा होने की घोषणा करके इसकी तारीख 15 जून और अब 25 तक काम पूरा करने की घोषणा करके सरकार अपनी नाकामी छिपा रही है। जबकि 28 जून को दिल्ली में मानसून पहुंच जाएगा। यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों की भांति इस वर्ष दिल्ली सरकार भी गाद निकालने में संवेदनशील दिखाई नहीं दे रही है।

देवेंद्र यादव ने एक विज्ञप्ति जारी करती हुए कहा कि भाजपा ने दिल्ली की सत्ता संभालते ही नालों से गाद निकालने और यमुना सफाई पर काम करने का दावा किया था परंतु

पहले दिल्ली सरकार ने नालों से गाद निकालने की 15 मई की तारीख को आगे बढ़ाकर 31 मई कर दी।

मानसून से 20 दिन पहले सरकार ने गाद निकालने की तारीख को आगे बढ़ाकर अपनी नाकामी उजागर कर दी है। पीडब्ल्यूडी 2146 किमी लंबे जल निकासी के नेटवर्क का अभी तक 45 प्रतिशत काम करने का दावा कर रही है, जबकि सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने 68 प्रतिशत और दिल्ली नगर निगम 70 प्रतिशत नालियों से गाद निकालने का काम पूरा होने का दावा कर रहा है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और स्टॉर्मवाटर नालियों से गाद निकालने की हर वर्ष सरकारी प्रक्रिया होती है, जिसको जनवरी से शुरु होकर मई तक पूरा करने लक्ष्य सरकार बनाती है। बड़ी संख्या में मशीनों को गाद निकालने के लिए तैनात किया जाता है और उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और संबधित मंत्री के सर्वेक्षण के बावजूद भी गाद निकालने का काम पूरा होने की तारीख हर बार आगे क्यों बढ़ाई जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी की कार्यशैली में कोई खास अंतर नही है। इसके कारण दिल्ली की समस्याओं प्रदूषण, यमुना सफाई, सड़क प्रबंधन, परिवहन व्यवस्था अथवा डिसिल्टिंग जैसे किसी भी काम को सरकार के मंत्री और उनके नियंत्रण में कार्यरत अधिकारी 100 प्रतिशत पूरा करने में विफल साबित हुए है।

केजरीवाल सरकार ने 11 साल में नहीं चलाया एक भी सामाजिक चेतना अभियान - वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीरता न दिखाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने करीब 11 साल पहले निर्भया मामले पर राजनीति की थी और आज तक मासूम बच्चियों के साथ होने वाले अपराधों पर केवल राजनीतिक बयानबाजी तक ही सीमित रही है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि ऐसे घिनौने अपराध निस्संदेह निंदनीय हैं और समाज में इनके लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन इन घटनाओं को सिर्फ कानून व्यवस्था की नाकामी बताना एक राजनीतिक चालाकी है।

सचदेवा के अनुसार, इस तरह के अपराध करने वाले लोग विकृत मानसिकता और आपराधिक प्रवृत्ति के होते हैं, जिन्हें केवल सख्त कानून ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता के जरिए भी नियंत्रित किया जा सकता है। नेहरू विहार में एक नाबालिग बच्ची के साथ हुए हालिया वीभत्स अपराध का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है और जल्द ही गिरफ्तारी भी हो जाएगी। हालांकि, ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए केवल कानूनी कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है, समाज में जन जागरण और अपराधियों के मन में भय पैदा करने के लिए एक व्यापक सामाजिक अभियान की जरूरत है। सचदेवा ने सवाल किया कि बीते 11 वर्षों में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मंत्री आतिशी मार्लेना ने महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर कोई भी स्थायी या व्यापक सामाजिक चेतना अभियान क्यों नहीं चलाया? उन्होंने कहा कि चाहे दिल्ली महिला आयोग हो या बाल आयोग, इनके प्रमुख अक्सर राष्ट्रीय मुद्दों पर

बयान देते हैं, लेकिन महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों की मानसिकता को बदलने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए।भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि नेहरू विहार कांड में आरोपी भी अल्पसंख्यक समाज से है और पीड़िता का पड़ोसी था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऐसे अपराध सामाजिक रूप से कितने गहरे हैं।

राजा रघुवंशी हत्या मामला : पत्नी सोनम ने किया सरेंडर,मेघालय पुलिस बोली -सोनम ने दबाव में आत्मसमर्पण किया

एजेंसी

नई दिल्ली। शिलॉन्ग से कथित तौर पर लापता हुई इंदौर की सोनम रघुवंशी ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। मेघालय के सीएम कोनरॉड संगमा ने एक्स पोस्ट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक महिला ने आत्मसमर्पण कर दिया है। उसके साथ तीन हमलावर भी पकड़े गए हैं, जबकि एक की तलाश जारी है। मेघालय पुलिस ने सोमवार को बताया कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में गिरफ्तार सोनम रघुवंशी ने दबाव में आकर आत्मसमर्पण कर दिया है। उसके तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक अभी भी फरार है। मेघालय में हनीमून के दौरान इंदौर निवासी राजा की रहस्यमयी मौत के मामले में सोमवार को एक चौंकाने वाला मोड़ आया, जब पुलिस ने कथित तौर पर भाड़े के हत्यारों द्वारा राजा की हत्या की साजिश रचने के आरोप में उसकी

पत्नी सोनम को गिरफ्तार कर लिया।

मेघालय पुलिस ने बताया कि सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से पकड़ा गया। उसने बढ़ते दबाव के चलते रविवार देर रात नंदगंज पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया।वहीं, मेघालय के पुलिस महानिरीक्षक डाल्टन पी. मारक ने समाचार एजेंसी फोन पर बताया, सोनम ने कल रात दबाव में आकर आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे मामले में गिरफ्तार लोगों की कुल संख्या चार हो गई। एक आरोपी अभी भी फरार है। सोनम को अदालती कार्यवाही के लिए मेघालय वापस लाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के एडीजी (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश के अनुसार सोनम को वाराणसी-गाजीपुर मुख्य मार्ग पर काशी ढाबा पर पाया गया। उसे प्राथमिक उपचार के लिए सदर अस्पताल भेजा गया और फिलहाल उसे वन स्टॉप सेंटर में रखा गया है। मेघालय के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) इदाशीशा नोंग्रांग ने कहा कि जांच जारी है और आगे की जानकारी के लिए गिरफ्तार व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने भी मामले में सफलता की बात स्वीकार की।उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, राजा हत्या मामले में 7 दिनों के भीतर मेघालय पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मध्य प्रदेश के 3 हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है, महिला ने आत्मसमर्पण कर दिया है और 1 अन्य हमलावर को पकड़ने के लिए ऑपरेशन अभी भी जारी है। राजा और सोनम अपने हनीमून के लिए मेघालय आए थे।

डकैती व अपहरण के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच उत्तरी रेंज-2 ने 2014 में हुई डकैती व अपहरण के मामले में पिछले 11 वर्षों से फरार चल रहे आरोपित राकेश को उप्र के लोनी स्थित चमन विहार से गिरफ्तार किया है। यह आरोपित वर्ष 2015 में न्यायालय द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक एएसआई अशोक कुमार को सूचना मिली कि राकेश दिल्ली-उप्र बॉर्डर के पास रह रहा है। इसके बाद इंस्पेक्टर अजय सिंह की देखरेख में एसआई प्रदीप गोदारा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने लगातार निगरानी और तकनीकी साधनों की मदद से आरोपित का लोकेशन ट्रेस किया और चमन विहार लोनी से उसे गिरफ़्तार किया।क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार 26 दिसंबर 2014 की रात करीब 9:30 बजे एक टाटा 407 वाहन जो 50 कार्टन पान बहार लेकर जा रहा था को झंडेवाला इलाके में कुछ लोगों ने रोक लिया। वाहन चालक को अगवा कर उसका

मोबाइल और नकदी लूट ली गई। करीब दो घंटे बाद चालक को धौला कुआं के पास फेंक दिया गया। जबकि आरोपित पान बहार की खेप और वाहन लेकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना पहाड़गंज में मुकदमा दर्ज हुआ।

चुनाव से पहले ही अपनी हार को स्वीकार कर रही है कांग्रेस पार्टी : नलिन कोहली

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'मैच फिक्सिंग' वाले बयान का भाजपा नेता नलिन कोहली ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अक्सर चुनाव आने से पहले कांग्रेस पार्टी और कुछ विपक्षी नेता चुनाव प्रक्रिया, चुनाव आयोग, इलेक्ट्रिक मशीन पर सवाल उठाने लगते हैं। यही नेता चुनाव जीतने के बाद कभी भी इस तरह के प्रश?न नहीं करते। तेलंगाना में कांग्रेस जीत गई, तो इनको कही कोई कोई दिक्कत नहीं हुई। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि शायद वह इसलिए सवाल उठा रहे हैं। उनको लगता है कि जनता उनके साथ नहीं है। वह अभी से जनता को एक संदेश देना चाहते हैं कि चुनाव में हार मिली तो हमने पहले ही इसके बारे में बता दिया था। यह उनकी ओर से हार स्वीकार करने की बात है। नलिन कोहली ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि चुनाव से पहले यदि वह जनता के बीच में समय लगाते और अपनी मेहनत और काम को दिखाते तो शायद चुनाव में जनता उनको वोट देती। भाजपा जनता के बीच लगातार जाती है और विकास कार्यों को गिनाती है, जिससे जनता का लगाव भाजपा से बना हुआ है।

बता दें कि हाल ही में राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने लेख का लिंक शेयर किया, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को मैच फिक्सिंग करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के आने वाले चुनाव में भी ऐसा ही हो सकता है। वहीं, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे को कांग्रेस पार्टी की ओर से समय और पैसे की बर्बादी बताने पर उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस 'ऑपरेशन सिंदूर' के पक्ष में रहने की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ वह इस पर सवाल भी उठाती है। ऐसे प्रश्न उठाएंगे जो पाकिस्तान में गूंजेगे और कांग्रेस की प्रतिक्रिया को भारत के खिलाफ अपनी बात रखने के लिए उसका इस्तेमाल करें। यह तब हाल है जब विदेश में अलग-अलग देश में हमारे सांसद गए जिसमें कांग्रेस के भी सांसद थे। अब कांग्रेस अपने सांसदों की भी आलोचना कर रही है, उन पर प्रश्न उठा रही है। नलिन कोहली ने आगे कहा, 'एक सांसद ने कहा, 'क्या देश के हित में काम करना इतना कठिन है।' अब सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे को कहते हैं कि पैसे फिजूल में खर्च हुए हैं। भारत बात को दुनिया के सामने रखने के लिए देशहित में अगर सर्वदलीय सांसद विदेशों में जाते हैं, लोगों को आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख के बारे में बताते हैं, तो यह देश के पैसे को व्यर्थ करना कैसे हुआ है, इस बात को कांग्रेस पार्टी ही समझा सकती है।'

आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय बनेंगे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला

एजेंसी

नई दिल्ली। 'नमस्ते, मैं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला हूं...' ये गर्व भरे शब्द भारतीय वायुसेना के जांबाज टेस्ट पायलट शुभांशु शुक्ला के हैं जिन्होंने अंतरिक्ष में अपनी ऐतिहासिक उड़ान से पहले जारी एक वीडियो में यह बात कही है। 15 वर्षों तक एक कॉम्बैट पायलट रहे शुक्ला अब अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय नागरिक बनने जा रहे हैं। यह ऐतिहासिक मिशन एक्सिओम स्पेस के 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत लॉन्च किया जाएगा, जिसे 'मिशन आकाश गंगा' भी कहा जा रहा है। यह निजी अंतरिक्ष उड़ान 10 जून को नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन सी213 यान के जरिए प्रक्षेपित होगी। लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद, यान 11 जून की रात करीब 10 बजे पर आईएसएस से जुड़ेगा। लखनऊ में जन्मे 39 वर्षीय शुभांशु शुक्ला को जून 2006 में भारतीय वायुसेना में कमीशन मिला था। उन्होंने अब तक 2,000 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव हासिल किया है और सुखोई-30 एमके 1, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डॉर्नियर और एएन-32 जैसे कई विमानों को उड़ाया और परीक्षण किया है। साल 2020 में उन्हें इसरो के गगनयान मिशन के लिए चुना गया था। यह भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान परियोजना है। चार साल बाद, उनकी अंतरिक्ष यात्रा ने एक नया मोड़ लिया है। शुक्ला ने कहा, 'भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा 1984 में अंतरिक्ष गए थे। मैं उनके बारे में स्कूल की किताबों में पढ़ता था और उनके अनुभवों को सुनकर बहुत प्रभावित होता था। अपनी इस यात्रा को लेकर उन्होंने कहा, शुरुआत में मेरा सपना सिर्फ उड़ान भरना था। लेकिन अंतरिक्ष यात्री बनने की राह बाद में खुली। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे जीवन भर उड़ान भरने का अवसर मिला और फिर मुझे अंतरिक्ष यात्री बनने का आवेदन करने का मौका मिला। और आज मैं यहां हूं।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने योग दिवस और 'एक पेड़ मां के नाम 2.0 कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने 21 जून को आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और एक पेड़ मां के नाम-2.0 कार्यक्रमों की तैयारियों की दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। शिक्षा मंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार पहली बार भारत सरकार के साथ मिलकर आधिकारिक तौर पर दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कर रही है। यह 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। इसलिए यह योग दिवस दिल्ली के विभिन्न 11 प्रमुख स्टेडियम/ खेल परिसरों (त्यागराज स्टेडियम, ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्लेक्स, झिलमिल कॉलोनी, बवाना, पहलादपुर, भारत नगर, यमुना बैंक, नजफगढ़ स्टेडियम, द्वारका सेक्टर-6, अशोक नगर हॉकी स्टेडियम) में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हर योग परिसर पर किसी एक मंत्री को जिम्मेदारी भी दी जाएगी। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव दिल्ली सरकार के अलावा शिक्षा निदेशालय, राजस्व विभाग, ऊर्जा विभाग, पर्यावरण, वन, दिल्ली नगर निगम और फायर विभाग के आला अधिकारियों ने भाग लिया। सूद ने यह भी कहा कि इस योग दिवस का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और समुदाय के बीच योग के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में लगभग 20, 000 प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है। इनमें दिल्ली सरकार के विद्यालयों के छात्र, शिक्षक, योग प्रशिक्षक, एनएसएस/एनसीसी कैडेट्स, सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स आदि शामिल होंगे। मुख्य आयोजन स्थल के रूप में छत्रसाल स्टेडियम का चयन किया गया है जहां लगभग 10,000 प्रतिभागी योगाभ्यास में भाग लेंगे। इसमें भारतीय योग संस्थान के 5,000 स्वयंसेवक होंगे। इसके अतिरिक्त अन्य 10 स्थानों में प्रत्येक परिसर में 1,000 प्रतिभागी शामिल होंगे। मंत्री ने बैठक में उपस्थित सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह स्कूल, कॉलेज समाज के सभी वर्ग के लोगों, योग प्रशिक्षक, सभी सरकारी कार्यलयों के प्रमुखों को योग दिवस के लिए पत्र लिखकर आमंत्रित करें और उनको योग के लिए प्रोत्साहित भी करें। सूद ने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण द्गस्न्न्द्दस्न्न्ददृद्य.ठ्ठन्न्.द्वठ्ठ वेबसाइट पर किया जाएगा।

'एक पेड़ मां के नाम-2.0 अभियान के बारे में मंत्री ने बताया की यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान को एक साथ सांझा करने का प्रयास है। 'एक पेड़ मां के नाम-2.0 अभियान ने अपने पहले चरण में सफलता की नई ऊंचाइयों को छूआ है। इस अभियान की शुरुआत 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुद्ध जयंती पार्क दिल्ली में पीपल का पौधा लगाकर की गई। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत 9 जून सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शालीमार बाग स्थित राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय में पौधारोपण करेंगी।

नालों से गाद निकालने की तारीख बार-बार बढ़ाने पर कांग्रेस ने सवाल उठाया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार द्वारा नालों से गाद निकालने की तारीख को बार-बार आगे बढ़ाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली सरकार ने नालों से गाद निकालने की 15 मई की तारीख को आगे बढ़ाकर 31 मई कर दी। इसके बाद आज दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा 45 प्रतिशत काम पूरा होने की घोषणा करके इसकी तारीख 15 जून और अब 25 तक काम पूरा करने की घोषणा करके सरकार अपनी नाकामी छिपा रही है। जबकि 28 जून को दिल्ली में मानसून पहुंच जाएगा। यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों की भांति इस वर्ष दिल्ली सरकार भी गाद निकालने में संवेदनशील दिखाई नहीं दे रही है। देवेंद्र यादव ने एक विज्ञप्ति जारी करती हुए कहा कि भाजपा ने दिल्ली की सत्ता संभालते ही नालों से गाद निकालने और यमुना सफाई पर काम करने का दावा किया था परंतु मानसून से 20 दिन पहले सरकार ने गाद निकालने की तारीख को आगे बढ़ाकर अपनी नाकामी उजागर कर दी है। पीडब्ल्यूडी 2146 किमी लंबे जल निकासी के नेटवर्क का अभी तक 45 प्रतिशत काम करने का दावा कर रही है, जबकि सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने 68 प्रतिशत और दिल्ली नगर निगम 70 प्रतिशत नालियों से गाद निकालने का काम पूरा होने का दावा कर रहा है। देवेंद्र यादव ने कहा कि ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और स्टॉर्मवाटर नालियों से गाद निकालने की हर वर्ष सरकारी प्रक्रिया होती है, जिसको जनवरी से शुरु होकर मई तक पूरा करने लक्ष्य सरकार बनाती है। बड़ी संख्या में मशीनों को गाद निकालने के लिए तैनात किया जाता है और उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और संबधित मंत्री के सर्वेक्षण के बावजूद भी गाद निकालने का काम पूरा होने की तारीख हर बार आगे क्यों बढ़ाई जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी की कार्यशैली में कोई खास अंतर नही है। इसके कारण दिल्ली की समस्याओं प्रदूषण, यमुना सफाई, सड़क प्रबंधन, परिवहन व्यवस्था अथवा डिसिल्टिंग जैसे किसी भी काम को सरकार के मंत्री और उनके नियंत्रण में कार्यरत अधिकारी 100 प्रतिशत पूरा करने में विफल साबित हुए है।

संक्षिप्त समाचार

रेयर ब्लड देकर फरिश्ता बने आसमाहमोद शेख इंसानियत फाउंडेशन के बैनर तले किया रक्तदान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जिला के बहु चर्चित खासकर रक्तदान क्षेत्र मे अपना अहम भूमिका निभा रहे है, युवाओं का ये पलटन एक अलग ही जूनून रखता है किसी जरूरत मंद को अगर खून की आवश्यकता पड़ जाए तो तुरंत रक्तदान करने के लिए तैयार हों जाते है, इसी क्रम में सदर अस्पताल सोनाजोड़ी मे एक असहाय हीमोग्लोबिन की मात्रा कम महिला मरिज जेलेसा बीबी 29 वर्षीय की है जिसके लिए बी नेगेटिव खून के लिए कई दिनों से इधर उधर खोजबीन कर रहे थे कुछ उपाई नहीं हों पाया फिर इंसानियत फाउंडेशन के सचिव बानिज से वातार्लाप करते ही डोनर तैयार

कर दिया गया रक्तदाता सहबजपुर के अस्माहमोद शेख ने पाकुड़ ब्लड बैंक जाकर बी नेगेटिव खून डोनेट किया तब जाकर इलाज संभव हों पाया, परिजनों ने इंसानियत फाउंडेशन के सदस्यों को ढेर सारी दुआए दी, मौके पर कर्मचारी पियूष दास नविन कुमार नुरुज्जामान थे.

विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 62 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःमहेशपुर प्रखंड के उपर टोला सोहबिल एवं लिट्टीपाड़ा प्रखंड के छोटाघगरी में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 62 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० राजेश यादव एवं डॉ मो अफरोज आलम ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई।

हिरणपुर कांग्रेस कमेटी की हुई अहम बैठक संविधान बचाओ कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु हुई चर्चा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःसोमवार को हिरणपुर प्रखंड कांग्रेस कमेटी की हुई अहम बैठक,

जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मनोवर आलम ने किया बैठक मोहनपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय में की गई बैठक में आगामी कार्यक्रम संविधान बचाओ संगठन सृजन प्रखंड अंचल में चल रहे भ्रष्टाचार बिजली की समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा की गई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की आगामी रविवार को 3बजे संविधान बचाओ कार्यक्रम किया जाना है जिसमे अधिक से अधिक कार्यकर्ता शामिल होना सुनिश्चित करेंगे वही प्रखंड में योग्य लाभुको को आवास पेंशन की सुविधा नही मिल पा रहा है अंचल में दाखिल खारिज ऑन लाइन खजाना कटवाने में लगातार समस्या उत्पन्न हो रही है अगर सुधार नही हुई तो जल्द इसके लिए आंदोलन करेंगे प्रखंड कमेटी का विस्तार करते हुए नए नियम के तहत दो उपाध्यक्ष अमृत ठाकुर मो राजू अंसारी महासचिव मो मुस्ताक मुजामिल को बनाया गया जल्द मंडल कमेटी एक सप्ताह के अंदर बनाने का निर्णय लिया गया प्रखंड अध्यक्ष ने कहा की जो समस्या आई हैं संज्ञान में उसपर प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचल अधिकारी से बात कर समाधान की जायेंगी बैठक में अमृत ठाकुर मो मुस्ताक मो मुजालिम शिव लाल मरांडी मन्नाफ अंसारी रोगा मोमिन उपस्थित रहे.

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्य तिथि पर झामुमो ने माल्यार्पण कर किया नमन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ में झामुमो के वरिष्ठ कार्यकताओं ने केंद्रीय समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव जी के नेतृत्व में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्य तिथि पर उन्हें शत-शत नमन किया। कार्यकताओं ने पाकुड़ बाजार बिरसा चौक में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मिथलेश घोष, पीटर मरांडी, मुकेश सिंह, नूर अलम, पिंटू गुप्ता, पतरास मरांडी, धीरू घोष, अली शेख, मो मुबारक, काबिल शेख, बक्कर शेख, शमीम अंसारी, अलमगीर आलम सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने भगवान बिरसा मुंडा के जल-जंगल-जमीन और जनजातीय अस्मिता की रक्षा हेतु किए गए संघर्ष को याद किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

भगवान बिरसा मुंडा को याद कर भावुक हुए कार्यकर्ता

कार्यकताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष को याद करते हुए उन्हें महान जन नायक बताया। सभी ने उनकी पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

चंबल में अवैध रेत खनन की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम सुरक्षा

यह सिर्फ हमारा मामला नहीं है, बल्कि हर उस पत्रकार के अधिकार का सवाल है जो बिना डर के रिपोर्ट करना चाहता है

नई दिल्ली,।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश के दो पत्रकारों – शशिकांत जाटव और अमरकांत सिंह चौहान – को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी है। यह राहत उन पर मंडरा रहे खतरों और दबाव के मद्देनजर दी गई है, जो चंबल क्षेत्र में अवैध रेत खनन को उजागर करने वाली उनकी रिपोर्टिंग के बाद सामने आए हैं। दोनों पत्रकार, जो भिंड ज़िले में कार्यरत हैं, ने याचिका में आरोप लगाया है कि उन्हें स्थानीय पुलिस अधिकारियों द्वारा धमकाया गया और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। इन आरोपों की पृष्ठभूमि में उन रिपोर्टों की श्रृंखला है जिनमें उन्होंने पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील चंबल नदी क्षेत्र में अनियंत्रित और अवैध खनन गतिविधियों का खुलासा किया था। अमरकांत सिंह चौहान, जो 'स्वराज एक्सप्रेस' के ब्यूरो प्रमुख हैं, ने याचिका में बताया कि 1 मई को उन्हें पुलिस अधीक्षक ने बातचीत के बहाने बुलाया, लेकिन वहां उनके साथ मारपीट की गई – जिसमें कपड़े उतरवाकर पीटे जाने का आरोप भी शामिल है – और यह सब अन्य पत्रकारों की मौजूदगी में हुआ। इसके कुछ दिन बाद, 4 मई को, चौहान और स्वतंत्र पत्रकार शशिकांत जाटव को कथित तौर पर एक बिचौलिए द्वारा रेलवे स्टेशन से बहलाकर एसपी के बंगले पर ले जाया गया, जहां उन पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया। अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता के चलते, दोनों पत्रकार 5 मई

को दिल्ली चले गए और उन्होंने प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष औपचारिक शिकायतें दर्ज कराईं। पहले उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया, जिसने उन्हें दो महीने की अंतरिम राहत दी, लेकिन न्यायालय ने अधिकार-क्षेत्र की सीमा का हवाला देते हुए उन्हें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट जाने की सलाह दी। मामला दो राज्यों से जुड़ा होने और इसकी संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने सीधे सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट ने मामले पर संज्ञान लेते हुए मध्य प्रदेश और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किए और गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी। मध्य प्रदेश सरकार ने अपने जवाब में इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि दोनों पत्रकारों पर जबरन वसूली जैसे गंभीर आरोप हैं। वहीं पत्रकारों का कहना है कि यह आरोप झूठे हैं और उन्हें चुप कराने की मंशा से लगाए गए हैं। एक संयुक्त बयान में दोनों पत्रकारों ने कहा कि यह मामला सिर्फ उनका निजी मामला नहीं है, बल्कि पूरे पत्रकार समुदाय के उस अधिकार से जुड़ा है जिसमें वे जनहित के मुद्दों पर बिना किसी डर के रिपोर्ट कर सकें। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की ओर से मिली राहत का स्वागत करते हुए न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा जताया। वहीं वरिष्ठ पत्रकार मनोज शर्मा ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह मामला साफ तौर पर दिखाता है कि उन इलाकों में खोजी पत्रकारिता के लिए जगह कितनी सीमित होती जा रही है, जहां अवैध गतिविधियां बेधड़क चल रही हैं। उनके अनुसार, यह अंतरिम सुरक्षा प्रेस की स्वतंत्रता के लिए एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण जीत है।फिलहाल मामला जांच के अधीन है और दोनों याचिकाकताओं ने कहा है कि वे कानूनी प्रक्रिया में पूरा सहयोग देंगे और न्यायपालिका में उन्हें पूरा विश्वास है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःमहेशपुर कृषि विज्ञान, कृषि एवं संबद्ध विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सोमवार को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन महेशपुर प्रखंड के 2 टीमों द्वारा कुल 6 गांव यथा अभूआ, नारायणगढ़, खूरीडीह, चांदपुर, सीतारामपुर एवं देवीनगर में आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों किसानों ने हिस्सा लिया।मौके पर ICAR के वरीय वैज्ञानिक डॉ आर एस पान उपस्थित हुए एवं किसानों को पोषण सुरक्षा के तहत सब्जी की खेती करने के लिया प्रेरित किया। उन्होंने अभूआ में उपस्थित 60 किसानों को स्वर्ण मुकुट प्रभेद का बोदी का बीज, सोयाबीन का बीज, फ्रेंचबीन का बीज, सेम इत्यादि का बीज वितरण किया। साथ ही *कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विनोद कुमार* ने धान की खेती, प्राकृतिक खेती, बीजोपचार, जमीन के अनुसार धान के विभिन्न प्रभेद का

चयन, खरीफ फसलों का उचित प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, कृषि यंत्रों का उपयोग इत्यादि से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। किसानों को ऊपरी जमीन के लिए दलहन एवं तेलहन फसल जैसे अरहर एवं मूंगफली की खेती, मध्यम ऊंचाई की जमीन के लिए कम अवधि में तैयार होने वाली धान की उच्च गुणवत्ता एवं अधिक उपज देने वाली प्रजातियों जैसे सहभागी, ललाट, नवीन की खेती, मकई का फसल लगाने एवं निचली जमीन हेतु स्वर्णा एवं राजेंद्र मंसूरी धान लगाने की सलाह दी गई। विभिन्न फसलों में कीट एवं समेकित पोषक तत्व प्रबंधन हेतु जानकारी उपलब्ध कराई गई। मृदा स्वास्थ्य कार्ड की उपयोगियां के बारे में किसानो को विस्तृत जानकारी दी गई। राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजना जैसे किसान समृद्धि योजना, पीएम कुसुम योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना,बीज विनिमय एवं वितरण योजना,खाद्य और पोषण सुरक्षा योजना,बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना,किसान क्रेडिट कार्ड योजना, फसल सुरक्षा योजना, बकरा विकास योजना, शूकर विकास योजना, कुक्कुट योजना, बत्तख पालन योजना, तालाब निर्माण योजना,तालाब जीर्णोद्धार योजना, उद्यान विकास योजना, राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत आम,अमरूद,पपीता का पौधा वितरण इत्यादि की जानकारी दी गई। मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ संजय कुमार, डॉ करुणा शंकर, सुश्री अलोका बागे, सुरेंद्र मुंडा, राहुल कुमार, आत्मा के सहायक तकनीकी प्रबंधक शांतनु कुमार शील, अभिजीत कुमार शील उपस्थित रहे।

सांसद निधि, विधायक निधि योजना की प्रगति के कार्यों की डीसी ने की समीक्षा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सांसद निधि योजना एवं विधायक निधि योजना में लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा लंबित डी.सी विपत्र पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि उक्त सभी फंड विकास कार्यों के क्रियान्वयन से जुड़ी हैं जिसमें कार्यों के गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखें तथा जो कार्य अपूर्ण है उनमें कार्य कराते हुए ससमय कार्य पूर्ण करायें। विधायक निधि एवं सांसद निधि अंतर्गत पूर्ण हुए कार्यों की डीसी बिल एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र को जल्द से जल्द जमा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकताओं ने किया माल्यार्पण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःधरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर सोमवार को भाजपा नगर अध्यक्ष सोहन मंडल के नेतृत्व में नगर के बिरसा चौक में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यकत्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की आज 125वीं पुण्यतिथि है। भगवान बिरसा मुंडा जी सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नहीं बल्कि उन्होंने भारत में आदिवासी अधिकारों की चेतना का शंखनाद भी किया। उन्होंने बीस साल की उम्र से ही हजारों आदिवासियों को एकजुट किया। ब्रिटिश सरकार को आदिवासी क्षेत्रों में सुधारों के लिए मजबूर किया और उनसे प्रयासों ने छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट लागू करने में अहम भूमिका निभाई। भगवान बिरसा मुंडा ने अपने जीवन काल में जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और मुंडा जनजाति को सामाजिक कुरीतियों से मुक्त करने के

लिए जागरूकता फैलाई। रांची जेल में 9 जून 1900 को संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई। भगवान बिरसा मुंडा की विरासत आज भी आदिवासी समुदायों के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके विचार आज भी हमारे समाज को जागृत कर रहें हैं। आज यह बेहद दुःख की बात है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर आज उन्हीं का अपमान नगर प्रशासन कर रहा है। न उनकी प्रतिमा की सफाई कर सुसज्जित किया गया और न ही कोई प्रशासनिक कार्यक्रम हुआ। भाजपा कार्यकर्ताओं की तत्परता से प्रतिमा की सफाई हुई। राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के अबुआ राज में भगवान बिरसा मुंडा जी का अपमान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी,जिला महामंत्री रूपेश भगत,पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, सपन दुबे, हिसाबी राय, हिरणपुर मंडल अध्यक्ष सुकुमार मंडल, पवन भगत, संजीव साह, जीतू सिंह, रतन भगत उपस्थित हुए।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि पर उपायुक्त ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

देवघर से दिव्य दिनकर
संवाददाता प्रेम रंजन झा

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज दिनांक 09.06.2025 को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने नगर निगम कार्यालय स्तिथ भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यर्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा मौके पर उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने आज धरती आबा भगवान भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि बहुत खास है। आगे उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के महान

योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनका साहस, संघर्ष और मातृभूमि के प्रति समर्पण हम सभी को अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ संकल्पित होने की प्रेरणा देता है। भगवान बिरसा मुंडा के त्याग, साहस और समाज के लिए संघर्ष भावी पीढ़यों के लिए सदैव पथप्रदर्शक है। प्रेरणा से परिपूर्ण भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से हम सभी को आगे बढ़ने और सीखने की आवश्यकता हैं। इस दौरान उपरोक्त के अलावा* नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, उप नगर आयुक्त सागरी बराल, जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेश कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री नरेश रजक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल भारती,

जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, सिटी मैनेजर एवं संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

देवघर स्टेशन के रास्ते में 'सुगंधित' स्वागत जिम्मेदार कौन

देवघर से दिव्य दिनकर
संवाददाता प्रेम रंजन झा

अगर आप देवघर स्टेशन की ओर जाने वाले रास्ते से गुजर रहे हैं, तो नाक पर रुमाल जरूर रख लीजिए, क्योंकि यहां आपका स्वागत कोई पुष्प वर्षा से नहीं, बल्कि ह्यसड़ांध वर्षाह्ल से होता है। ये बदबू नहीं, ये सिस्टम की सड़ांध है।

यह वही रास्ता है जहां देवघर जिले की सभी कचरा गाड़ियां एक लाइन में सजी होती हैं – जैसे कोई सजे-धजे बारात हो, फर्क बस इतना कि ये ह्यबारातह्ल नहीं, ह्यकचराह्ल है। यहां शहर का पूरा कचरा पहले छोटी गाड़ियों में आता है, फिर यहां रुक कर बड़े गाड़ियों में लादा जाता है, और फिर रवाना होता है कोठिया स्थित डंपिंग जोन की ओर। यानी स्टेशन रोड अब सिर्फ रेलवे के लिए नहीं, बल्कि ₹गंध वाले गेटवे₹ के लिए भी फेमस हो गया है। अब सवाल ये है कि जब ये गाड़ियां घंटों लाइन में लगती हैं, तब यात्रियों को जो खुशबू मिलती है, वो क्या देवघर की कोई नई ह्यमहकदार पहचानह्ल बन जाएगी? विदेशी पर्यटक तो शायद समझें कि ये कोई पारंपरिक

रिवाज है – फॉग ऑफ इंडिया। परेशानी की बात ये नहीं कि कचरा है – हर शहर में होता है। समस्या ये है कि न इसे समय पर हटाया जा रहा है, न इसके लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था है। सड़क के दोनों तरफ सजे-संवरे ये कचरे वाले वाहन, खुले में गंध उड़ाते हुए जैसे प्रशासन का मुंह चिढ़ा रहे हों। ऊपर से नगर निगम और प्रशासन की चुप्पी – मानो सबने नाक पर क्लिप लगाकर आंख मूंद ली हो। सरकार चुप, स्थानीय प्रशासन चुप, और देवघर नगर निगम तो मानो ह्यनाकबंदीह्ल कर छुट्टी पर चला गया है। ऐसा लगता है जैसे ये सब मिलकर किसी ह्यस्मेल फेस्टिवलह्ल की तैयारी कर रहे हों! क्या देवघर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को यही अनुभव देना है? क्या यही है हमारा स्वागत-संस्कार? अब जनता पूछती है – शिकायत किससे करें? क्योंकि जिनसे करनी है, वो तो शायद खुद इसी लाइन से होकर ऑफिस जाते होंगे, और गंध में ही आदतन जीना सीख चुके हैं। समय आ गया है कि प्रशासन अपने वातानुकूलित दफ्तरों से बाहर निकले, और एक दिन इसी सड़क पर पैदल चलकर देखे – शायद तब जाकर इन्हें अहसास हो कि कचरे से ज्यादा बदबूदार है इनकी चुप्पी।

बिजली की चोरी करते हुए पकड़े गए तीन लोग, विभाग ने किया मामला दर्ज

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःबिजली की चोरी रोकने के लिए विगत 6जून को महेशपुर प्रखंड के बलियाडंगाल गांव में छापामारी अभियान चलाया. बिजली विभाग ने छापेमारी कर तीन लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया. वही बिजली विभाग के कनीय अभियंता सुरेंद्र प्रसाद मुर्मू के द्वारा थाने में दिए गए आवेदन के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. बिजली विभाग के अधिकारीयों ने 06जून को महेशपुर- बलियाडंगाल गांव में बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया. छापेमारी के दौरान बलियाडंगाल गांव निवासी उमेश कुमार साह, श्यामचंद्र साह और फारूक अंसारी के खिलाफ बिजली पोल से टोका लगाकर बिजली चोरी करने के आरोप में सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज करवाया है.

संक्षिप्त समाचार

स्वदेशी जागरण मंच देवघर, ऑन लाईन कम्पनियों अमेजॉन इत्यादि के विरोध मे निकालेंगी जागरूकता रैली

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर । स्टेशन रोड स्थित स्वदेशी जागरण मंच कार्यालय में एक आवश्यक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि आगामी 15 जुन रविवार को टॉवर चौक से वी० आई० पी ०चौक तक विदेशी कम्पनियों-अमेजॉन फ्लिप कार्ड, एवं अन्य विदेशी कंपनियों एवं चाईना व तुर्की उत्पादों के विरोध में विशाल स्वदेशी जागरूकता रैली निकाली जायेंगी। जिसमें स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर जोर दिया जायेंगा बैठक में इस माह जुन के अन्तिम सप्ताह में जिला सम्मेलन आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। मौके पर मंच के जिला संयोजक संजय सिंह के अलावे प्रभाष गुप्ता, अमर सिन्हा, गौरी शंकर शर्मा, लक्ष्मी देवी चन्द्रवंशी, माया केसरी, महेश दुबे इत्यादि अनेको लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने राज्य परिबोध सत्र का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु आईएएस की टीम से की मुलाकात

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने आज दिनांक 09.06.2025 को राज्य दर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर देवघर परिभ्रमण में आए हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु आईएएस (2024 बैच) की टीम से मुलाकात की। साथ ही उपायुक्त ने प्रशिक्षु आईएएस की टीम से उनके परिभ्रमण के अलावा बाबा मंदिर, त्रिकुटी पर्वत एवं श्रावणी मेला क्षेत्र निरीक्षण की वस्तुस्थिति से अवगत हुए। आगे उपायुक्त ने प्रशिक्षु अधिकारियों से बातचीत करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इसके अलावा उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने देवघर जिला परिभ्रमण को लेकर आए हुए प्रशिक्षु आईएएस में आनंद शर्मा, नाजिश उमर अंसारी, सिद्धांत कुमार और हिमांशु लाल को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेश कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणबीर सिंह, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी उपस्थित थे।

भगवान बिरसा मुंडा की मनाई गई शहादत दिवस

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-जसीडीह स्थित एक लॉज के सभागार में भगवान बिरसा मुंडा का 125वीं शहादत दिवस मनाया गया।मौके पर उपस्थित सैकड़ो लोगों ने भगवान मुंडा के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।इस दौरान मौके पर मुख्य रूप से झामुमो के वरीय नेता सरोज सिंह,राजद नेता मृत्युंजय कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।उपस्थित सभी लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि समर्पित किया।सरोज सिंह ने बिरसा मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 9 जून 1900 को बिरसा मुंडा की शहादत हुई थी।बिरसा मुंडा ने बहुत कम उम्र में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजा दिया था।उन्होंने ये लड़ाई तब शुरू की थी जब वो 25 साल के भी नहीं हुए थे,उनका जन्म 15 नवंबर, 1875 को मुंडा जनजाति में हुआ था।इतिहासकारों के अनुसार बिरसा मुंडा की मृत्यु 9 जून 1900 को रांची जेल में हुई थी।मृत्यु का कारण बीमारी बताया गया था,किंतु कुछ लोगों का मानना है कि उन्हें जहर दिया गया था।उस वक्त भी जेल के बाहर उनके शव आने के बाद कोहराम मच गया था। इस दौरान मुख्य रुप से मोहम्मद इलियास, साहिल कुमार,कामेश्वर झा,दिलीप राम,वीरेंद्र सिंह,हासो राम,विनय गुप्ता,उमेश यादव, मोहम्मद शरीफ,सुनील कुमार,शंकर प्रसाद, दिलीप राम,विक्रम कुमार,मनोरंजन यादव, चंद्रकांत गुप्ता,पिंटू राव,पिंटू माहुरी,रोहित गुप्ता,कामदेव ठाकुर,विकास राव,रिशांत कुमार, मोहम्मद शम्सुल,विकास राम,दिवाकर यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

पंचायती राज विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न, मंडरो प्रखंड पर विशेष जोर

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में पंचायती राज विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडरो प्रखंड को विशेष रूप से ध्यान में रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति पर बल दिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि मंडरो एक आकांक्षी प्रखंड है, अतः यहां की हर आवश्यकता को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।बैठक में सभी पंचायत सचिवों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने पंचायतों में योजनाओं की गुणवत्ता और प्रगति पर लगातार निगरानी रखें। विशेष रूप से श्लरठऊ(ष्ट्र''ी ल्गीं'ॐ रंल्लरङ-ङ्ङल्ल ल्ल्रा ठ४३१ङ्ङल्ल ॐ८) के तहत टीकाकरण की नियमितता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक पंचायत सचिव को महीने में कम-से-कम एक बार किसी एक पंचायत में स्वयं श्लरठऊदिवस पर उपस्थित रहना होगा, और इस संबंध में सूचना प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से जिला योजना कार्यालय को देनी होगी।इसके अलावा, भारत इंटरनेट योजना के अंतर्गत पंचायत भवनों में संचालित इंटरनेट कनेक्टिविटी की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बंद पड़े इंटरनेट कनेक्शनों को अविलंब दुरुस्त कर सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में 15वें वित्त आयोग अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

पू. सी. रेलवे ने भारतीय रेलवे की पहली दूरसंचार अनुरक्षण अध्ययन समूह बैठक की मेजबानी की

मालीगांव, भारतीय रेलवे की पहली दूरसंचार अनुरक्षण अध्ययन समूह (एमएसजी) बैठक 6 और 7 जून को पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्यालय, मालीगांव में सफलतापूर्वक हुई। यह बैठक रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य (दूरसंचार) और अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ), लखनऊ के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था, जो भारतीय रेलवे के अधीन आधुनिक संचार प्रणालियों के अनुरक्षण कार्यों और स्वास्थ्य निगरानी के विकास में एक उल्लेखनीय माइलस्टोन दर्ज हुआ। इस दो दिवसीय सम्मेलन ने भारतीय रेलवे में दूरसंचार अनुरक्षण में सर्वोत्तम प्रथाओं, नवीन पद्धतियों और उभरती प्रौद्योगिकियों के आदान-प्रदान के लिए एक व्यापक मंच प्रदान किया। चर्चा कई प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित थी, जिसमें दूरसंचार उपकरणों के लिए स्वचालित समस्या टिकटिंग प्रणाली, इंटरैक्टिव डैशबोर्ड के माध्यम से परिसंपत्तियों की निगरानी, मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार (एमटीआरसी) ओएसएस का अनुरक्षण और जोनल एवं मंडल दोनों स्तरों पर डेटा सेंटर संचालन शामिल हैं। प्रदर्शन मेट्रिक्स जैसे कि मरम्मत का औसत समय (एमटीटीआर) और विफलताओं के बीच औसत समय (एमटीबीएफ) पर भी नजर रखने पर जोर दिया गया, जो परिचालन दक्षता का आकलन करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऑप्टिकल

फाइबर नेटवर्क, दूरसंचार टावर, वीडियो निगरानी प्रणाली (वीएसएस), आईपी-एमपीएलएस नेटवर्क और एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली (आईपीआईएस) जैसी प्रमुख दूरसंचार परिसंपत्तियों के लिए अनुरक्षण रणनीतियों पर लक्षित सत्र आयोजित किए गए, जिनमें से सभी संचार बुनियादी संरचना के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैठक में आरडीएसओ के प्रधान कार्यकारी निदेशक (एस एंड टी) के साथ-साथ उनकी तकनीकी टीम और सभी जोनल रेलवे के प्रधान मुख्य सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर (पीसीएसटीई) और मुख्य संचार इंजीनियर (सीसीई) सहित प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में स्टेकधारकों के बीच विचारों, अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं के व्यापक आदान-प्रदान के लिए एक मंच मिला। इसके अलावा, विभिन्न दूरसंचार प्रणालियों के मूल उपकरण निमार्ताओं (ओईएम) के प्रतिनिधियों ने नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन कर अपने-अपने उत्पादों की कार्यक्षमता, विश्वसनीयता और विशेष विशेषताओं के बारे में बताया। पहली दूरसंचार एमएसजी बैठक आधुनिक अनुरक्षण कार्यों को अपनाने और परिचालन दक्षता एवं यात्री अनुभव को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण संचार बुनियादी संरचना को सुदृढ़, वास्तविक समय निगरानी सुनिश्चित करने के प्रति भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

देवघर में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। स्थानीय बरनवाल सेवा सदन के सभागार में सोमवार को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें वैश्य समाज की सभी उपजातियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में सरकार द्वारा लगातार वैश्य समाज की उपेक्षा पर क्षोभ प्रकट किया गया और आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई। मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहू ने कहा कि झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने, वैश्य आयोग का गठन करने, जाति आधारित जनगणना कराने, छोटे दुकानदारों का दस लाख रुपए तक का ऋण माफी करने, वैश्य समाज के शोषण-दमन और उनकी लूटी गई जमीन को वापस करने की मांग लगातार सरकार से मांग कर रही हैं। लेकिन अफसोस इस बात की है कि पिछले विधानसभा चुनाव के समय सत्ताधारी दलों ने वादा किया था कि हमलोगों की सरकार बनेगी तो पिछड़ों और वैश्य समाज के हितों की रक्षा के लिए पहल करेंगे। लेकिन सत्ता पाने के बाद सरकार में शामिल तीनों घटक दल जैसे सो गए हैं। उन्हें जगाने, अहसास कराने और किए गए वादा को पूरा करने के लिए मोर्चा सरकार से मांग कर रही है। अगर राज्य सरकार अपना वादा पूरा नहीं करती है तो राज्य में निवासी करने वाले 52 प्रतिशत वैश्य और ओबीसी समाज को लेकर मोर्चा आंदोलन करेगी। इस के तहत 31 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर में त्राहिमाम धरना कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सम्मेलन में कार्यकारी अध्यक्ष रेखा मंडल, हीरानाथ साहू, अशोक गुप्ता, प्रमंडलीय अध्यक्ष प्रमोद चौधरी, विष्णु मंडल, गजेंद्र केसरी, रीता चौरसिया, रवि केसरी, देवघर जिलाध्यक्ष राजकुमार बरनवाल, ध्रुव प्रसाद साह, देवेंद्र मंडल, जितेंद्र चौधरी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

मांडर में सात पड़हा जतरा में शामिल हुई कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

कहा आदिवासी है तो जमीन और जंगल भी है संरक्षित

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर मांडर के कुंबा टोली एवं बांध टोली के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सात पड़हा जतरा में राज्य की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुई . इस मौके पर उन्होंने कहा कि ये आयोजन पुरखों की विरासत को बचाने और बढ़ाने का संकल्प है . पड़हा जतरा में हाथी , घोड़ा , पड़हा निशान , रम्पा , चम्पा, टेंगरी छाता , ढोल_ नगाड़ा और खोड़हा नृत्य मंडली के समागम ने सबको आकर्षित किया . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि खोड़हा में नृत्य करते लोग हमारी परम्परा और संस्कृति की अमिट पहचान के गवाह है . साल 2012 से पड़हा जतरा के आयोजन का ही असर है कि यहां की जमीन और जंगल बचाने में हम सफल रहे . आदिवासी समाज हमेशा से ही जमीन और जंगल के संरक्षक की भूमिका अदा करते रहा है . आदिवासी समाज है तो जमीन और जंगल भी बचेगा . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि रोहतासगढ़ से आए पूर्वजों ने जंगल_ जमीन को पहले रहने लायक बनाया , फिर समाज के संचालन के लिए पड़हा व्यवस्था की शुरूआत की . एक ऐसी व्यवस्था जिसमें सभी के हित की बात थी , सभी के लिए न्याय की व्यवस्था रही . आज उसी पड़हा व्यवस्था को बचाने की जिम्मेवारी आदिवासी समाज के कंधों पर है . इस पड़हा व्यवस्था में सदनों के लिए भी

अधिकार सुनिश्चित है . उन्होंने कहा कि पुरखों की बनाई व्यवस्था को समय के साथ और मजबूत करना होगा . आज जरूरत आदिवासी समाज के बीच शिक्षा को प्राथमिकता देने की है . शिक्षित समाज से ही बदलाव संभव है . अगर शिक्षा से दूर रहे तो षड्यंत्रकारी हमें जाति और धर्म में उलझा कर अपना राजनीतिक मकसद साधते रहेंगे . पड़हा जतरा में अध्यक्ष लालू तिर्की , महावीर उरांव , सोनू उरांव , प्रदीप उरांव , उमेश उरांव , दिपुल टोप्पो , संजय तिर्की , पुलिस तिर्की , बंदे उरांव , अनिता तिर्की , कुंदन तिर्की मुख्य रूप से शामिल हुए ।

देवघर जसीडीह मुख्य मार्ग पर रोहिणी मोड पर स्थित इस्कॉन देवघर में रथ यात्रा महोत्सव की तैयारी जोरों पर

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

जेठ माह की पूर्णिमा तिथि को स्नान पूर्णिमा या स्नान यात्रा उत्सव के नाम से जाना जाता है। यह एक विशेष अवसर है जब भगवान जगन्नाथ मां सुभद्रा एवं प्रभु बलदेव को अभिषेक समारोह में स्नान कराया जाता है ।

देवघर जसीडीह मुख्य मार्ग पर रोहिणी मोड पर स्थित इस्कॉन देवघर में रथ यात्रा महोत्सव की तैयारी जोरो पर है। रथ यात्रा महोत्सव की शुरूआत दिनांक 11 जून 2025 को स्नान यात्रा के साथ हो जाएगी। स्नान यात्रा की शुरूआत दिन के 12:00 बजे कीर्तन यात्रा के साथ होगी दिन के 1:00 बजे भगवान जगन्नाथ पर विशेष कथा का आयोजन इस्कॉन देवघर के प्रमुख श्रीनिवास गोपाल दास प्रभु के मुखारविंद से किया जाएगा। दिन के 3:00 से उत्सव का विशेष आकर्षण भगवान का अभिषेक कीर्तन ध्वनि के साथ विभिन्न स्त्रोतों से ले गए 108 घडको के जल से किया जाएगा जो लगभग 5:00 बजे शाम तक चलेगा। 5:30 बजे भगवान का विशेष स्वरुप गजव्यास दर्शन साथ ही साथ महाभोग आरती एवं महाभोग निवेदन किया जाएगा। और अंत में 6:00 बजे से आए हुए श्रद्धालु भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

स्नान यात्रा- रथ यात्रा से पहले एक और दिलचस्प अनुष्ठान किया जाता है जिसे स्नान यात्रा कहा जाता है। भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारी रथ यात्रा से ठीक 18 दिन पहले शुरू हो जाती है स्नान यात्रा के दिन धार्मिक मंत्र के साथ विभिन्न स्त्रोतों से ले गए एवं अनुष्ठान पूर्वक शुद्ध किए गए 108 घडो के जल से स्नान कराया जाता है। इसे स्नान पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। स्नान यात्रा के बाद पारंपरिक रूप से माना जाता है कि देवता 14 दिनों के लिए बीमार पड़ जाते हैं इस अवधि को अनासरा के रूप में जाना जाता है। इस अवधि में भगवान को भक्तगण देख नहीं सकते।

भगवान एकांतवास में चले जाते हैं। 15 में दिन माना जाता है कि भगवान ठीक हो जाते हैं और भक्तों को दर्शन देते हैं जिसे नवयोवन दर्शन या नेत्रोत्सव कहा जाता है। स्नान यात्रा के औपचारिक स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ प्रभु बलदेव को गजानन या हाथी वेश में सुशोभित करने की परंपरा है आखिरकार यह समारोह वार्षिक रथ यात्रा की प्रस्तावना है। नेत्रोत्सव- भगवान जगन्नाथ मां सुभद्रा एवं प्रभु बलदेव के स्वस्थ होने के 14 में दिन बाद नेत्रोत्सव मनाया जाता है एवं ततपश्चात वह भक्तों को दर्शन देते हैं। मंदिर के पुजारी भगवान की आंखों में काजल लगाते हैं चंदन तथा सिंदूर का तिलक लगाया जाता है इसके बाद भगवान सार्वजनिक रूप से भक्तों को दर्शन देते हैं। देवघर इस्कॉन द्वारा रथ यात्रा पारंपरिक रूप से शिवलोक परिसर से शुरू होकर इस्कॉन मंदिर परिसर देवघर जसीडीह मुख्य मार्ग स्थित रोहिणी मोड़ के समीप दामोदर ग्राम तक निकाली जाएगी जो दिनांक 27 जून 2025 को मनाया जाएगा। इस्कॉन देवघर के प्रमुख श्रीनिवास गोपाल दास प्रभु ने देवघर की आम जनता एवं आसपास के श्रद्धालु भक्तों से आग्रह किया है कि वह अधिक से अधिक की संख्या में इस रथ यात्रा महोत्सव में पहुंचे एवं पुण्य के भागी बने। अपने जीवन को फलीभूत करें।

पोकलेन व हाइवा जलाने के मामले में 7 देशी राइफल के साथ दो आरोपी को किया गया गिरफ्तार

साहिबगंजः मिजाचौकी थाना क्षेत्र में 1 जून को हुए जय माता दी स्टोन वर्क्स माइंस में पोकलेन और हाइवा जलाने मामले में दो आरोपी को गिरफ्तार किया जिनके पास से पुलिस को भारी मात्रा में देशी राइफल बरामद हुई हैं. इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी. की इस घटना के पीछे सूर्या हांसदा गिरोह का हाथ हैं. जिनके लालमटिया थाना क्षेत्र में छुपे होने की सुचना मिली थी जिसपर सदर डीएसपी और एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी. जो सुचना के आलोक में छापेमारी की जिसके बाद दो व्यक्ति को हमने पकड़ा जिनके पास 7 देशी राइफल छुपा कर रखा गया था.ये सभी शार्ट गन हैं. उसे गिरफ्तार कर लिया गया हैं गिरफ्तार दोनों व्यक्ति का नाम फागुमल पहाड़िया और मंगल मरांडी हैं. इस मामले पहले भी दो की गिरफ्तारी हो चुकी हैं. अबतक कुल चार लोगो को गिरफ्तार किया जा चूका हैं. इसमें अभी सूर्या हांसदा सहित अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही हैं। उक्त मामले में बताया गया कि पुलिस अधीक्षक महोदय साहिबगंज को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि मिजाचौकी थाना कांड संख्या 34/25 दिनांक 2 जून 2025 में संलिप्त अपराध कमी सूर्या हांसदा अपने गिरोह के साथियों के साथ हथियार सहित

मिजाचौकी थाना क्षेत्र ग्राम छोटा देवडांड स्थित फागू माल पहाड़िया के पक्के मकान में ठहरा हुआ है तथा कोई बड़ी घटना करने की योजना बना रहा है ।उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक महोदय साहिबगंज द्वारा अनुमंडल पुलिस अधिकारी राजमहल विमलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया ।छापामारी दल द्वारा प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम छोटा देवडांड स्थित फागू माल पहाड़िया के पक्के मकान का घेराबंदी कर छापेमारी की गई । इसके उपरांत फागू माल पहाड़ियां व मंगल मरांडी साहिबगंज को पकड़ा गया। जिनके निशानदेही पर उनके घर से 7 देशी राइफल बरामद किया गया ।पूछताछ में फागू माल पहाड़ियां एवं मंगल मरांडी द्वारा बताया गया कि मिजाचौकी थाना अंतर्गत दामिनभीठा स्थित जय माता दी स्टोन वर्क्स माइंस में दो पोपलेन एवं दो हाइवा को जलाने के पश्चात घटना में प्रयुक्त हथियार सूर्या हांसदा लाकर मेरे घर पर रखा था तथा बाकी का हथियार सूर्या हांसदा के साथी अपने साथ लेते गए हैं । फागू माल पहाड़ियां एवं मंगल मरांडी ने उपरोक्त घटना में अपना अपना अपराध स्वीकार किए हैं तथा साथ ही उक्त कांड गिरोह की सरगना सूर्या हांसदा एवं अन्य की संलिप्ता की बात बताई गई है। कांड दर्ज कर अनुसंधान की जा रही है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस अधिकारी राजमहल विमलेश त्रिपाठी ,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साहिबगंज किशोर तिर्की, रूपक कुमार परीक्षण , पुलिस अधिकारी साहिबगंज राजीव रंजन ,नगर प्रभात साहिबगंज रूपेश कुमार , मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव , एसआई पंकज कुमार, एसआई पवन कुमार, एसआई पवन कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

चिरंजीव हेमंत शर्मा संग आयु.कुमारी सोनाली शर्मा (रीमी) का आदर्श विवाह संपन्न।

पूर्व रांची जिला अध्यक्ष विश्वकर्मा समाज संतोष कुमार ने दी वर वधुओं को लंबी उम्र एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज बड़की नेभी पोलपोल,सतबरवा में चि.हेमंत शर्मा पिता श्री सुदर्शन शर्मा (उदय पूरा,थाना - तरहसी निवासी) का आदर्श शुभ विवाह आयुष्मति कुमारी सोनाली शर्मा(रीमी),पिता स्व.रामनाथ विश्वकर्मा (ग्राम बड़की नेभी पोलपोल,थाना सतबरवा,जिला - पलामू)निवासी संग धूमधाम से संपन्न हुई। इस मौके पर चिरंजीवी हेमंत शर्मा एवं आयुष्मति कुमारी सोनाली शर्मा(रीमी) को झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज रांची जिला के पूर्व अध्यक्ष संतोष कुमार,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संरक्षक छत्रपाल राम उस्ताद,संरक्षक शिव शंकर शर्मा,पिंटू शर्मा,रमेश मिस्त्री, उपाध्यक्ष सुभाष कुमार,प्रवक्ता दीपक कुमार राणा,प्रगतिशील विश्वकर्मा सेवा समिति के अध्यक्ष अवधेश शर्मा,छात्र क्लब

ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, संरक्षक जानकी नंदन राणा, अरविंद कुमार,रमेश पंडित, पंकज शर्मा,लीगल एडवाइजर सोनाली भट्टाचार्य,कपिल फाउंडेशन के सचिव वीनू शर्मा आदि आदि ने इस आदर्श विवाह के लिए वर वधुओं को सम्मानित किया। मौके पर मंच के संरक्षक शिव शंकर शर्मा ने कहा इस तरह के आदर्श विवाह से लोगों को सीख लेनी चाहिए और शादी मे वेवजह फालतू खर्च नहीं करनी चाहिए।

पागल कुत्ते ने बच्चों समेत आधा दर्जन से अधिक लोगो को काटकर जख्मी किया

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो. चोरया गांव में सोमवार को एक पागल कुत्ते ने बच्चों समेत आधा दर्जन से अधिक लोगों को काट कर जख्मी कर दिया. सभी का इलाज मांडर रेफरल अस्पताल में किया गया. बताया गया कि सुबह करीब नौ बजे कहीं से भटक कर पागल कुत्ता गांव में आ गया था. इस दौरान उसके रास्ते में जो भी मिला उसे काट खाया. कुत्ते ने जिन्हें काट कर जख्मी किया है उसमे अमन उरांव 6 वर्ष, आयुष उरांव 7 वर्ष, निशि उरांव 11 वर्ष, सपना उरांव 11 वर्ष, ताबीर खान 60 वर्ष, दीपचंद उरांव 24 वर्ष, उमेश कुमार साहू 28 वर्ष, रोशनी बेगम 25 वर्ष व जीतन उरांइन 50 वर्ष शामिल हैं. बाद में जख्मी लोगों को लेकर उनके परिजन मांडर रेफरल अस्पताल पहुंचे. चिकित्सा प्रभारी डॉ किशोर कुल्लू ने बताया कि सभी को एंटी रैबीज का इंजेक्शन दे दिया गया है.

भवन प्रमंडल योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न, कार्यों में गति लाने का निर्देश

साहिबगंजः

उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में भवन प्रमंडल अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों व योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।*उपायुक्त ने विशेष रूप से निमार्णाधीन ह्लसम्प्रेषण गृहह्व की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने भवन प्रमंडल को निर्देशित किया कि कार्यों को युद्ध स्तर पर पूर्ण किया जाए ताकि आगामी वर्ष 8 मई को विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर भवन का उद्घाटन सुनिश्चित किया जा सके।*बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के साथ-साथ बरहेट, बोरियो और राजमहल प्रखंडों में 1000 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदामों के निर्माण कार्य की भी समीक्षा की गई।

संक्षिप्त समाचार

मेडिकल कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- देव मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल निर्माण संघर्ष समिति के बैनर तले देव बगीचा रिसोर्ट में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस सभा की अध्यक्षता लक्ष्मण गुप्ता ने किया एवं संचालन सौरभ मिश्रा द्वारा ने किया गया।आज के इस बैठक में देव के पातालगंगा में मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा के दौरान घोषित देव के पतला गंगा मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए आयोजित हुआ। इस बैठक ने पूरे देव प्रखंड के लोगों ने एक स्वर में पातालगंगा मेडिकल कॉलेज बनने तक संघर्ष करने की बात कही। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि माननीय जिलाधिकारी से मिलकर इस विषय वस्तु को जनता के सामने पारदर्शी तरीके से रखा जाएगा। अगर देव मेडिकल कॉलेज में कोई व्यवधान है तो पटना चलकर बिहार राज धार्मिक न्यास परिषद के प्रशासक अंजनी कुमार सिंह जी से मिलकर मेडिकल कॉलेज के लिए आग्रह किया जाएगा जिससे देव के साथ-साथ पूरे औरंगाबाद जिले की जनता लाभान्वित हो।अगर इसके बाद भी कुछ व्यवधान आता है तो माननीय मुख्यमंत्री जी से मिलकर पटना में बात किया जाएगा। इस अवसर पर औरंगाबाद के पूर्व एमएलसी श्री राजन कुमार सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता श्री सुबोध कुमार सिंह सामाजिक कार्यकर्ता श्री अनिल कुमार सिंह, देव नगर पंचायत के अध्यक्ष पिंटू साहिल, उपाध्यक्ष गोलू गुप्ता, लक्ष्मण गुप्ता, मदन कुमार मिश्रा, रविंद्र कुमार यादव, नंदलाल कुमार, संजय कुमार मेहता, विश्वजीत राय, सुधीर कुमार, रत्नाकर सिंह आदि सैकड़ो लोग उपस्थित होकर अपनी राय व्यक्त किए।

बीएलओ को मोबाइल ऐप से हुई आनलाइन परीक्षा

रिपोर्ट :- निशांत कुमार

औरंगाबाद :- जिले के हसपुरा ब्लॉक के सभाकक्ष व प्राथमिक विद्यालय के हांल में प्रखंड के सभी बीएलओ की मोबाइल ऐप के माध्यम से निर्वाचन सबंधी आनलाइन परीक्षा सोमवार को ली गई। जिसका देख-रेख बीपीआरओ वीरेन्द्र कुमार चौधरी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अशोक कुमार,बीसीओ अभिनित कुमार व एएलएमटी (बीएलओ ट्रेनर) नीरज कुमार ने किया। एएलएमटी नीरज कुमार कुमार ने कहा हसपुरा प्रखंड में कुल 113 बीएलओ है। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार पूर्व में दी गई निर्वाचन संबंधी जानकारी को मोबाइल ऐप के माध्यम से परीक्षा ली जा रही है। उन्होंने कहा परीक्षा से स्पष्ट पता चलेगा कि निर्वाचन से संबंधित कितनी जानकारी हासिल हुई है। आज निर्वाचन का काम मोबाइल ऐप के माध्यम से करना है। मतदाता सूची में सभी तरह का कार्य मोबाइल ऐप के माध्यम से ही करना है। परीक्षा में बेहतर करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया जाएगा। शाह फैसल , मो एजाज, सत्यजीत प्रसाद, ललन चौधरी, प्रवीण कुमार,अजय चौधरी, रविन्द्र कुमार,राम साव , शैलेश कुमार,रवि कुमार,संजय कुमार सहित सभी बीएलओ ने परीक्षा में हिस्सा लिया।

बारात में कट्टा लेकर आए और युवती को धमकाने लगे, शादी में मचा हड़कंप

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के हसपुरा थाना क्षेत्र के धुसरी गांव में शादी के बारात में जमकर हंगामा हुआ. यहां बारात में आए दो युवक कट्टा निकाल कर एक युवती को धमकाने लगे. दरअसल हसपुरा थाना क्षेत्र के धुसरी गांव में शादी समारोह में देसी कट्टा लेकर लोगों को धमकाने के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार युवक दाउदनगर थाना क्षेत्र के नीमा गांव निवासी लालदेव राजवंशी का पुत्र विकास कुमार, जम्होर थाना क्षेत्र के आसखाप गांव निवासी अजय राजवंशी का पुत्र आनंद कुमार शामिल है. इनके पास से एक देसी कट्टा बरामद किया गया है !

देखते ही देखते निकल गया कट्टा इस संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि धुसरी गांव में युगल राजवंशी की बेटी की शादी को लेकर बारात आई थी. बारात मेंही लड़की पक्ष और लड़का पक्ष के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई. इसी बीच बाराती में दो लोग देसी कट्टा लेकर आए तथा एक युवती को देसी कट्टा से डराने लगे. उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो आस-पास के लोगों के साथ मारपीट करते हुए गाली गलौज की गई ! दो लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार शादी समारोह में आये लोगों ने इसकी सूचना डायल 112 टीम को मिली. औरंगाबाद डायल 112 की टीम घटना स्थल पर पहुंची और आस-पास के लोगों से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया गया. इसी दौरान आनंद कुमार और विकास कुमार को गिरफ्तार करते हुए एक देसी कट्टा जब्त किया गया. पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है. दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलायी जायेगी !

एनडीए शासन काल में देश की हालात खस्ताहाल पूर्व मंत्री - डॉ सुरेश पासवान

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सुरेश पासवान ने कहा है कि देश में ग्यारह वर्षों से श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार चल रही है।लेकिन सरकारी आँकड़े बता रहा है कि ग्यारह वर्षों में बेरोजगारी,महँगाई,भ्रष्टाचार एवं पलायन कि स्थिति बद से बदतर हो गया है।11 साल बेमिसाल नहीं बल्कि 11 सालों से केवल बड़े बड़े जुमलों की बरसात कीया जा रहा है,लोगों के आँखों में धुल झोंकने का काम किया जा रहा है। कालाधन आज तक वापस नहीं आया,15 लाख रुपए देश के लोगों के खाते में नहीं आए,दो करोड़ युवाओं को प्रतिवर्ष नौकरी नहीं मिली,किसानों की आय दुगुनी नहीं हुई, सीमाओं की सुरक्षा पुख़्ता नहीं किया गया ,जिसके कारण सीमा पार के आतंकी आसानी से देश के अंदर आकर हमले-हत्या करके चले जाते हैं और केंद्र की सरकार अपनी पीठ थपथपाने और बयानबाजी करने में मसगुल रहती है,यानी अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनने वाली कहानी को चरितार्थ कर रही है। डॉक्टर पासवान ने कहा है कि मोदी सरकार के द्वारा यदि देश में आर्थिक समृद्धि लाने का दावा किया जा रहा है तो फिर अस्सी करोड़ लोगों को मुफ़्त में 5 किलो अनाज देने की क्या मजबूरी है । इससे जाहिर होता है के देश आर्थिक रूप से समृद्ध तो नहीं हुआ हां देश में गरीबों रेखा के नीचे जीवन बसर करने वालों की संख्या जरूर बड़ी है।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर NIFTEM-K में नवाचार और जमीनी भागीदारी का संकल्प

कुंडली, सोनीपत

राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी एंटरप्रेन्योरशिप एंड मैनेजमेंट - कुंडली (NIFTEM-K), जो खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI), भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत है, ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2025 के अवसर पर दो दिवसीय जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष की थीम खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रियता के तहत आयोजित यह कार्यक्रम नवाचार, जन-जागरूकता और वैज्ञानिक संवाद की दिशा में एक प्रभावशाली पहल रही। 6 जून को FSSAI (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) के सहयोग से दिल्ली-एनसीआर और सोनीपत के 100 से अधिक स्ट्रीट फूड विक्रेताओं व छोटे खाद्य व्यवसायियों के लिए व्यापक खाद्य सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण में व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित खाद्य संचालन, कीट-मक्खियों से बचाव और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण NIFTEM-K द्वारा विकसित त्वरित मिलावट परीक्षण किट (दूध, मसाले व चाय के लिए) का प्रत्यक्ष प्रदर्शन रहा। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए, जिससे उनमें उपभोक्ता विश्वास और खाद्य सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ी। कार्यक्रम में NIFTEM-K के निदेशक डॉ. हरिंदर सिंह ओबेरॉय ने 'थोड़ा कम खाओ, सही खाओ' जैसे संदेशों के माध्यम से फूड वेंडर्स को जनस्वास्थ्य का संवाहक बताया और सुझाव दिया कि कुछ विक्रेताओं को FSSAI के साथ मिलकर प्रशिक्षण, त्वरित परीक्षण किट, स्वच्छता उपकरण और आधुनिक फूड कार्ट देकर रोल मॉडल के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे व्यापक स्तर पर खाद्य गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके। FSSAI-HQ के संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) श्री अंकश्वर मिश्रा ने संस्थान के प्रयासों की सराहना की और श्री मुकुल गुप्ता (FoSTÔC राष्ट्रीय संसाधन व्यक्ति) ने हैंडवाशिंग, बर्तन धोने, शीत भंडारण, कीट नियंत्रण जैसी व्यावहारिक बातों पर प्रशिक्षण दिया। 7 जून को NIFTEM-K द्वारा आयोजित वेबिनार में विज्ञान और खाद्य सुरक्षा नीति पर गहन विचार-विमर्श हुआ। डॉ. ओबेरॉय ने आगाह किया कि अगला सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट एक मौन खाद्यजनित महामारी हो सकता है और विज्ञान को प्रयोगशालाओं से निकलकर जननीति और दैनिक जीवन का हिस्सा बनना

होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि खाद्य सुरक्षा को स्कूल पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाए, कम लागत वाले परीक्षण किट व स्टील फूड कार्ट बनाए जाएं और ऋरअकके सहयोग से संस्थान में खाद्य सुरक्षा एवं प्रमाणिकता केंद्र स्थापित हो जो नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से नीतिगत मार्गदर्शन दे सके। वेबिनार में देश के प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. इड्या करुणासागर (निट्टे यूनिवर्सिटी) ने जोखिम विश्लेषण के तीन पहलुओं (मूल्यांकन, प्रबंधन व संप्रेषण) की चर्चा की, डॉ. राजन शर्मा (ICAR-NDRI) ने दूध व दुग्ध उत्पादों हेतु त्वरित परीक्षण किट का प्रदर्शन किया, प्रो. अफरोजुल हक (मणिपुर इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी) ने खाद्य एलर्जी व विटामिन की अधिकता पर प्रभाव बताया और श्री राकेश कुमार (टी बोर्ड) ने चाय प्रसंस्करण में होने वाली मिलावट पर चिंता व्यक्त करते हुए NIFTEM-K की किटों की प्रशंसा की। इस दो दिवसीय आयोजन का समापन एक स्पष्ट आह्वान के साथ हुआ कि खाद्य सुरक्षा को केवल सरकारी नियमन तक सीमित न रखते हुए उसे नीतियों, शिक्षा, अनुसंधान और जनचेतना के हर स्तर पर प्राथमिकता दी जाए। NIFTEM-K ने पुनः यह सिद्ध किया कि वह खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में नवाचार, क्षमतावर्धन और जन-संवेदनशील नेतृत्व की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नगरपंचायत के सशक्त स्थायी समिति की बैठक कई एजेंडों पर मिली स्वीकृति

शहर के विकास कार्यों को गति देना हमारी पहली प्राथमिकता नगरपंचायत प्रशासन

दिव्य दिनकर

बिहार डिग्नेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा मधुबनी जयनगर नगरपंचायत क्षेत्र में विकास कार्यो को गति देने के लिए कई एजेंडों को सर्वसम्मति से सशक्त स्थायी समिति की बैठक स्वीकृति प्रदान की गई। नगरपंचायत कार्यलय के सभा कक्ष में सशक्त स्थायी समिती की बैठक मुख्यपार्षद कैलाश पासवान के अध्यक्षता आयोजित की गई। सशक्त स्थायी समिति की बैठक में गत बैठक की सम्पुष्टि प्रदान करते हुए नगर पंचायत जयनगर क्षेत्र के अन्तर्गत वार्ड 07 में कमला रोड में मुत्रालय निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग चार लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 10 में अनिल सिंह के घर से राम कुमार सिंह के घर तक पी.सी.सी. सड़क एवं नाला निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग तेरह लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 6 में साईफन का चौडीकरण कर स्लैब ढ़लाई आंसिक भाग एक निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग पन्द्रह लाख।रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना।वार्ड 06 के क साईफन का चौड़ीकरण कर स्लैब ढ़लाई आंसिक भाग तीन निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर

स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग चौदह लाख पचास हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 13 में बोरिंग सुरक्षा चहार दिवारी निर्माण कार्य एवं बोरिंग चेम्बर निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग तीन लाख) रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 12/13 में मुन्ना महरा के घर से इन्द्रदेव पासवान के घर तक पी.सी.सी. सड़क निर्माण कार्य विभागीय रुप से करने की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान करने एवं लगभग नौ लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। सेसपुल टैंकर खरीद करने तथा उसमें होने वाली व्यय कर राशि लगभग अठाईस लाख रुपये की घटनोत्तर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना।एलईडी डिस्प्ले सिस्टम लगाने तथा उसमें होने वाली व्यय कर राशि लगभग सताईस लाख रुपये) की घटनोत्तर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। व्हील स्किड स्टीयर लोडर लगाने तथा उसमें होने वाली व्यय कर राशि लगभग तीस लाख रुपये की घटनोत्तर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 12 हृदय नारायण चौधरी के जमीन से योगेन्द्र सिंह के आवास तक आर .सी. सी. नाला करीब 200 फीट लगभग छः लाख पचास हजार रुपये की लागत से विभागीय रुप से करने पर विचार करना। महादेव पासवान के आवास से सुरेन्द्र पासवान के आवास तक आर .सी .सी. नाला, क्रोशड्रेन एवं एप्रोच पथ का निर्माण विभागीय रुप से करने एवं उसमे होने वाली राशि लगभग नौ लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 06 डॉ. रत्नेश्वर प्रसाद सिंह के घर से ओंकार दुखी साह के घर तक पी.सी.सी. सड़क एवं नाला का निर्माण करने एवं उसमें होने वाले राशि लगभग ग्यारह लाख रुपये पर स्वीकृति प्रदान करने पर विचार करना। वार्ड 10 रमेश ठाकुर के घर से धनिक लाल राय के घर तक पी.सी.सी. सड़क निर्माण कार्य करने एवं उसमें होने वाली व्यय की राशि लग पाँच लाख रुपये करने पर विचार करना। वार्ड 10 रमेश ठाकुर के घर से धनिक लाल राय के घर तक आर.सी.सी. नाला निर्माण कार्य करने एवं उसमें होने वाली व्यय की राशि लगभग पाँच लाख रुपये करने पर विचार करना। समेत अन्यान्य कई के विकास कार्यों हेतु एजोन्डो पर विचार विर्मश किया गया। मुख्य पार्षद कैलाश पासवान और ईओ कुमारी हिमानी ने कहा की नगरपंचायत क्षेत्र में कई विकास कार्य किए गये है और विकास कार्य निरंतर जारी है। शहर के विकास स्वच्छ सुंदर बनाने को लेकर नगरपंचायत प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। शहर को स्वच्छ सुंदर बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी और कर्त्तव्य भी है शहर को स्वच्छ सुंदर बनाने में सभी से सहयोग की अपील की गई है। मौके पर नगरपंचायत सशक्त स्थायी बैठक में मुख्य पार्षद कैलाश पासवान, कार्यपालक पदाधिकारी कुमारी हिमानी, उप मुख्य पार्षद माला देवी देवी, वार्ड पार्षद शिविजी पासवान, हनुमान मोर, रीना गुप्ता व प्रधान लिपिक मोहन कुमार उपस्थित थे।

मदनपुर प्रखंड के शिवगंज बाजार NH-19 पर सड़क पार करते समय नाबालिक युवक दुर्घटना से मौके पर गई जान

स्थानीय निवासियो ने सड़क जाम कर दी।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के मदनपुर प्रखंड के शिवगंज बाजार ठल्र-19 पार करते हुए शिवगंज निवासी अशोक विश्वकर्मा के पोता 5 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार की सड़क पार करते समय दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह घटना पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का कारण बन गया। इस दुर्घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और नेशनल हाईवे (ठल्र-19) को शिवगंज में जाम कर दिया। लोग मृतक के परिवार को मुआवजा दिलाने और दोषियों पर उचित कार्रवाई की माँग कर रहे थे। इस घटना की जानकारी जैसे ही सूचना मिला लोजपा (रामविलास) पार्टी के प्रदेश महासचिव सह रफीगंज विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी रहे तथा जिले के सुप्रसिद्ध समाजसेवी प्रमोद कुमार सिंह ने मौके पर पहुँचे और प्रशासन के सहयोग से जाम को शांतिपूर्वक हटवाया। आगे लोजपा नेता श्री प्रमोद कुमार सिंह ने वहाँ उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि मृतक बच्चा के परिवार को उचित मुआवजा और न्याय मिलेगा। इन्होंने मृतक के परिवार वाले को तत्काल सहायता के रूप में 20,000 की राशि प्रखंड विकास पदाधिकारी,मदनपुर के द्वारा दिलवाने की प्रक्रिया के बारे में बात की गई, आगे इन्होंने कहा कि यह एक अत्यंत पीड़ादायक क्षण था। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि मासूम बच्चों की आत्मा को शांति मिले और परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान हो। पुलिस भी इस घटना की जांच में जुट गई है।

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता मेवमंडे फॉलो अप बैठक एवं जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित योजना भवन के सभा कक्ष में मंडे फॉलो अप बैठक एवं जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। बैठक की शुरूआत डॉ. आंबेडकर समग्र सेवा अभियानरके अंतर्गत आयोजित शिविरों की समीक्षा से की गई, जिसमें विभागवार प्राप्त आवेदनों की संख्या, निष्पादन की स्थिति एवं लंबित मामलों पर विशेष चर्चा की गई। राजस्व विभाग से संबंधित पर्चा वितरण, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग से संबंधित राशन कार्ड आवेदनों, पंचायती राज विभाग से संबंधित आवास प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य विभाग से जुड़े आयुष्मान कार्ड एवं निबंधन, समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन से संबंधित आवेदनों, तथा श्रम संसाधन विभाग द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का निबंधन,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (PHED) द्वारा संचालित नल-जल योजना जैसे विभिन्न विभागों से संबंधित सभी आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों

को गंभीरता से लेते हुए प्राप्त आवेदनों की प्राथमिकता के आधार पर निपटारा सुनिश्चित करें। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने स्तर से दैनिक प्रगति की निगरानी करने तथा आपस में समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं के लक्ष्य को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने पाया कि कुछ विभागों द्वारा आवेदनों के निष्पादन में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई है, विशेष रूप से वासीगत पर्चा वितरण की प्रक्रिया धीमी रही है। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में शीघ्र भूमि चिन्हित कर योग्य लाभुकों को पर्चा प्रदान करें। साथ ही, शिविर में प्राप्त नए राशन कार्ड से संबंधित आवेदनों का उसी स्थल पर ऑन-स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश अनुमंडल पदाधिकारियों को दिया गया। मंडे फॉलो अप बैठक के दौरान विभागवार एजेंडा की पीपीटी प्रस्तुति की गई, जिसमें योजनाओं की प्रगति का अवलोकन कर आवश्यक सुधारात्मक उपायों पर चर्चा की गई। जिला समन्वय समिति की बैठक में लोक शिकायत निवारण अधिनियम के अंतर्गत जिला, सदर अनुमंडल एवं दाउदनगर अनुमंडल में लंबित परिवादों की समीक्षा की गई। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने विभागों में लंबित मामलों की सूची प्राप्त कर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान यह पाया गया कि सीपीग्राम्स से संबंधित 3, ई-डैशबोर्ड पर 257 एवं जनता के दरबार में मुख्यमंत्रीह्न कार्यक्रम से संबंधित 82 आवेदन वर्तमान में लंबित हैं। इन मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु जिला पदाधिकारी ने प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई का निर्देश दिया। लोक सेवा अधिकार अधिनियम (RTPS) के तहत निवास, जाति, आय, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अन्य सेवाओं से संबंधित लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की गई। अंचल अधिकारियों और प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सभी लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। पेंशन, पारिवारिक लाभ, राशन कार्ड (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) एवं एलपीसी संबंधी आवेदनों की स्थिति पर चर्चा करते हुए अनुमंडल पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जिला विधि शाखा में लंबित CWJC एवं टखउ वादों की विभागवार समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी विभाग समय पर प्रति शपथ पत्र दायर कर विधि शाखा को आवश्यक प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि शपथ पत्र केवल संबंधित प्रखंड के नामित अधिवक्ता से ही दायर कराया जाए। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (ढऌएऊ) की समीक्षा के क्रम में कार्यपालक अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि पंचायती राज विभाग से हस्तांतरित कुल 1163 टोलों में से 759 टोलों के लिए एनओसी प्राप्त हो चुकी है, जबकि शेष 404 टोलों के लिए एनओसी लंबित हैं। इस पर जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित अंचल अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कर शेष एनओसी जारी करने का निर्देश दिया। बैठक में महिला संवाद कार्यक्रम की भी चर्चा हुई। जिला पदाधिकारी ने बताया कि यह संवाद 18 जून को समाप्त हुआ है। संवाद स्थलों पर प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारी उपस्थित होकर महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करें। इस बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता एवं जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री जयप्रकाश नारायण, अपर समाहर्ता (आपदा) श्री उपेंद्र पंडित, सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री संतन कुमार सिंह, अनुमंडलीय लोक शिकायत पदाधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार, सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, वरीय उप समाहर्ता श्री मेराज जमील, श्रीमती रत्ना प्रियदर्शनी, सुश्री बेबी प्रिया, श्री रितेश कुमार यादव, सभी कार्यपालक अभियंता, अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

टिक-टिक करती प्रलय की घड़ी और तबाही की तरफ खिसकती दुनिया

>> विचार

> “ लेकिन 1 मई को हालात अचानक बदल गए. जो हिमांशी कल तक सबकी प्रिय थीं, उनके खिलाफ ट्रोलिंग शुरूहो गई और सोशल मीडिया पर उनके प्रति घृणा का वातावरण बन गया. उनके खिलाफ लोग (ट्रोल) जहर उगलने लग गए. दिवंगत अधिकारी की पत्नी के प्रति सहानुभूति अचानक घृणास्पद. हिमांशी की ‘गलती’ केवल इतनी थी कि उन्होंने 1 मई को करनाल (हरियाणा) में अपने दिवंगत पति के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में अपील की थी कि ‘मैं किसी के प्रति कोई नफ़रत नहीं चाहता. यही हो रहा है. लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के खि़लाफ़ जा रहे हैं. हम ऐसा नहीं चाहते. हम शांति चाहते हैं और सिर्फ़ शांति. बेशक, हम न्याय चाहते हैं।

आकार पटेल

'डूम्स डे क्लॉक' यानी कयामत का समय बताने वाली प्रलय घड़ी एक ऐसा उपकरण है जिसे लोगों को चेतावनी देने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि मानव जाति खतरनाक तकनीकों के साथ हमारी दुनिया को खत्म कर देने के कितने करीब हैं। इस घड़ी पर समय विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित किया गया है ताकि यह दर्शाया जा सके कि हम विनाश (आधी रात) से कितनी दूर हैं, और अगर इसे सही और सटीक मानें तो हम दुनिया के अंत के इतना करीब पहुंच चुके हैं जितना पहले कभी नहीं थे।यह घड़ी 1947 में बनाई गई थी, जो भारत की स्वतंत्रता का वर्ष था, जब वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों का खतरा सर्वाधिक था। उससे दो साल पहले ही नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराए गए थे, और सोवियत संघ अपने परमाणु हथियार विकसित कर रहा था। उसने 1949 में ही यह क्षमता हासिल कर ली, फिर यूनाइटेड किंगडम ने 1952 में, फ्रांस ने 1960 में और चीन ने 1964 में परमाणु हथियार बना लिए।भारत ने भी 1974 में खुद को परमाणु हथारों से लैस कर लिया था और फिर 1990 के दशक में पाकिस्तान ने भी अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन किया। माना जाता है कि इजरायल और उत्तर कोरिया के पास भी परमाणु हथियार हैं और वह वक्त दूर नहीं जब ईरान भी इन्हें हासिल कर ले।1980 के दशक में, जब मैं अमेरिका में छात्र था, तो इस सबसे जुड़ा हुआ सबसे अहम तत्व रणनीतिक रक्षा पहल नामक कुछ था, जिसे स्टार वार्स कहा जाता था। इसके तहत रोनाल्ड रीगन प्रशासन एक ऐसी प्रणाली विकसित कर रहा था जो अमेरिका को अपनी आक्रामक क्षमता को बनाए रखते हुए आने वाली मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम कर देगा। शायद इस कारण ही कयामत की घड़ी में समय को आगे बढ़ाया गया। सोवियत संघ के विखंडन के बाद, 1991 में प्रलय की इस घड़ी को आधी रात से 17 मिनट पीछे कर दिया गया, जो तब तक का सबसे दूर का समय था। परमाणु हथियारों का खतरा काफी हद तक कम हो गया था। कम से कम खबरों में तो यही सुना-पढ़ा जा रहा था। 1991 से पहले परमाणु हथियारों

पर आज की तुलना में कहीं ज़्यादा रिपोर्ट आती थीं, विश्लेषण होते थे, सिविल सोसायटी ग्रुप (जैसे पगवाश) ज़्यादा सक्रिय थे।इसकी वेबसाइट के अनुसार वर्तमान में घड़ी में समय सेट करने वाले 18 व्यक्ति हैं, जिनमें तीन दक्षिण एशियाई मूल के हैं (जिनमें से एक आईआईटी, दिल्ली में प्रोफेसर हैं)।दो दशक पहले, प्रलय की घड़ी में जलवायु परिवर्तन समेत अन्य खतरे शामिल किए जाने लगे थे और अब इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे नए खतरों को भी शामिल करना होगा। ध्यान रहे कि मानव जाति खुद को नष्ट करने के लिए सभी तरह के नए तरीकों का तेजी से आविष्कार कर रही है। इस साल की शुरुआत में, 28 जनवरी को जब ये लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि 1947 के मुकाबले 2025 में हम नष्ट होने के कहीं ज्यादा नजदीक पहुंच चुके हैं।इसमें कहा गया: "अब हम मध्य रात्रि यानी नष्ट होने के 89 सेकेंड और नजदीक पहुंच गए हैं। 2024 में, मानवता तबाही के और भी करीब पहुंच गई है। विज्ञान और सुरक्षा बोर्ड को गहराई से चिंतित करने वाले रुझान जारी रहे, और खतरे के स्पष्ट संकेतों के बावजूद, राष्ट्रीय नेता और उनके समाज दिशा बदलने के लिए ज़रूरी कदम उठाने में नाकाम रहे। नतीजतन, अब हम प्रलय की घड़ी को 90 सेकंड से आधी रात से 89 सेकंड आगे ले जा रहे हैं - यह तबाही के अब तक के सबसे करीब है। हमारी हार्दिक आशा है कि नेता दुनिया की बरबादी करने वाले हालात को पहचानेंगे और परमाणु हथियारों, जलवायु परिवर्तन, जैविक विज्ञान और विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों के संभावित दुरुपयोग से पैदा होने वाले खतरों को कम करने के लिए साहसिक कदम उठाएंगे।" जनवरी में ऐसा किया जाने के बाद से अब तक बहुत कुछ हो चुका है। रूसी हवाई अड्डों पर ड्रोन हमले ने, उसकी सबसे महत्वपूर्ण हवाई सामग्री और उपकरणों को नष्ट कर दिया, जिससे यूक्रेन युद्ध में और तेजी आ गई। गाजा में इजरायली नरसंहार जारी है और अब इजरायली सरकार फिलिस्तीनियों को भूखा मार रही है, लेबनान जैसे नजदीकी देशों और यमन जैसे दूर के देशों के खिलाफ खुले संघर्ष कर रही है। अमेरिका की अगुवाई एक विशेष रूप से अटपटा नेता कर रहा है। व्यापार से लेकर ताइवान तक के मामलों में चीन के खिलाफ अमेरिका ने जो तनाव पैदा किया है, वह और भी बढ़ गया है। और हां, कुछ ही हफ्ते पहले भारत ने एक ऐसे संघर्ष में हिस्सा लिया था, जिसके बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार दावा करते हैं कि उससे परमाणु युद्ध होने का खतरा था। ऊपर दिए गए सारे मामलों के साथ ही हमें जलवायु परिवर्तन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता-एआई के प्रभाव से होने वाले खतरों को भी जोड़ना चाहिए।इनमें से दूसरे क्षेत्र में, चीजें इतनी तेजी से आगे बढ़ रही हैं कि इस बात की कोई वास्तविक समझ नहीं है कि खतरा कितना निकट है, या यहां तक कि खतरे की प्रकृति कैसी होगी। तकनीक के सबसे करीब रहने वाले लोग सबसे अधिक भयभीत (इस मामले में शिक्षाविद) और सबसे अधिक खारिज करने वाले (यदि वे एआई के विकास से लाभ कमाने वाली कंपनियां हैं) हैं और इसलिए बाहरी लोगों के लिए इसका अनुमान लगाना आसान नहीं है। यह देखते हुए कि यह अब अमेरिका और चीन के कॉर्पोरेट क्षेत्रों के बीच एक दौड़ है, न कि सरकारों द्वारा नियंत्रित परमाणु हथियारों की दौड़, इसे नियंत्रित करना किसी भी मामले में संभव नहीं है। और जब यह रेस और तेज होकर बढ़ जाएगी तो जल्द ही हमें पता चल जाएगा किआखिरी नतीजा तबाही होगी या अप्रत्याशित लाभ। सोशल मीडिया पर गलत सूचनाएं फैलाने और ड्रोन जैसे सैन्य प्रयोगों में एआई की भूमिका हमें पहले से ही संकेत दे रही है कि नतीजे अच्छे से कहीं ज्यादा बुरे हो सकते हैं। ध्यान रहे कि हमने एक और महामारी की संभावना पर चर्चा तक नहीं की है। या उस अराजकता और अशांति के बारे में भी नहीं सोचा है जो मुट्ठी भर खरबपतियों और अरबों गरीबों वाली दुनिया में जल्द ही आ जाएगी। प्रलय की घड़ी हमें चेता रही है और हमारे अस्तित्व पर मंडराते खतरे और जोखिम को कम करने की कोशिशें शुरु करने को प्रोत्साहित करने का प्रयास करती है। लेकिन मेरी राय में यह इसमें काफी हद तक नाकाम ही साबित हुई है। अगर हम इस बात पर विचार करें कि भारत सहित दुनिया भर में रात में किस तरह की खबरें सुनी जाती हैं, तो हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि मानव जाति अन्य घटनाओं से अधिक परेशान है। कुछ लोगों के लिए ये घटनाएं उन बहुत गंभीर चीज़ों की तुलना में मामूली हो सकती हैं, जिनमें हम अपनी पृथ्वी को धकेल रहे हैं। लेकिन हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि वे अधिकांश मानव जाति के मनोरंजन के लिए इतने महत्वपूर्ण हैं कि खतरे की घड़ी की टिक टिक सुनाई नहीं दे रही है।

संपादकीय

आतंकिस्तान पर बात करें

आश्चर्य है कि जिस देश का पर्याय नाम ‘आतंकिस्तान’ हो, जो आतंकियों की फंडिंग के गंभीर आरोपों में ‘फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स’ (फाट्फ) की ‘ग्रे सूची’ में तीन बार डाला जा चुका हो, जिस देश में ‘अलकायदा’ के सरगना और 9/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को अमरीकी सैनिकों ने ढेर किया हो, जिस देश में पाले-पोसे गए आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में, बीते 35 सालों में, करीब 45,000 मासूम, बेगुनाह लोगों की हत्याएं की हों, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने जिन आतंकियों और उनके संगठनों पर पाबंदियां चस्पा की हैं, उस सूची में अधिकतर नाम जिस देश के आतंकियों के हों, जिस देश के रक्षा मंत्री ने कबूल किया हो कि अमरीका, ब्रिटेन और पश्चिमी देशों की मदद के लिए उनके देश ने, बीते 30 सालों में, आतंकियों को पाला-पोसा था, उस देश का नाम पाकिस्तान है, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की दो महत्वपूर्ण समितियों में ओहदे दिए गए हैं। पाकिस्तान के खैबर इलाके में इस संगठन का लगभग वर्चस्व है और वे पाकिस्तान के फौजियों की हत्याएं करते रहे हैं। अहम सवाल यह है कि पाकिस्तान अध्यक्ष के तौर पर तालिबान के खिलाफ नए प्रतिबंधों की सिफारिश किस आधार पर करेगा? अभी हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री और अफगानिस्तान की स्वयंभू तालिबान सरकार के विदेश मंत्री की मुलाकात चीन के विदेश मंत्री ने अपने देश में कराई थी। चीन यह दोस्ती ‘इस्लाम’ के आधार पर करवा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान भारत के साथ अपने संबंध प्रगाढ़ रखना चाहता है। यही मलेशिया और इंडोनेशिया ने भी किया और पाकिस्तान की ‘इस्लामी थ्योरी’ को खारिज कर दिया। बेशक सुरक्षा परिषद की बैठकों में भारत पाकपरस्त आतंकवाद को बेनकाब करेगा। दरअसल कुछ बुनियादी गलतियां अमरीका ने की हैं। एक तरफ अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत-पाक को एक ही तराजू में तोलते हुए दोनों देशों को ‘महान’ करार देते हैं, तो दूसरी तरफ अमरीका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर आतंकवाद के खिलाफ भारत को मजबूत समर्थन की बात करते हैं। अमरीकी सांसद ब्रेड शेरमैन पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को लताड़ लगाते हुए कहते हैं-‘पाकिस्तान पहले जैश-ए-मुहम्मद को तो खत्म करे।’ यदि अमरीका और चीन पाकिस्तान को समर्थन नहीं देते, तो सुरक्षा परिषद में यह ओहदेदारी पाकिस्तान को नहीं मिल सकती थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और एशियन विकास बैंक से भी अरबों के बेलआउट पैकेज पाकिस्तान को नहीं मिल सकते थे, यदि अमरीका मदद न करता। इसके मायने ये भी हो सकते हैं कि भारत की विदेश नीति पिछड़ गई है, क्योंकि अमरीका पाकिस्तान को ज्यादा भाव दे रहा है। अमरीका की यह दोगली कूटनीति है। एक ओर भारत उसका रणनीतिक साझेदार है, लेकिन आतंकवाद पर अमरीका दोगली नीति खेल रहा है। क्या जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी-ट्रंप दोगली कूटनीति-आतंकिस्तान पर बात करेंगे?

नये कश्मीर के लिए नई उम्मीद जगाती एक ट्रेन

ज्योति मल्होत्रा

वर्ष 1897 में हुई सारागढ़ी की लड़ाई के एक साल बाद (वह इलाका अब पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत में है) और लगभग उस वक्त, जब चीन एक विदेशी शासन के खिलाफ विद्रोह (जिसे बॉक्सर विद्रोह के रूप में जाना जाता है) में लिप्त था, 1898 में डोगरा महाराजा प्रताप सिंह ने तत्परता से ब्रिटिश इंजीनियरों को रेलवे लाइन बनाने के वास्ते नियुक्त किया था, वह जो उनके राज के जम्मू संभाग को कश्मीर घाटी से जोड़ सके। आज जब कटरा से वंदे भारत ट्रेन पहली बार श्रीनगर के लिए निकली झ्र जिसकी सभी टिकटें बिक चुकी थीं झ्र दुनिया के कुछ सबसे खूबसूरत दृश्यों के बीच से होते हुए और साथ ही हिंदू-बहुल जम्मू और मुस्लिम-बहुल कश्मीर के दिलो-दिमाग को जोड़ते हुए, तो महाराजा का वह सपना आखिरकार फलीभूत हो गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के माध्यम से रेलवे और केंद्र के सभी बुनियादी ढांचा मिशनों को आगे बढ़ाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी ले सकते हैं,न केवल चिनाब पर इंस्टा-रेडी आर्च ब्रिज बनाने के लिए, बल्कि जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच 272 किलोमीटर लंबी पटरियों पर 38 सुरंगों और 927 पुलों के लिए भी। सात जून निश्चित रूप से खास है- पाकिस्तान में आतंकियों के कई मुख्य ठिकानों पर 7 मई को किए गए हमले के ठीक एक महीने बाद, जिसमें वहां के पंजाब प्रांत के बीचों-बीच मुरीदके और बहावलपुर स्थित अड्डे भी शामिल थे, पहली बार यह रेलगाड़ी चली है। ट्रेन पर सवार यात्री पर्यटक होने से कहीं अधिक थे; वे दो विचारों के बीच मेल की जीवंत पुष्टि कर रहे थे। पहला, कि गोलियां बहादुरों को नहीं रोक सकतीं और दूसरा, कि केवल कायर ही अपने प्रतिद्वंद्वी को अपनी बात समझाने के लिए मतपत्र की बजाय उसे

मिटाने के लिए गोलियों का इस्तेमाल करते हैं। कश्मीर के लिए यह ट्रेन मरहम और प्रमाण, दोनों का काम करती है झ्र वास्तव में तीन किस्म का प्रमाण। पहलगाम के नृशंस नरसंहार के कारण अमीर खुसरो की जन्नत में पर्यटन लगभग ठप्प सा हो गया था। कश्मीरियों ने मस्जिदों से और सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करके अपना दुख और गुस्सा जाहिर किया। यह इस बात का पहला सबूत है कि नए कश्मीर में मिज़ाज बदला-बदला सा है। बेचारा असीम मुनीर। तथाकथित ‘दो-राष्ट्र सिद्धांत’ को दलदल से बार-बार बाहर निकालने की पाकिस्तान की हसरतों को किसी और ने नहीं बल्कि उसी कश्मीरी ने नाकाम कर दिया, जिसके नाम पर इस सिद्धांत को उछाला जाता है। वे 1947 में यह नहीं चाहते थे और 2025 में भी ऐसा नहीं चाहते। पाकिस्तान के सेना प्रमुख एक ‘सयाने’ व्यक्ति हैं; अब समय आ गया है कि वे कश्मीरी आवाम के इस संदेश को बूझें और समझें :‘कश्मीर को अकेला छोड़ दो’। मुनीर और उनके सैन्य प्रतिष्ठान को पता होना चाहिए कि पहलगाम हिंसा अनुच्छेद 370 के ताबूत में आखिरी टेढ़ी कील साबित होगा। कश्मीर के अंदर तमाम वो लोग जिन्होंने 2019 में अपने ‘विशेष दर्जे’ के अंत का शोक मनाया था, और आज भी ‘आज़ादी’ रूपी भ्रम में यकीन रखते हैं, आज, इस बड़े खेल के बड़े जोखिम को अब पूरी तरह से समझ गए होंगे। शायद, प्रधानमंत्री मोदी को भी जम्मू और कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न होने के बाद गुजरे नौ महीनों को लेकर कुछ आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। और सवाल करें कि असीम मुनीर के ‘दो-राष्ट्र सिद्धांत’ के खिलाफ सबसे अच्छे हथियार के रूप में पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली, उस सूबे को क्यों नहीं दी जा सकती, जिसने लोकतंत्र के पक्ष में जी-जान से मतदान किया झ्र और इस प्रकार भारतीय संघ के साथ एकीकरण किया। विडंबना का इसके अधिक सबूत क्या होगा- जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जिन्हें अनुच्छेद 370 समाप्त करने के बाद हर विरोध को कुचलने के उपायों के अंतर्गत 5 अगस्त, 2019 को नजरबंद कर दिया गया था, शुक्रवार को चिनाब पुल पर प्रधानमंत्री की बगल में खड़े थे और जहां उन्होंने पूछा कि उनका रुतबा एक पूर्ण राज्य के मुख्यमंत्री से घटाकर केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में क्यों किया गया। जहां उनके इन शब्दों में हास्य और शालीनता, दोनों थे, वहीं दर्द भी झलक गया। आम कश्मीरी राजनेता, खासकर मुख्यमंत्री, जिसे वहां वजीर-ए-आला कहकर पुकारा जाता है, क्या वजीर-ए-आला (प्रधानमंत्री) उसे भरोसा करने लायक नहीं समझते? सच तो यह है कि कानून एवं व्यवस्था, सुरक्षा, पोस्टिंग और अभियोजन के मामलों में लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के पास मुख्यमंत्री अब्दुल्ला की तुलना में कहीं अधिक शक्ति है। अब्दुल्ला चाहते तो नाममात्र के मुख्यमंत्री बना दिए जाने पर अपनी भड़ास पहलगाम में साइकिल चलाकर या गुलमर्ग में स्कीइंग करके निकाल सकते थे, क्योंकि जो काम कायदे से उनका है, वह शक्ति संपन्न बना दिए गए उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा कर रहे हैं। लेकिन उमर अब्दुल्ला ने अपने काम की रूपरेखा को फिर से गढ़ा है, नए कश्मीर का नया मुख्यमंत्री, जो उन लोगों तक पहुंच रहा है और उनका दर्द कम करने की कोशिश कर रहा है, जिन्होंने गुजरे सालों में काफी भुगता है। भगवान जाने, उन्हें लंबा रास्ता तय करना है। इस काम की रूपरेखा को यह दरकार भी है कि आप अपने निजी अभिमान और अहंकार को निगल लें, खासकर इसलिए भी क्योंकि केंद्र में सत्ता में बैठे अपने वैचारिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ काम करने के लिए यह जरूरी है। उनके सहयोग बिना, आपको मालूम हो कि आप कुछ भी नहीं हैं। दूसरा प्रमाण वह है, जो दर्शाता है कि कश्मीर में चीजें कैसे बदल गई हैं। युवा अब्दुल्ला जानते हैं कि उन्हें न केवल उन्हीं प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह से राबता रखना है झ्र जिन्होंने उनको नजरबंद किया था- बल्कि वे एक मुरझाते हुए इंडिया गठबंधन के प्रति अपनी वफादारी के बारे में अधिक नहीं सोच सकते। तीसरा प्रमाण पीएम मोदी का अपना है। कटरा में उन्होंने कहा : ‘पहलगाम में इंसानियत और कश्मीरियत, दोनों पर हुआ हमला।’ उन्होंने 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी के दिए एक नारे का हवाला दिया, जब पूर्व प्रधानमंत्री ने कश्मीर को मरहम लगाने की आवश्यकता बताई थी और कहा था कि सभी कश्मीरियों के साथ बातचीत ‘कश्मीरियत, इंसानियत और जम्हूरियत’ के व्यापक दायरे में हो सकती है। क्या इससे प्रधानमंत्री का अभिप्राय यह है कि भारत के मुकुट के रत्न के लिए एक नया ‘हीलिंग टच’ तैयार किया जा रहा है? पिछले साल चुनावों के दौरान भी इनमें से कुछ अवयव निश्चित रूप से मौजूद थे, जब जमात-ए-इस्लामी उम्मीदवारों को जेल से रिहा करके, चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई। इससे पहले भी जमात के साथ परदे के पीछे बातचीत के प्रयास जारी रहे हैं; इस साल की शुरुआत में, जमात के पूर्व सदस्यों ने मिलकर एक नई राजनीतिक पार्टी, जस्टिस एंड डेवलपमेंट फ्रंट का गठन किया था। रेलगाड़ी का काम है लोगों, सामान और विचारों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना। कश्मीर के लिए यह रेलगाड़ी पहले से ही नई चर्चाओं को जन्म दे रही है। शायद इसने अपना उद्देश्य पूरा कर लिया है। जम्मू-कश्मीर में अब हालात पहले जैसे कभी नहीं रहेंगे।लेखिका ‘द ट्रिब्यून’ की प्रधान संपादक हैं।

नींद छिनी, सुकून गया, स्क्रीन में उलझा बचपन

डॉ. ज्योति सिडाना

कहा जाता है कि अच्छी हंसी और लंबी नींद अधिकांश बीमारियों का सबसे अच्छा इलाज है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए नींद बहुत जरूरी है। परन्तु पिछले कुछ दशकों में बच्चों और किशोरों में नींद की कठिनाइयों में वृद्धि देखी गई है। डिजिटल युग के आने के बाद इंटरनेट ने सोशल मीडिया तक सबकी पहुंच को आसान बना दिया है। इस सोशल मीडिया ने लोगों को भले ही सोशल/सामाजिक बना दिया हो लेकिन इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि लोगों में मानसिक और शारीरिक व्याधियों को भी तेजी से विकसित किया है। कहा जा सकता है कि यह एक प्रकार का डिजिटल नशा है, जो बच्चों और किशोरों को भी अपने आगोश में ले चुका है। ऐसा माना जाता है कि बाल्यावस्था मानव जीवन का एक महत्त्वपूर्ण चरण है, जहां मनुष्य दुनिया के गम, परेशानी, तनाव और संघर्ष से अनजाना होता है। हर दिन आनंद लेता है परंतु क्या आज के दौर के बच्चों पर यह लागू होता है, संभवतः नहीं। बचपन तो शरारत, चंचलता, मस्ती, जिद और सिबलिंग्स व दोस्तों के साथ रूठने, मनाने और झगडऩे से भरा होता है। मानव के जीवन काल की यह सबसे खूबसूरत अवस्था है, जिसमें न तो किसी जिम्मेदारी का अहसास होता है और न ही कोई चिंता सिर्फ ‘खाओ-पीयो और ऐश करो’ की जीवन शैली होती है। लेकिन आज की पीढ़ी के बच्चों ने अपने बचपन को जिया ही नहीं, इनकी मासूमियत बहुत जल्दी ही परिपक्वता में बदल गई, टेक्नोलॉजी और मीडिया सोसायटी ने उम्र और समय से पहले ही इनका बचपन छीन लिया। नीति आयोग के स्वास्थ्य विभाग ने हाल में 12 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के स्कूली किशोरों की नींद से जुड़ी आदतों और उसके प्रभाव को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट में बताया गया है कि हमारे देश के एक-चौथाई स्कूली बच्चे आज पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं, जिससे न केवल उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच रहा है बल्कि बच्चों के सोचने-समझने की क्षमता भी प्रभावित होती है।इसमें कोई दो राय नहीं है कि सूचना क्रांति और उपभोक्ता बाजार ने बच्चों के अपरिपक्वमस्तिष्क पर सूचनाओं का हमला बोल दिया है, जिसके कारण उसे अपनी मानसिक क्षमता को अत्यधिक विस्तार देने की आवश्यकता होती है, ताकि वह उन समस्त सूचनाओं (जो कि आवश्यकता से अधिक हैं और संभवतः गैर-जरूरी भी हैं) को अपने ज्ञान भंडार में रख सकें और स्वयं को जीवन की दौड़ में सफल साबित कर सकें। इस सफलता की संभावना ने बच्चों को उपभोक्ता में बदल दिया है और उनकी स्वाभाविकता भी समाप्त कर दी। यह भी एक तथ्य है कि पहले जो बीमारियां वृद्धावस्था में होती थीं आज किशोर और युवावस्था में या उससे भी पहले देखी जा सकती हैं जैसे ब्लड प्रेशर, शुगर, अस्थमा, दिल का दौरा इत्यादि। मेडिकल रिसर्च के अनुसार 80 से 90 प्रतिशत बीमारियां अनिद्रा, तनाव, असंतुलित भोजन के कारण होती है। इसलिए हर बच्चे को प्रतिदिन कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद अवश्य लेनी चाहिए, ताकि उनमें मानसिक और शारीरिक संतुलन बना रहे। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि पर्याप्त नींद और संतुलित भोजन से ही अधिकांश बीमारियों को ठीक किया जा सकता है।न्यूरो साइंटिस्ट बी.एस. ग्रीनफील्ड के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव, पर्याप्त नींद, वयस्क पीढ़ी के साथ अंतःक्रिया, खेलने के अवसर एवं सृजनशीलता मस्तिष्क विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कारक हैं, जिसे आधुनिक प्रौद्योगिकी तीव्र गति से नष्ट कर रही है। आजकल प्रौद्योगिकी के कारण आउटडोर गतिविधियों को इनडोर गतिविधियों ने विस्थापित कर दिया है, जिसका प्रभाव न केवल बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ा है अपितु बच्चों में आक्रमकता, निराशा एवं कुंठा की भावना भी बढ़ती जा रही है। इसके साथ ही बच्चों में सामाजिकता की समाप्ति हो रही है, उनमें व्यक्तिवादिता की प्रवृत्ति बढ़ रही है, वे चुनौतियों का सामना करने के बजाय पलायनवादी बन रहे हैं, जीवन जीने के बजाय उसे समाप्त कर लेना उन्हें ज्यादा सरल लगने लगा है।प्रौद्योगिकी का प्रयोग केवल उतना ही किया जाए जितना किसी काम में आवश्यक है तो सही है, लेकिन अगर प्रौद्योगिकी पर पूरी तरह से निर्भरता बना ली जाए तो मनुष्य को मशीन बनने से रोकना संभव नहीं होगा।ऐसा देखने में आया है कि प्रौद्योगिकी पर निर्भरता होने के बाद से बच्चे अपनी बौद्धिकता पर संदेह करने लगे हैं, उनमें आत्मविश्वास की कमी होती जा रही है। हर सवाल का जवाब गूगल पर ढूंढते हैं यहां तक कि मनोरंजन करने, टाइम पास करने, रिलेक्स करने के लिए भी सोशल मीडिया या नेटवर्किंग का सहारा लेते हैं। आभासी दुनिया को ही वास्तविक मानने लगे हैं। एक बार जो लॉग इन किया पता ही नहीं, कब दिन गुजर गया और कब रात बीत गई। समूह या दोस्तों के साथ घूमना-मस्ती करना, परिवार के साथ समय बिताना, कॉमिक्स पढना, खुले मैदान में खेलना अब अतीत की बात हो गई है। सूचना क्रांति के बाद शिक्षा प्रणाली में आए बदलावों के कारण स्कूल डायरी का स्थान अब वॉट्सऐप ने ले लिया है। स्कूल प्रोजेक्ट ऑनलाइन प्रेजेंटेशन या लिंक में बदल गए हैं। समस्याएं या मन की बात साझा करने के लिए सोशल मीडिया उपस्थित है, ऐसे में बच्चों में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की चुनौतियां आना स्वभाविक है। जो उम्र बच्चों के दोस्ती करने, सामाजिक मूल्यों को सीखने, शारीरिक व मानसिक विकास करने तथा अपनी क्रिएटिविटी को विकसित करने, दादी-नानी की कहानियों को सुनकर उन चरित्रों में खुद को ढूंढने, बड़े होकर देश के लिए कुछ कर गुजरने, फिल्में देखकर हीरो की तरह विलेन को मारने की कल्पना करने की होती है, उस उम्र में वे प्रौद्योगिकी के गुलाम बनते जा रहे हैं। सृजनशीलता और कल्पनाशीलता के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ होना जरूरी है और मानसिक स्वास्थ्य के लिए समय पर सोना-जागना, संतुलित और पोषणयुक्त भोजन खाना, समूह में खेलना, व्यायाम करना भी जरूरी है और हमने तो बचपन में ही बच्चों की कल्पनाशीलता को समाप्त कर दिया। इस रिपोर्ट में प्रस्तुत आंकड़े बताते हैं कि करीब 22.5 प्रतिशत बच्चे को नींद पूरी नहीं मिलती। 60 प्रतिशत बच्चों में अवसाद (डिप्रेशन) के लक्षण पाए गए, जबकि 65.7 प्रतिशत बच्चों में संज्ञानात्मक कमजोरी यानी सोचने और समझने की क्षमताओं में गिरावट देखी गई। आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि नींद की कमी केवल थकान या आलस्य की वजह नहीं है, बल्कि बच्चों में गंभीर मानसिक और बौद्धिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। परिवार, समाज, शिक्षण संस्थानों और प्रशासन सभी के लिए यह सोचने का विषय है कि क्यों आज के बच्चे किसी भी समस्या के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी या गूगल के पास जाने के लिए बाध्य या प्रेरित हो रहे हैं? क्यों उन्हें बचपन से ही केवल कॅरियर पर फोकस करने की सलाह दी जाने लगी है। नींद की कमी का असर बच्चों की एकाग्रता, भावनात्मक संतुलन और पढ़ाई के प्रदर्शन पर भी पड़ता है। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को यह सिखाया जाए कि टेक्नोलॉजी का प्रयोग मनोरंजन के साधन के रूप में नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से घंटों सोशल मीडिया पर समय बिता देते हैं। बल्कि केवल सूचना के एक उपकरण के रूप में ही इसका उपयोग करना चाहिए। मनोरंजन के तो अनेक पारम्परिक साधन हैं, जिनका उपयोग किया जा सकता है। अच्छी नींद लेने की आदत विकसित करनी चाहिए जिसके लिए एक नियमित समय पर सोने का रुटीन तय करना चाहिए। जब तक आवश्यक न हो देर रात तक जागने की उपेक्षा करनी चाहिए। फास्टफूड के स्थान पर पौष्टिक व संतुलित भोजन, योगा, मेडिटेशन, व्यायाम और सैर करने की नियमित आदत अपने दैनिक जीवन में शामिल करनी चाहिए।

(लेखिका समाजशास्त्री एवं स्तंभकार)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

औरंगाबाद छात्र राजद का मिलन समारोह सह जल्द होने वाले छात्र राजद प्रदेश कार्यक्रम को लेकर चर्चा का आयोजन किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- छात्र राजद का मिलन समारोह सह जल्द होने वाले छात्र राजद प्रदेश कार्यक्रम को लेकर चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा का आयोजन जिले के सर्किट हाउस में जिला अध्यक्ष प्रभारी चंदन कुमार के अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सैफुल्लाह ताजी ने अपने दर्जनों साथियों के साथ तेजस्वी यादव और राजद के विचार धारा से प्रेरित होकर जिला अध्यक्ष प्रभारी चंदन कुमार के भरोसे व्यक्त करते हुए छात्र राजद में शामिल हुए शामिल होते हुए सैफुल्लाह ताजी ने कहा कि राजद एक मात्र राजनीतिक पार्टी है जो मानव कल्याण के विचार धारा पर कार्य करती है शामिल सभी छात्र साथियों को मला पहनाकर स्वागत छात्र राजद उपाध्यक्ष सुनील कुमार एवं सिंन्हा कॉलेज अध्यक्ष अभिषेक प्रताप ने किया साथ ही बारी बारी से नये शामिल छात्र राजद कार्यकताओं ने पार्टी के प्रति आस्था प्रकट किया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार के नवनिर्माण के लिए महागठबंधन की सरकार और तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनाने के लिए सर्घष करेंगे। इस बैठक में प्रदेश द्वारा आयोजित पटना में छात्र राजद के द्वारा होने वाले प्रदेश में भाव कार्यक्रम पर भी चर्चा किया गया । इस समारोह में उपस्थित ऍम डी सैफुलाह , शबर अली, शह फैसल अली , सत्यम प्रताप, मुसाफिक्र खान, सोहेब, बाबा, अहमद खान, एमडी रकीब आदि लोग शामिल हुए।

वीरांगना कार्यक्रम पहली वर्षगाठ कार्यक्रम मे पहुंचे भाजपा नेता राकेश सिंह

पटना । वीरांगना कार्यक्रम पहली वर्षगाठ कार्यक्रम मे पहुंचे भाजपा नेता सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह का वीरांगनावो ने गरमजोशी से जोरदार स्वागत किया इस अवसर पर निशा सिंह २ न्यूरो विभाग एचओडी समरेंद्र प्रताप सिंह अनुपमा सिंह डॉ कामिनी सिंह संगीता सिंह मनोरमा सिंह सुषमा सिंह संकल्प जी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

पूजा शर्मा बनी महिला कांग्रेस सेवा दल की जिलाध्यक्ष, बधाई

सत्यनिष्ठा व ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे: पूजा

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : कॉंग्रेस पार्टी को सशक्त करने के दिशा में लगातार महत्वपण कदम उठाए जा रहे है और राष्ट्रीय कॉंग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई देसाई के द्वारा मुंगेर जिला महिला कॉंग्रेस सेवादल के महिला जिलाध्यक्ष के रूप में सुश्री पूजा शर्मा की नियुक्ति की गई है। पूजा शर्मा ने इस अहम सांगठनिक जिम्मेदारी के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई देसाई, बिहार प्रदेश कॉंग्रेस सेवादल प्रभारी अफरोज खान साहब, बिहार प्रदेश कॉंग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक (प्रदेश अध्यक्ष) डॉ संजय कुमार , बिहार प्रदेश महिला सेवादल के अध्यक्षा रुचि , बेगूसराय जोन के अध्यक्ष आशीष मोहन शुक्ला और मुंगेर जिला कॉंग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक चंदन कुमार सिंह को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा की हम सम्पूर्ण सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे और कॉंग्रेस पार्टी के स्तंभ को मजबूत करने का हर संभव प्रयास करेंगे। सुश्री पूजा शर्मा के नियुक्ति पर विधान पार्षद सदस्य डॉ समीर कुमार सिंह, विधानसभा सदस्य डॉ अजय कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष अशोक पासवान, कार्यकारी जिलाध्यक्ष इनामुल हक, मुंगेर जिला कॉंग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक चंदन कुमार सिंह सहित दर्जनों कॉंग्रेसी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई और शुभकामना संदेश प्रेषित किया हैं।

पंचायत सचिव इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता का पुण: धरहरा पोस्टिंग से उठने लगे सवाल

धरहरा में विवादों से घिरे रहे हैं पंचायत सचिव इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता

दिव्य दिनकर संवाददाता

धरहरा। पिछले दिन कुछ पंचायत सचिव का स्थानांतरण किया गया था। जिसमें इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता को पुनः धरहरा प्रखंड अंतर्गत कुछ पंचायत की जिम्मेदारी सौंपी गई है। किन्तु पंचायत सचिव इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता का स्थानांतरण धरहरा प्रखंड होने के बाद मामला काफी चर्चा में बना हुआ है। इसको लेकर जिला प्रशासन के प्रति आए दिन कुछ न कुछ टीका-टिप्पणी सुनने को मिल रही है। हाल में समाजवादी पार्टी के धरहरा प्रखंड अध्यक्ष नीरज यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता का स्थानांतरण पर सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता का धरहरा प्रखंड से स्थानांतरण का अभी दो वर्ष भी सही से नहीं हुआ है। फिर भी उनका स्थानांतरण धरहरा कर दिया गया है। जबकि वह धरहरा में आए दिन किसी न किसी मामले को लेकर विवाद में घिरे रहते थे। वह जमालपुर स्थानांतरण के बाद भी ड्यूटी आवर में अमारी पंचायत सरकार भवन में आराम फरमाते नजर आते हैं। हालांकि एकबार उनका वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। जिसके बाद जमालपुर की तत्कालीन बीपीआरओ ने कारवाई करने की भी बात कही थी। इतने मामलो के बाद उनको दुबारा से धरहरा प्रखंड के अमारी पंचायत का कार्यभार सौंपना जिला प्रशासन के कार्य प्रणाली पर सवाल उठाने शुरू हो गया है।

सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार औरंगाबाद में आयोजित सहकारिता में सहकार कार्यक्रम में शामिल हुए

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार औरंगाबाद में आयोजित सहकारिता में सहकार कार्यक्रम में शामिल हुए। बताते चलें कि मुख्यालय स्थित ब्लॉक मोड़ के निकट सम्राट अशोक भवन के सभागार में सहकारिता विभाग के निर्देश के आलोक में सोमवार को सहकारिता में सहकार अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. इस सहकारिता में सहकार अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार एवं औरंगाबाद जिले के सहकारिता बैंक के अध्यक्ष श्री संतोष कुमार सिंह एवं सहकारिता विभाग से कई जुड़े हुए वरीय पदाधिकारीयो की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया, इस उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार को कोऑपरेटिव बैंक का अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के द्वारा बुके एवं शाल देकर उन्हें सम्मानित किया और कई पैक्स अध्यक्ष को सहकारिता के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए उन्हें भी मंत्री प्रेम कुमार के द्वारा उन सभी को सम्मानित किया गया। और आगे पत्रकारों से बातचीत करते हुए सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने कहा की अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है. इस अभियान के तहत सहकारिता क्षेत्र में समन्वय, जागरूकता तथा क्षमता का विकास किया जाना है. पैक्स और प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों को जिला केंद्रीय सहकारी बैंक में सुविधा प्रदान करते हुए बैंकिंग सुविधा का लाभसमाजिक, आर्थिक पिरामिड के निम्नतर स्तर पर पहुंचाना है,आगे सहकारिता मंत्री डॉ० प्रेम कुमार, श्री विजय कुमार सिंह, (संयुक्त निबंधक, स०स०, मगध प्रमण्डल, गया) जितेन्द्र कुमार सिंह, अध्यक्ष, (दुग्ध उत्पादन सहकारी संघ), श्री सुशील कुमार सिंह, डी.डी.एम नाबार्ड, श्री संतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, श्री राम शर्मा, उपाध्यक्ष, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला अंकेक्षण पदाधिकरी, सहायक निबंधक स०स०, माननीय निदेशकगण, (जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, औरंगाबाद) उपस्थित हुए। सहकारिता में सहकार अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत उद्दअ/ बैंक मित्र में चयनित पड़रावां पैक्स, केराप, देव, जमुआवां, दूग्ध उत्पादन, सहयोग समिति, सिन्दुआर, पिपरा, चन्द्रगढ़, महुआंव, झिकटियां, बलियां, डुमरी आदि समितियों को ट्रू१ङ्ग अळट का वितरण माननीय सहकारिता मंत्री डॉ० प्रेम कुमार, द्वारा किया गया। नितु जीविका, स्वयं सहायता समूह, पुष्पा जीविका, स्वयं सहायता समूह, (दाउदनगर) के बीच दो-दो लाख रू० का ऋण वितरण किया गया। साथ ही नये के.सी.सी. ऋण का भी वितरण किया गया। धान अधिप्राप्ति वर्ष 2024-25 में अब तक शत-प्रतिशत उटफ आपूर्ति करने वाले 23 पैक्सों को जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लि०, औरंगाबाद द्वारा सामानित किया गया। साथ ही माननीय सहकारिता मंत्री जी द्वारा सभी सहकारी समिति और उनके सदस्यों के खाते सहकारी बैंकों में खुलवाने का निर्देश दिया गया।इस कार्यक्रम के मौके पर सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के अलावा सहकारिता विभाग के सभी पदाधिकारी एवं पैक्स अध्यक्ष के साथ-साथ जीविका क्षेत्र में योगदान देने वाली जीविका दीदी भी मौजूद रहे।

मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल को रिवॉल्यूशनरी फोरम ने बताया विफल

मुंगेर।

एनडीए गठबंधन की वर्तमान केंद्र सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल पूरा होने पर एक तरफ जहां एनडीए गठबंधन के नेताओं के द्वारा इस 11 वर्षों के कार्यकाल को ऐतिहासिक करार दिया जा रहा है तो वहीं विपक्ष की ओर से सरकार के क्रियाकलापों और नीतियों पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। केंद्र की मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल को रिवॉल्यूशनरी फोरम ने विफल और जनता विरोधी करार दिया है। मोदी सरकार के ग्यारह वर्षों के पूरे होने के कथित जश्न पर रिवॉल्यूशनरी फोरम के सह संयोजक फर्रह शकेब ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि क्या इस जश्न में मोदी सरकार देश की जनता को ये बताएगी कि किस तरह कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन में सत्ता की दमनकारी नीतियों का शिकार हो कर 700 से अधिक किसान शहीद हो गए। क्या मोदी सरकार देश की जनता को इस कथित जश्न के दौरान ये बताने का साहस कर सकती है कि नोटबंदी और जीएसटी के कारण किस तरह छोटे और मंझोले उद्योग धंधे बर्बाद हो गए और कितने की लोगों ने आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या कर ली। फर्रह शकेब इस कथित जश्न पर सवाल खड़े करते हुए मोदी सरकार से पूछा है कि अग्निवीर, एनआरसी, सीएए, वक्फ संशोधन विधेयक जैसे दमनकारी कानून किसके इशारे पर लाए गए और उसके उद्देश्य क्या था? क्या इस कथित जश्न के दौरान सरकार देश की जनता के रोजगार, नौकरी, शिक्षा, स्वास्थ जैसे सवालों पर जवाब देने का नैतिक साहस रखती है? रिवॉल्यूशनरी फोरम की ओर से मोदी सरकार की सभी योजनाओं को भी ढकोसला करार देते हुए इसे जन विरोधी तथा कॉरपोरेट जगत को राहत पहुंचाने वाली योजना बताया गया है।

मेंस यूनियन के पदाधिकारी का किया गया चयन

परमानंद कुमार बने नए शाखा सचिव तथा कमोज कुमार बने अध्यक्ष

जमालपुर।

ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन कारखाना शाखा के तत्वधान में सोमवार को शाखा के नए पदाधिकारी के चयन को लेकर एक विशेष कार्यक्रम के साथ-साथ नव चयनित पदाधिकारियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मेंस यूनियन के केंद्रीय पदाधिकारी के अलावा यूनियन के जमालपुर कारखाना शाखा से जुड़े वरीय पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। सम्मान समारोह की अध्यक्षता शाखा के उपाध्यक्ष अभिमन्यु पासवान ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन वर्किंग कमेटी के सदस्य वीरेंद्र प्रसाद यादव, यूनियन के केंद्रीय नेता अनिल प्रसाद यादव एवं शाखा के संयुक्त सचिव गोपाल जी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन जमालपुर रेल कारखाना शाखा के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। जिसमें यूनियन के नेताओं एवं सदस्यों ने ध्वनि मत से प्रस्तावित नामों पर अपनी समिति जताई। मेंस यूनियन जमालपुर कारखाना शाखा के नव चयनित पदाधिकारी के रूप में परमानंद कुमार को शाखा सचिव, कमोज कुमार को शाखा अध्यक्ष, राहुल रमण को कार्यकारी अध्यक्ष, सुमन भारती, शिवव्रत गौतम तथा पंकज कुमार को संगठन सचिव की जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान नव चयनित पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। नव चयनित शाखा सचिव परमानन्द कुमार ने कहा कि आज सबसे विकट परिस्थिति से पूरा उद्योग गुजर रहा है निजीकरण एवं निगमीकरण की ओर भारत सरकार तेजी से बढ़ रही है हम सभी को एकजुट होकर इस लड़ाई को लड़ना होगा। शाखा अध्यक्ष कमोज कुमार एवं कार्यकारी अध्यक्ष राहुल रमण ने कहा कि ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन रेलवे कर्मचारियों के हक और अधिकार के लिए लगातार संघर्ष करता रहा है। आगे भी रेल कर्मचारियों की सभी मांगों को लेकर हमारा संघर्ष जारी रहेगा। नव चयनित संगठन सचिव सुमन भारती, शिवव्रत गौतम तथा पंकज कुमार ने कहा कि यूनियन के सदस्यों तथा वरीय अधिकारियों के द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंप गई है, उन जिम्मेदारियों की ईमानदारी से निर्वहन करूंगा। मौके पर बीरेंद्र प्रसाद यादव, अनिल प्रसाद यादव, रंजीत कुमार सिंह, महिला सचिव नूतन देवी, संयुक्त सचिव गोपाल जी, शिशिर कुमार, महिला अध्यक्ष मधु देवी के अलावा सभी शाखा पदाधिकारी, बीसी, सीसीएम, टीजीएम मौजूद रहे।

कोल काली में रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ का हुआ समापन, सोमवार को भक्ति जागरण कार्यक्रम में भक्तों की दिखी भीड़

जमालपुर।

महाभारत कालीन काली पहाड़ की तराई में धरहरा प्रखंड क्षेत्र के अमझर में स्थित कोल काली में आगामी 5 जून से आरंभ हुए अखंड रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ का समापन सोमवार देर शाम हुआ। अखंड रामधुन एवं महायज्ञ के समापन के उपरांत सोमवार देर रात्रि भक्ति जागरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 5 जून से आरंभ हुए इस भक्तिमय कार्यक्रम में मुंगेर जिला के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु भक्तों का महा जुटान देखने को मिल रहा है। शनिवार और रविवार देर रात्रि पूजा समिति की ओर से खिचड़ी के महाप्रसाद का वितरण किया गया। रविवार और सोमवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने माता का किया दर्शन अमझर कोल काली में सम्पन्न हो रहे अखंड रामधुन संकीर्तन सह महायज्ञ कार्यक्रम में रविवार देर शाम जमालपुर, मुंगेर एवं आसपास के इलाकों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने माता का दिव्य दर्शन किया। रविवार को अवकाश का दिन होने के कारण जमालपुर रेल कारखाना में कार्यरत रेल कर्मियों के अलावा विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों व प्राइवेट प्रतिष्ठानों में सेवा प्रदान कर रहे कर्मचारी अपने परिवार के साथ मेला घूमने तथा छुट्टी मनाने के लिए अमझर कोल काली पहुंच रहे थे। वहीं सोमवार को भी श्रद्धालु की भीड़ उमड़ती दिखी। कई परिवारों ने सामूहिक रूप से पिकनिक का आनंद लेने के साथ-साथ माता के दरबार में प्रसाद का भोग भी लगाया। जानकारी देते हुए अध्यक्ष रविन्द्र प्रसाद यादव, सचिव शंभू पासवान ने कहा कि सोमवार देर रात्रि भक्ति से सराबोर माता के जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, जिसको लेकर सोमवार शाम से ही भक्तों की बड़ी तादाद जुटने लगी है।

पारंपरिक झूलों एवं मीना बाजार का आनन्द ले रहे श्रद्धालु

अमझर कोल काली में सम्पन्न हो रहे भक्तिमय कार्यक्रम में माता के दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालु भक्त मेले में तरह-तरह के झूलों के साथ-साथ मीना बाजार का भी आनंद ले रहे हैं। तारामाची, ब्रेक डांस, डिजनीलैंड के अलावा बच्चों के लिए खिलौने की दुकान, खाने-पीने के लिए विभिन्न व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए हैं। जिसमें बच्चों के साथ-साथ युवा वर्ग भी तरह-तरह के झूलों का आनंद ले रहे हैं। मेले में फास्ट फूड के विशेष आइटम लोगों के स्वाद को और बढ़ा रहे हैं।

रफीगंज विधानसभा के सभी क्षेत्रों में विकास करना प्राथमिकता लोजपा आर प्रदेश महासचिव - प्रमोद कुमार सिंह

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के रफीगंज में एनडीए के कार्यकर्ता सम्मेलन में भरी हुंकार, कार्यकताओं ने दिखायी एकजुटता रफीगंज. रफीगंज शहर के इमादपुर स्थित एक निजी हॉल में लोजपा एवं एनडीए कार्यकताओं के सम्मेलन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता लोजपा प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुमार पासवान एवं संचालन लालदेव पासवान ने किया. सभी लोगों ने स्व रामविलास पासवान के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी. लोजपा रामविलास के प्रदेश महासचिव सह विधानसभा प्रत्याशी रहे प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार बिहार के विकास के प्रति कृतसंकल्पित है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में चौतरफा विकास हुआ है. हर क्षेत्र में काम किया जा रहा है. कहा कि उन्होंने अपने प्रयास से भी रफीगंज विधानसभा में काफी विकास काम कराया है. यही वजह है कि यहां के लोगों का समर्थन मिल रहा है. जहां सदियों से अंधेरा था, वहां निजी राशि से उजाला करने के लिए काम किया. रफीगंज विधानसभा के मतदाता समझदार हैं. उन्होंने सभी एनडीए कार्यकताओं को एकजुट रहकर काम करने एवं अभी से ही विधानसभा की चुनाव की तैयारी में जुट जाने की अपील की. सभी को मिल-जुलकर चुनाव में सफलता हासिल करने की बात कही. कहा कि किसानों की समस्या को दूर करना मेरी पहली प्राथमिकता है. आपसभी के आशीर्वाद मिलता है और जब वे विधायक बनेंगे तो रफीगंज विधानसभा को भ्रष्टाचार एवं दलालमुक्त करना प्राथमिकता होगी. जिलाध्यक्ष चन्द्रभूषण उर्फ सोनू सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्ता बूथ स्तर तक कमिटी को मजबूत करें और चिराग पासवान के हाथों को मजबूत करें. इस मौके पर वृजमोहन सिंह, अजय पासवान, सुरेंद्र पासवान, सुधीर शर्मा, लड्डू खां, उमेश पासवान, जितेंद्र पासवान, किसान मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष दिलीप सिह, अर्जुन सिंह, शंकर दयाल सिंह, रामविलास पासवान, महेश पासवान, विनय सिंह, पंचायत समिति अरविंद चौधरी, शैलेंद्र उर्फ लाला, योगेश पासवान, चंदन सोनी, रामप्रसाद, अमरेश खत्री, अजय गुप्ता, राणा सिंह, संतोष पासवान, पप्पू सिंह, रिषु सिंह, पूर्व मुखिया भोला चौधरी, भोला ठाकुर, विभिषण गहलौत, राहुल कुमार,पंस मंटू शर्मा, विपिन कुमार सिंह, दिलीप कुमार सिंह, प्रवीण सिंह, गुप्ता सिंह, मोहित कुमार, विवेक कुमार, मुकुल कुमार, संजीत कुमार, विजय चौधरी, ओम प्रकाश मेहता आदि मौजूद थे!

अपने कार्य संस्कृति में सुधार लाए और अधीनस्थ कर्मियों के संचिका संधारित करें : डीएम

डीएम ने की साप्ताहिक समीक्षा बैठक, दिया आवश्यक दिशा निर्देश

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर : मुगेर के जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा सोमवार को संग्रहालय सभागार में सभी विभागीय पदाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक किया गया। बैठक में उन्होंने सभी पदाधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि आप सभी समय का अनुपालन करें और प्रत्येक बैठक में निर्धारित समय से पूर्व उपस्थित रहें। साथ ही अपने कार्यालय के कार्य संस्कृति में सुधार हेतु अधीनस्थ कर्मियों के संचिका संधारित करने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी के द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को अपने कार्यालय में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का निर्देश दिया गया । जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों से कहा कि आप सभी प्रत्येक सप्ताह अपने अपने कार्यालय कर्मियों के लिए बने लॉगबुक की जांच करेंगे, ताकि प्राप्त आवेदनों का ससमय निष्पादन हो सके। उन्होंने अपर समाहर्ता एवं उप विकास आयुक्त को निर्देश दिया कि सप्ताह में कम से कम कार्यालय के दो शाखाओं में संधारित पंजियों के जांच करें ।उन्होंने कहा कि प्रत्येक साप्ताहिक बैठक में आरटीआई, मानवाधिकार, जन शिकायत, लोकायुक्त, सीएम डैशबोर्ड, लोक शिकायत आदि विभागों में प्राप्त आवेदनों के लंबित स्थिति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व से लंबित आवेदनों को शीघ्र खत्म करें और वर्तमान प्राप्त आवेदनों को भी कम से कम समय में निष्पादित करें। इसके लिए सभी कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों की तिथिवार लॉगबुक निर्धारित करने का भी निर्देश दिया। साथ ही अन्य विभागों से भी समन्वय स्थापित कर लंबित मामलों को निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावे उन्होंने सभी पदाधिकारियों को प्रत्येक शुक्रवार को अपने अपने कार्यालयों में उपस्थित रहने और आने वाले सभी आगंतुकों से मिल कर उनके आवेदन पर संज्ञान लेते हुए उसका निष्पादन करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

लंबित योजनाओं को अविलंब पूरा करने का डीएम ने दिया निर्देश

मासिक समीक्षा बैठक में विभिन्न योजनाओं की डीएम ने की समीक्षा

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेरः सामाजिक सुरक्षा, कल्याण, अल्प संख्यक कल्याण, नियोजन, श्रम विभाग, बाल संरक्षण इकाई की मासिक समीक्षात्मक बैठक जिलाधिकारी मुंगेर अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में आयोजित हुई। बैठक में उक्त सभी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गयी। समीक्षोपरांत सभी अधिकारियों को संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन में तीव्रता लाने तथा लंबित पड़े मामलों को शत प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिला अल्प संख्यक कल्याण पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक, उप निदेशक सामाजिक सुरक्षा, सहायक निदेशक बाल संरक्षण इकाई उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों से कहा कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पूर्व से लंबित जितने भी आवेदन अब तक लंबित हैं, उसे शीघ्रताशीघ्र शत प्रतिशत पूर्ण करें। जो भी लक्ष्य निर्धारित है, उस पर तीव्र गति से कार्य करें तथा लंबित आवेदनों का निष्पादन कर संबंधित लाभूकों को लाभ दें। उन्होंने उप निदेशक सामाजिक सुरक्षा को विशेष तौर पर निदेशित किया कि उनके यहां से संचालित यूडीआईडी कार्ड निर्माण की गति धीमी हैं उसमें तेजी लाएं। साथ ही इसके निष्पादन के लिए शिविर लगा कर लंबित पड़े आवेदनों का निष्पादन करें तथा निर्धारित लक्ष्य को ससमय पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ लाभूकों तक शत प्रतिशत पहुंचे इसका विशेष ध्यान रखें। जो भी आवेदन जिन भी विभाग अथवा कार्यालय को प्राप्त हों, उसे आगत पंजी में चढ़ाते हुए शीघ्र उसके निष्पादन की कार्रवाई प्रारंभ करें। प्राप्त आवेदनों को पेंडिंग में न डालें और यदि किसी कारणवश वह रिजेक्शन हो रहा है तो संबंधित लाभूकों को इसकी सूचना दें, ताकि वे पुनः उस आवेदन को सुधार कर दें और उन्हें संबंधित योजना का लाभ ससमय मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

नागरिक संघर्ष समिति ने यात्री सुविधाओं को लेकर डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

अररिया, ।

फारबिसगंज नागरिक संघर्ष समिति ने रेल यात्री सुविधाओं से संबंधित आठ सूत्री मांगों को लेकर कटिहार मंडल रेल प्रबंधक सुरेंद्र कुमार को सोमवार को एक ज्ञापन सौंपा।नागरिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष शाहजहां शाद के नेतृत्व में मांग पत्र सौंपा गया।मौके पर संघर्ष समिति के सदस्य विनोद सरावगी,बछराज राखेचा,राकेश रोशन,चंदन भगत,रमेश सिंह,पवन मिश्रा,राहिल खान, गुड्डू अली आदि ने डीआरएम को कटिहार जोगबनी रेलखंड पर रेल यात्री सुविधाओं के अभाव और स्टेशन पर दिए जाने वाले रेल यात्री सुविधा की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। संघर्ष समिति के द्वारा 13160/59 जोगबनी कोलकाता एक्सप्रेस के आमान परिवर्तन के बाद शुरूआती काल से ही 2009 से ही त्रिसाप्ताहिक होने की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए उसे नियमित करने, कोच को एलएचबी में बदलने,जोगबनी से परिचालन संध्याकाल पांच बजे करने, उत्सव विशेष ट्रेन कटिहार से फारबिसगंज के रास्ते अमृतसर को जाने वाली स्पेशल ट्रेन संख्या 05735/36 को नियमित करते हुए द्विसाप्ताहिक करने,फारबिसगंज से उदयपुर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन संख्या 09623 /24 को भी नियमित करते हुए द्विसाप्ताहिक किए जाने,यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलखंड पर चलने वाली डेमू ट्रेन के स्थान पर मेमू ट्रेन चलाये जाने,कटिहार से सुबह 8:00 बजे जोगबनी के लिए नई ट्रेन चलाने के साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत फारबिसगंज स्टेशन का चयन कर इसका विकास एवं सौंदर्यीकरण जोगबनी से फारबिसगंज के रास्ते रक्सौल जाने वाली साप्ताहिक ट्रेन संख्या 15501/02 का विस्तार नरकटियागंज, गोरखपुर, बस्ती, अयोध्याधाम, लखनऊ होते हुए दिल्ली तक किए जाने,फारबिसगंज से सहरसा के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 13213/14 का विस्तार पटना तक किये जाने,इसके अलावे जोगबनी से मुंबई वाया सूरत,बेंगलुरु वाया चेन्नई,बनारस के लिए पशुपतिनाथ विश्वनाथ एक्सप्रेस के नाम से त्रिसाप्ताहिक ट्रेन चलाने की मांग की गई।फारबिसगंज स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक 1 एवं 2-3 की लंबाई को उत्तर दिशा की ओर बढ़ाने की मांग संघर्ष समिति ने की।

संवाद कार्यक्रम से सुलझ रही महिलाओं की समस्या

सहरसा, ।

महिला सशक्तिकरण और विकास की दिशा में बिहार सरकार के प्रयास रंग ला रही है। राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम न केवल महिलाओं की समस्याओं को समझने का माध्यम बन रहे हैं, बल्कि उनके समाधान के लिए कारगर कदम भी उठाए जा रहे हैं । सोमवार को जिले के सत्तर कटैया प्रखंड के बारा पंचायत की रहने वाली रानी देवी ने क्रांति जीविका महिला ग्राम संगठन द्वारा आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया, ₹जीविका के स्वयं सहायता समूह से जुड़कर मैंने अपना उद्योग शुरू किया है, जिससे मैं आत्मनिर्भर बन सकी हूं । सरकार की योजनाओं से हमें आगे बढ़ने का मार्ग मिल रहा है । जिले के विभिन्न प्रखंडों में आज भी 24 स्थानों पर महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए । इसके साथ ही अब तक कुल 1243 स्थानों पर इन कार्यक्रमों का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा चुका है । इन कार्यक्रमों में 3 लाख 10 हजार से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया है । विशेष बात यह है कि प्रत्येक दिन लगभग 6 हजार से अधिक महिलाएं इन संवाद कार्यक्रमों में शामिल होकर अपनी बात रख रही हैं ।संवाद कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं द्वारा बताई गई आकांक्षाओं और सुझावों को मोबाइल ऐप के माध्यम से दर्ज किया जा रहा है । अब तक कुल 34,176 आकांक्षाओं को दर्ज किया गया है । बिहार सरकार महिलाओं की आकांक्षाओं पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है । ये आकांक्षाएं विभागीय स्तर पर वर्गीकृत कर संबंधित विभागों को निष्पादन के लिए भेजी जा रही हैं । सरकार की इस तत्परता से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। कहरा, बनमा इटहरी और सौरबाजार प्रखंडों में महिला संवाद कार्यक्रम पहले ही संपन्न हो चुके हैं । जिले में संवाद कार्यक्रम अब अंतिम चरण में हैं । अनुमान है कि 18 तारीख तक सभी संवाद कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे हो जाएंगे ।जिले के कुल 1463 स्थानों पर महिला संवाद का आयोजन निर्धारित है । संवाद कार्यक्रम न केवल महिलाओं की समस्याओं को उजागर कर रहे हैं, बल्कि उन्हें सशक्त बनाने और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं

लापता युवक का मिला शव ,ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

नवादा, ।

रोह थाना क्षेत्र के महारावां गांव के पास रतोई पइन में सोमवार को एक युवक शव मिला है। मृतक की पहचान मनीष कुमार (35) के रूप में हुई है। वह शेखपुरा जिले के गगरी गांव का रहने वाला था। मनीष पिछले 13 सालों से अपने मौसा परमेश्वर महतो के साथ महारावां गांव में रह रहा था। परमेश्वर महतो ने संतान नहीं होने के कारण उसे दत्तक पुत्र के रूप में पाला था। मनीष कोलकाता में गोलगप्पे बेचकर अपनी आजीविका चलाता था। मृतक को तीन बच्चा है। 6 दिन पहले ही वह कोलकाता से अपने गांव आया था। बीते मंगलवार को वह महारावां आया था और भोजन के बाद घर से निकल गया। इसके बाद उसका कोई पता नहीं चला।आज सोमवार को महारावां गांव से पश्चिम दिशा में स्थित रतोई पइन में उसका शव मिला। शव की स्थिति से लग रहा है कि हत्या कहीं और की गई और एक-दो दिन पहले शव को पइन में फेंक दिया गया। आशंका जताया गया है कि उसका अपहरण कर कहीं हत्या कर दी गई है ।पिता ने आरोप लगाया है की सूचना पर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की गई है। जिसके कारण ही इस तरह की घटना घटी है। अपराधियों ने पहचान छिपाने के लिए शव पर एसिड डालने की बात सामने निकल कर आ रही है। जांच करने के बाद ही या पता चल पाएगा कि एसिड डाला गया है या नहीं है। शरीर पर जलने के कई निशान मिले हैं।

पूर्व मंत्री शैलेश या वर्तमान विधायक डा. अजय जीत पाएंगे अपने दलों का दिल

अगर सिंबल मिल भी गया तो आम मतदाता कितना करेंगे विश्वास

रंजीत कुमार विद्यार्थी

जमालपुर (मुंगेर) : राजनीत के संबंध में अक्सर कहा जाता है कि यह संभावनाओं का खेल है। कब कौन किसका दोस्त और कब दुश्मन हो जाए कहना मुश्किल है। तो साथ हीं सत्ता और सिंहासन के बारे में कहा जाता है कि यह अपनों का खून मांगता है। ऐसे अनेकों उदाहरण इतिहास में देखने को मिल जाते है। बिहार विधान सभा चुनाव - 2025 का समय ज्यों - ज्यों नजदीक आता जा रहा है, सियासी सरगर्मी भी तेज होती जा रही है। अलग - अलग दलों से जुड़े हुए नेता और कार्यकर्ता अपने दलों के शीर्ष नेतृत्व से नजदीकी बढ़ाने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। वैसे आज के दौर में किसी दल या गठबंधन से टिकट प्राप्त करना आसान बात है। एक दौर था जब प्रतिबद्ध राजनीतिक कार्यकताओं को बड़ी आसानी से टिकट मिल जाता था। अब बात दूसरी है, जिसे हर कोई जानता व समझता है। यहां मुंगेर जिलांतर्गत जमालपुर विधान सभा क्षेत्र की संभावित राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा करे तो वर्तमान में जमालपुर विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कांग्रेस के डॉ अजय कुमार सिंह कर रहे हैं, जो इंडिया गठबंधन के घटक दलों से जुड़ा हुआ है। इसके पूर्व वर्ष 2005 से 2020 तक जदयू के शैलेश कुमार ने प्रतिनिधित्व किया था। वे 2015 से 2020 तक बिहार सरकार में ग्रामीण विकास कार्य मंत्री थे। वर्ष 2020 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी के डॉ अजय कुमार सिंह ने मामूली मतों के अंतर से जीत दर्ज किया था। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार मंत्री पद पर रहते हुए शैलेश कुमार ने अपने नजदीकी लोगों के माध्यम से अकूत संपत्ति अर्जित की है। क्षेत्र की जनता जब कभी भी कोई काम की बात उनसे कहता तो अपने नजदीकी दलालों से मिलने को कहता। लोगों का मानना था कि वे उनके प्रतिनिधि हैं तो वे किसी और से क्यों मिलें। इस कारण से क्षेत्र के अधिकांश लोग उनसे नाराज थे। जिसका सीधा लाभ अजय कुमार सिंह को मिला और वे चुनाव जीत गए। अजय कुमार सिंह के जीत में एक और अहम भूमिका लोजपा, अब (लोजपा आर) के प्रत्याशी दुर्गेश कुमार सिंह ने निभाई। उनके द्वारा राजपूत जाति का अधिकांश वोट ले लेने के कारण शैलेश कुमार की हार हुई। इसके पूर्व राजपूत जाति का अधिकांश वोट शैलेश कुमार को प्राप्त होता था। राजपूत जाति के बारे में यह कहा जाता है कि उसकी पहली प्राथमिकता अपनी जाति होता है और दूसरी प्राथमिकता सत्ताधारी दल। यही कारण है कि राजद का प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह होने के बावजूद भी राजपूत का वोट कभी भी राजद को नहीं मिला। हां ! जहां राजद या इंडिया गठबंधन से राजपूत जाति को टिकट दिया गया, वहां उन्होंने उस प्रत्याशी को वोट दिया। कमोबेश यही स्थिति ब्राह्मण और भूमिहार जाति की भी है इनकी पहली पसंद सत्ताधारी भाजपा या उसका सहयोगी दल होता है। हां ! यदि राजद या इंडिया गठबंधन से उसकी जाति का प्रत्याशी हो तब वे अपनी जाति को ही चुनते हैं। यही स्थिति विगत चुनाव में जमालपुर में देखने को मिला।अजय कुमार सिंह भूमिहार जाति से आते हैं जो राजद और उसके सहयोगी दलों का घोर विरोधी माना जाता है, लेकिन जैसे ही कांग्रेस पार्टी से अजय कुमार सिंह को टिकट मिला कल तक जो शैलेश कुमार के साथ लाभ ले रहे थे एका एक अजय कुमार सिंह के साथ चले गए। दिलचस्प बात यह है कि जमालपुर विधान सभा चुनाव में यादव जाति से आने वालों ने अजय कुमार सिंह को बढ़ चढ़कर वोट किया, लेकिन वहीं मुंगेर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र राजद और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव को एक भी वोट सवर्ण जातियों का नहीं मिला।

सवर्ण जातियों का एकमुश्त वोट प्रणव कुमार यादव को मिला और वे चुनाव जीतने में सफल रहे।

.गठबंधन के साथियों को नही देते तरजीह

इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों के लोगों को यह उम्मीद थी कि अजय कुमार सिंह गठबंधन में शामिल सभी दलों के लोगों को साथ लेकर चलेंगे, लेकिन व्यवहार में ऐसा नहीं हुआ। कुल मिलकर वही हुआ जिसकी उम्मीद वे लोग नहीं करते थे। वे भी अब अपने कुछ खास लोगों (सवर्ण जातियों) से घिरे रहते हैं। ऐसा हीं अनुभव झेल चुके एक मतदाता ने बताया कि वे किसी काम से सर्किट हाउस उनसे मिलने गया था जो बहुजन समाज से आते हैं। लेकिन अजय कुमार सिंह ने उनकी तरफ देखा तक नही। वे कह रहे थे कि वोट तो हमें इनका ही लेना ही तभी हम चुनाव जीत सकते हैं ,लेकिन काम तो आपका ही करना है। प्रत्यक्षदर्शी उनके चुनाव में बढ़ चढ़कर मदद किया था।अब वे इस बात से आश्चर्य चकित थे कि किस व्यक्ति को मैंने मदद किया। जमालपुर विधान सभा क्षेत्र से अजय कुमार सिंह के पहले सिर्फ एक व्यक्ति रामबालक सिंह चुनाव जीते थे। वह भी एक बार, दुबारा वे फिर कभी नहीं जीते। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार जमालपुर विधान सभा क्षेत्र का यह इतिहास रहा है कि जो व्यक्ति एक बार इस क्षेत्र से चुनाव हारा वह पुनः इस क्षेत्र से दुबारा नहीं जीता। कांग्रेस से योगेंद्र महतो, जनसंघ से सुरेश कुमार सिंह, सोशलिस्ट पार्टी से भागवत यादव, राजद से उपेन्द्र प्रसाद वर्मा । ये सभी एक बार चुनाव हारने के बाद दोबारा नहीं जीते। अब इस रिकॉर्ड को शैलेश कुमार तोड़ पायेंगे, कहना मुश्किल है।

आरोपों के घेरे में हैं शैलेश

जानकारों की माने तो बहुत संभव है कि इस बार इन्हें जदयू (एनडीए गठबंधन) से टिकट नहीं मिले। पार्टी के अंदर इनके ऊपर आरोप है कि विगत लोकसभा चुनाव - 2024 में इन्होंने मुंगेर लोकसभा प्रत्याशी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को सहयोग नहीं किया था। हालांकि खंडबिहारी (ह. खड़गपुर) के चुनावी सभा में शैलेश कुमार उपस्थित थे और मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा था कि क्या शैलेश कुमार जी, ललन सिंह को जिताएगा न? लेकिन ललन सिंह अब भी यह मानकर चल रहे हैं कि शैलेश कुमार ने राजद (इंडिया गठबंधन) की प्रत्याशी कुमारी अनीता को मदद किया था। हालांकि इस बात में कितनी सच्चाई है? कहना मुश्किल है। ठीक इसी तरह का आरोप राजद की ओर से अजय कुमार सिंह पर लगाया जा रहा है। राजद से जुड़े नेताओं का कहना है कि लोकसभा चुनाव में मुंगेर से राजद (इंडिया गठबंधन) की प्रत्याशी कुमारी अनीता के बदले अजय कुमार सिंह अपने स्वजाति के प्रत्याशी ललन सिंह को सहयोग कर रहे थे। यह आरोप न सिर्फ अजय कुमार सिंह पर लगा बल्कि बिहार विधान परिषद के सदस्य डॉ समीर कुमार सिंह (दोनों कांग्रेस पार्टी से) और स्थानीय निकाय (मुंगेर, जमुई, लक्खीसराय और शेखपुरा) के विधान परिषद के सदस्य अजय सिंह (राजद) पर भी लगा। इन लोगों ने कुमारी अनीता को किसी भी प्रकार का सहयोग नहीं किया। यह राजद और उसके सहयोगी दलों का आरोप है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि शायद इसी कारण से इस बार इन्हें कांग्रेस (इंडिया गठबंधन) से टिकट नहीं मिल सकता है। यदि टिकट मिल भी जाए तो इनके लिए चुनाव में जीत दर्ज करना तो दूर की बात है जमानत बचना भी मुश्किल होगा। ऐसा सहयोगी दलों से जुड़े नेताओं का मानना है। राजनीतक जानकारों की बात करें तो यह चर्चा राजनीति के गलियारों में आम है कि बहुत संभव है शैलेश कुमार आगामी बिहार विधान सभा चुनाव में जमालपुर से राजद (इंडी गठबंधन) के प्रत्याशी हो जाएं तो कोई आश्चर्य की बात नहीं। जदयू (एनडीए गठबंधन) की ओर से सबसे ज्यादा जिस व्यक्ति के नाम की चर्चा है वह है जदयू जिलाध्यक्ष नचिकेता मंडल का। वहीं दूसरी ओर यह भी चर्चा है कि यह सीट अदला बदली में लोजपा आर को जा सकता है, और जिस नाम की चर्चा है वह है पूर्व प्रत्याशी हिमांशु कुंवर का। वैसे दुर्गेश कुमार सिंह भी जीतोड़ प्रयास कर रहे हैं। विगत दिनों आरसीपी. सिंह की नेतृत्व वाली आप सब की आवाज (आसा पार्टी) का विलय जनसुराज पार्टी में हो गया है। ऐसे में यह चर्चा तेजी से होने लगी है कि बहुत संभव है कि जमालपुर विधान सभा क्षेत्र से आसा पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान में जनसुराज पार्टी के कद्दावर नेता प्रीतम सिंह ' पटेल ' चुनाव लड़ सकते हैं। प्रीतम सिंह पटेल के बारे में न सिर्फ उनके दल से जुड़े हुए लोग बल्कि दूसरे दलों से जुड़े हुए लोग भी अच्छी सहानुभूति रखते हैं।आमतौर पर उनके संबंध में यह कहा जाता है कि जब कभी भी कोई व्यक्ति मुश्किल समय में उनसे मदद की बात करता है तो वे अपनी क्षमता से बढ़कर सामने वाले व्यक्ति की मदद करता है। नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर जदयू और राजद से जुड़े कई नेताओं ने कहा कि यदि प्रीतम सिंह पटेल को जनसुराज पार्टी से प्रत्याशी बनाया जाता है तो वे उन्हें प्रत्यक्ष रूप से न सही अप्रत्यक्ष रूप से अवश्य सहयोग करेंगे, क्योंकि ऐसे ही लोग को प्रतिनिधित्व का अवसर मिलना चाहिए। हालांकि चुनाव में अभी समय है। इस बीच क्या कुछ बदलाव होता है,देखना होगा। अभी बहुत समीकरण बनेगा और बिगड़ेगा। हां! एक बात स्पष्ट हो चुका है कि इस बार का चुनाव आमने सामने का न होकर त्रिकोणीय होने की संभावना है।

सफियाबाद गोली कांड मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी में पुलिस की फुल रही सांस,

पुलिस के संरक्षण में बेखौफ घूम रहे अपराधियों द्वारा पीड़ित परिवार को जान से मारने की दी जा रही धमकी

मुंगेर।

मुंगेर जिला अंतर्गत कासिम बाजार थाना कांड संख्या 96/25 गोली कांड मामले के मुख्य आरोपी अमित कुमार और सुमित कुमार लगातार पुलिस को चुनौती देते आ रहे हैं। गोलीकांड से जुड़े अपराधी न सिर्फ बेखौफ होकर खुलेआम शहर में घूम रहे हैं बल्कि पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। सफियाबाद गोली कांड में घायल युवक के पिता लगातार पुलिस प्रशासन के समक्ष न्याय के लिए गुहार लगा रहे हैं लेकिन पुलिस के द्वारा अब तक ना तो अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर कोई ठोस कदम उठाए जा रहा है और ना ही पीड़ित परिवार को सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है। पीड़ित के पिता का कहना है कि गोली कांड के मुख्य आरोपी अमित कुमार और सुमित कुमार खुलेआम जान से मारने की दे रहा है। दोनों भाइयों के द्वारा केस उठाने को लेकर भी धमकी दी जा रही है। फिर इसके पिता ने आगे बताया कि सफियाबाद स्थित फूड कॉरपोरेशन आफ इंडिया के गोदाम में दिहाड़ी मजदूरों के सरदार के रूप में विगत कई वर्षों से कार्यकर्ता आ रहा हूं। और

एफसीआई गोदाम में अनाज, सीमेंट एवं अन्य सामग्रियों के लोडिंग और अनलोडिंग कार्य के लिए मजदूरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। मजदूरों के सरदार के रूप में उन्हें एफसीआई एजेंसी से जुड़े कंपनी से उन्हें भी अन्य मजदूरों की तरह दैनिक भत्ता मिलता है। इसी काम से उनका घर परिवार का भरण पोषण होता है। उनके द्वारा जिन मजदूरों को वहां मजदूरी के लिए लगाया जाता है, उसमें सुमित और अमित दोनों भाई अपनी मनमानी करना चाहते थे। अपने मन मुताबिक लोगों को वहां काम पर रखने की बात को लेकर आरोपी अमित और सुमित के साथ एक बार लड़ाई हुई थी। उसी को लेकर ये लोग मिलकर मेरे पुत्र को जान से मारने की धमकी दिया करते थे। इसी क्रम में एक बार मौका मिलते ही अमित और सुमित अपने गुर्गों के साथ मिलकर सफियाबाद स्थित जगजीवन राम श्रमिक महाविद्यालय के निकट भोज का कर लौट रहे मेरे पुत्र पीयूष कुमार को चारों तरफ से घेर कर उसके सीने में गोली उतार दी। इस घटना में चार लोग शामिल थे। जिसमें मुख्य आरोपी अमित कुमार, सुमित कुमार के अलावा सन्नी कुमार और राजा कुमार ने मेरे पुत्र को जान से करने का प्रयास किया। गोली लगने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से मेरे पुत्र को सदर अस्पताल मुंगेर ले जाया गया जहां से उसे पटना रेफर कर दिया गया था। सही समय पर समुचित इलाज होने के कारण किसी तरह जान से उनके पुत्र की जान बची है। लेकिन इन अपराधियों का मनोबल अभी नहीं घटा है। अब फिर से अमित और सुमित गैंग की ओर से उनके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। अपराधियों द्वारा खुलेआम धमकी दिया जा रहा है कि इस बार नहीं बचोगे। थाना-पुलिस को अपने पॉकेट में रखते हैं। अमित और सुमित एक भू माफिया है पहले से ही जमीन पर कब्जा करना और रंगदारी करना इनका पेशा है। रुपए के दम पर इस केस से अपना नाम कटाना चाहता है। पीड़ित परिवार ने पुलिस के आला अधिकारियों से गुहार लगाते हुए कहा कि सुमित और अमित के अलावा घटना में शामिल अपराधियों की यदि जल्द से जल्द गिरफ्तारी नहीं होती है तो सुमित और अमित गैंग के द्वारा कभी भी कोई बड़ी घटना को अंजाम दिया जा सकता है।

खगड़िया में कोसी कटाव रोकने के नाम पर बड़ा घोटाला, सांसद के निरीक्षण में खुली पोल

ठेकेदारों और अधिकारियों के बीच भ्रष्टाचार का सिंडिकेट : राजेश वर्मा

रंजीत कुमार विद्यार्थी

खगड़िया (मुंगेर): मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत खगड़िया जिले में कोसी नदी के कटाव को रोकने के लिए चल रहे कामों में भारी गड़बड़ी सामने आई है। सांसद राजेश वर्मा ने जब अचानक निरीक्षण किया, तो देखा कि ठेकेदार तय नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। खगड़िया जिले में कोसी नदी के कटाव को रोकने के लिए चल रही परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुई हैं। सांसद राजेश वर्मा के औचक निरीक्षण में खुलासा हुआ कि ठेकेदार निर्धारित मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं और सूखे सफेद बालू की जगह गीली मिट्टी से जियो बैग भर रहे हैं।

स्थानीय खनन कर मिट्टी भरने का खेल

निरीक्षण के दौरान सांसद को यह भी पता चला कि निर्माण सामग्री पास के ही स्थान से अवैध रूप से निकाली जा रही है, जिससे न केवल नियमों की अवहेलना हो रही है बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। चौंकाने वाली बात यह रही कि जियो बैग के स्थान पर सीमेंट की पुरानी बोरियों का उपयोग हो रहा था। साथ ही 150 मीटर से अधिक बल्ला पाइलिंग कार्य को पूर्ण बताया गया था, लेकिन निरीक्षण में यह अधूरा निकला।

तेलिहार के कटाव रोधी कार्य में भी अनियमितताएं

बेलदौर प्रखंड के तेलिहार क्षेत्र में कोसी नदी के किनारे हो रहे कटाव रोधी कार्य में भी इसी तरह की धांधली सामने आई। जियो बैग का वजन 110 से 120 किलो पाया गया, जो निर्धारित मानक से बहुत कम है। सांसद ने इसे ठेकेदारों और अधिकारियों के बीच भ्रष्टाचार का सिंडिकेट करार दिया। अधिकारियों की चुप्पी और वर्षों से एक ही जगह पोस्टिंग पर भी सवाल निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता ने खुद यह स्वीकार किया कि कार्य एजेंसियां गलत तरीके से कार्य कर रही हैं। वहीं, सांसद ने यह भी सवाल उठाया कि जेई मणिकांत पटेल और शेखर गुप्ता जैसे अधिकारी 7 वर्षों से खगड़िया में एक ही जगह पर तैनात हैं, जिससे विभागीय मिलीभगत की आशंका और गहरी हो गई है। सांसद वर्मा ने इस संबंध में जल संसाधन मंत्री को पत्र लिखकर कई अहम मांगें की हैं - सभी संदिग्ध एजेंसियों के भुगतान पर तुरंत रोक लगाई जाए। राज्य स्तरीय इंजीनियरों की टीम से परियोजना की निष्पक्ष और गहन जांच कराई जाए। जब तक जांच पूरी न हो, भुगतान न किया जाए। - यदि एजेंसियां दोषी पाई जाएं, तो उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। - दोषी अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई की जाए।

जन्म-मृत्यु निबंधन कार्य की विलंब पर डीएम नें लिया संज्ञान

नालंदा,बिहारशरीफ, ।

नालंदा जिले में ग्रामीण निबंधन ईकाई (पंचायत) में जन्म और मृत्यु निबंधन कार्य के विलंब के संबंध में गंभीरता पूर्वक संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने जिला सांख्यिकी पदाधिकारी नालंदा को निर्देशित किया है कि अपने विभाग से मंतव्य लेकर शेष प्रखंडों में दो दिनों के अंदर हर हाल में कार्य को शत प्रतिशत संपादित करना सुनिश्चित करेंगे । जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, नालंदा द्वारा बताया गया कि जिलेभर में 8 प्रखंडों में यथा - सरमेरा, बिंद, नूरसराय, रहुई, करायपरशुराय, नगरनौसा, थरथरी एवं सिलाव में जन्म एवं मृत्यु ग्रामीण निबंधन ईकाई (पंचायत) का यूजर आईडी क्रियाशील कर दिया गया है , शेष प्रखंडो में शीघ्र ही क्रियाशील कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी महोदय ने निर्देश देते हुए कहा कि क्रियाशील पंचायतों में जन्म और मृत्यु निबंध का कार्य प्रारंभ करने हेतु सभी पंचायत सचिव - सह- रजिस्टार (जन्म और मृत्यु) /निदेशित प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा किया जाए ।उक्त क्रम में ध्यान देने योग्य मुख्य बातों में सभी पंचायत सचिव के मोबाइल संख्या पर यूजर आईडी और पासवर्ड का लिंक गया है । सभी पंचायत सचिव लिंक के माध्यम से लागीन करेंगे और अपना पासवर्ड बदल लेंग अपने लागीन के प्रोफाइल सेक्शन में जाकर अपना हस्ताक्षर अपलोड करेंगें। प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी और डाटा एंट्री ऑपरेटर (सांख्यिकी) से पोर्टल की कार्य प्रणाली अथवा तकनीकी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यदि किसी पंचायत सचिव को यूजर आईडी का लिंक प्राप्त नहीं हुआ हो अथवा अन्य समस्या हो तो उसके संबंध में विस्तृत पत्र के साथ जिला सांख्यिकी पदाधिकारी से संपर्क कर समस्याओओं का निदान करेंगें।

एचडीएफसी और बैंक ऑफ बड़ौदा सहित आधा दर्जन बैंकों के कर्ज हुए सस्ते, बाकी भी इसी हफ्ते घटा सकते हैं दर

मुंबई। आरबीआई की ओर से रेपो दर में 0.50 फीसदी की कटौती के तीसरे दिन तक आधा दर्जन बैंकों ने कर्ज को सस्ता कर दिया है। इनमें निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक से लेकर बैंक ऑफ बड़ौदा सहित कई बैंक शामिल हैं। ऐसे में इन बैंकों से कर्ज लेने वाले ग्राहकों को भारी राहत मिलेगी। दरअसल, आरबीआई ने रेपो दर में 0.50 फीसदी कटौती की घोषणा की थी। इसके बाद बैंकों के पास केवल शनिवार ही मिला है। रविवार को बैंक बंद रहे। ऐसे में अधिकतर बैंक इस हफ्ते अपने कर्ज को सस्ता करने की घोषणा कर सकते हैं। इसमें सबसे बड़े बैंक एसबीआई, आईसीआईसीआई, यूनियन बैंक, एक्सिस और कोटक महिंद्रा बैंक आदि शामिल हैं। होम लोन, कार लोन सहित पर्सनल लोन इन्हीं बैंकों से सबसे ज्यादा लिए जाते हैं।

ओडिशा अब भारत का खनिज केंद्र नहीं, बल्कि विविध औद्योगिक केंद्र बन रहा : मुख्यमंत्री

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि प्रदेश अब भारत का खनिज केंद्र नहीं रहा, बल्कि यह एक विविध औद्योगिक शक्ति बन रहा है। माझी ने अपनी सरकार की पहली वर्षगांठ से पहले लोक सेवा भवन में उद्योगपतियों के साथ बातचीत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ओडिशा अब सिर्फ़ खनिज और धातु का केंद्र नहीं रह गया है। हम एक विविधतापूर्ण औद्योगिक केंद्र बन रहे हैं, जहां बंदरगाह से लेकर संयंत्र तक और शहरों से लेकर हर आकांक्षी जिले तक अवसरों का प्रवाह होता है। उन्होंने कहा कि राज्य 20 क्षेत्रों - खनन, धातुकर्म और धातु डाउनस्ट्रीम से लेकर रसायन, खाद्य प्रसंस्करण, परिधान और वस्त्र में उभरते अवसरों तक में आगे बढ़ रहा है। माझी ने उद्योगों की मदद के लिए अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, एक साल पहले, ओडिशा के लोगों ने हम पर भरोसा जताया था कि हम एक ऐसा भविष्य बनाएंगे जो समावेशी, आकांक्षापूर्ण और परिवर्तनकारी होगा। आज, जब हम इस पहले वर्ष पर विचार करते हैं, तो हम अपनी प्रगति और आगे की यात्रा के लिए नई प्रतिबद्धता पर गर्व करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है और उद्योगपतियों से राज्य को औद्योगिक शक्ति बनाने की यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया।

अदाणी के सीमेंट कारोबार का भारत के घरों और बुनियादी ढांचे में 30 प्रतिशत का योगदानः अंबुजा सीईओ

एजेंसी

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स देश के घरों और बुनियादी ढांचे के लिए इस्तेमाल होने वाले सीमेंट में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान देती है। कंपनी ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अंबुजा सीमेंट्स ने मुख्य रूप से अधिग्रहणों के माध्यम से रिकॉर्ड समय में पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में 10 करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता को पार कर लिया है। अब उसका लक्ष्य मुख्य रूप से अधिग्रहण करते हुए विस्तार परियोजनाओं के माध्यम से चालू वित्त वर्ष (2025-26) तक 11.8 करोड़ टन प्रतिवर्ष और वित्त वर्ष 2027-28 तक 14 करोड़ टन प्रतिवर्ष तक पहुंचना है। अंबुजा सीमेंट्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनोद बहेटी ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा, अब अदानी समूह के सीमेंट कारोबार का मुख्य हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स भारत के घरों और बुनियादी ढांचे में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान देती है। वित्त वर्ष 2023-24 में, अंबुजा ने 10 करोड़ टन प्रति वर्ष एकीकृत सीमेंट क्षमता का मील का पत्थर पार कर लिया, और वैश्विक स्तर पर नौवीं सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बन गई।

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर विमान उन्नयन कारोबार पर 5,000 करोड़ रुपये का दांव लगाएगी

नई दिल्ली। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर अपने रक्षा कारोबार को विमान उन्नयन कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करके गति देने की योजना बना रही है, जिसके तहत अगले सात से 10 वर्षों में 5,000 करोड़ रुपये के अवसर प्राप्त होंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस रणनीतिक कदम से रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर भारत की पहली निजी क्षेत्र की कंपनी बन गई है, जो मूल विनिर्माता बने बिना ही स्वतंत्र रूप से व्यापक विमान उन्नयन कार्यक्रम को क्रियान्वित कर रही है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिस पर पारंपरिक रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों और ओईएम (मूल उपकरण विनिर्माताओं) का प्रभुत्व है।रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के एक सूत्र के अनुसार, कंपनी ने अमेरिका स्थित एवियोनिक्स फर्म जेनेसिस के सहयोग से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एक अनुबंध के तहत 55 डोर्नियर-228 विमानों का सफलतापूर्वक उन्नयन करके पहले ही एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है।

दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज एमएससी इरिना विझिनजाम बंदरगाह पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज एमएससी इरिना सोमवार को केरल के तिरुवनंतमपुरम में विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर सुबह आठ बजे पहुंचा। कंटेरन जहाज के यहां पहुंचने पर उसका स्वागत पारंपरिक जल सलामी के साथ किया गया। ये जहाज मंगलवार तक यहां रहेगा। दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज एमएससी इरिना ने विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर ऐतिहासिक शुरुआत की। दक्षिण एशियाई बंदरगाह की अपनी पहली यात्रा पर आया ये जहाज सुबह 8 बजे बंदरगाह पर पहुंचा, जिसने अल्ट्रा-लार्ज कंटेनर जहाजों (यूएलसीवी) को संभालने में विझिनजाम की क्षमताओं को उजागर किया। एमएससी इरिना, जिसे टीईयू (बीस फुट समतुल्य इकाई) क्षमता के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज बताया जा रहा है, जो मंगलवार तक

बंदरगाह पर खड़ा रहेगा। विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह को अडाणी समूह ने बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2 मई को इसका उद्घघाटन किया। दुनिया के सबसे बड़े जहाज का आगमन नए बंदरगाह के लिए मील का पत्थर है।

फुटबॉल मैदान से लगभग चार गुना लंबा है ये जहाज

एमएससी इरिना जहाज की क्षमता 24,346 टीईयू की है, जो इसे वैश्विक शिपिंग में एक मजबूत खिलाड़ी बनाती है।

399.9 मीटर की लंबाई और 61.3 मीटर की चौड़ाई के साथ यह जहाज फीफा द्वारा नामित एक मानक फुटबॉल मैदान से लगभग चार गुना लंबा है। इस को मार्च, 2023 में लॉन्च किया गया था, जो उसी वर्ष अप्रैल में अपनी पहली यात्रा पर निकला था। लाइबेरियाई झंडे के नीचे चलने वाला यह जहाज 26 स्तरों तक ऊंचे कंटेनरों को ढेर करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो कंटेनर स्टैकिंग में बेजोड़ क्षमता प्रदान करता है। समकालीन पर्यावरण मानकों के अनुरूप, यह पोत ऊर्जा-बचत सुविधाओं से सुसज्जित है, जो कार्बन उत्सर्जन में 4 फीसदी तक की कमी लाने में योगदान देता है, जिससे परिचालन दक्षता बनाए रखते हुए इसके कार्बन पदचिह्न में उल्लेखनीय कमी आती है। उल्लेखनीय है कि एमएससी इरिना जहाज का यह स्मारकीय आगमन विझिनजाम बंदरगाह के लिए भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जिसे 2 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया था। इस बंदरगाह ने जुलाई, 2024 में परीक्षण के आधार पर और उसके बाद दिसंबर में वाणिज्यिक संचालन शुरू होने के बाद से अब तक 7.33 लाख कंटेनरों को संभालने वाले 349 जहाजों को बर्थिंग की सुविधा प्रदान की है।

चीन के निर्यात ने फिर पकड़ी रफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन के निर्यात में मई माह में तेजी आई है। वहीं चीन का अमेरिका को निर्यात 10 प्रतिशत कम हुआ है। सोमवार को सीमा शुल्क के आंकड़े जारी किए गए, जिनमें बताया गया कि का निर्यात मई महीने में पिछले साल की तुलना में 4.8 प्रतिशत ज्यादा हुआ। आंकड़ों के अनुसार, चीन के आयात में साल-दर-साल 3.4 प्रतिशत की कमी आई है, जिसके कारण चीन का व्यापार अधिशेष 103.2 अरब डॉलर हो गया है। मई में चीन का अमेरिका को निर्यात 28.8 अरब डॉलर रहा। वहीं चीन का अमेरिका से आयात 7.4 प्रतिशत गिरकर 10.8 अरब डॉलर रहा। अप्रैल में चीन के वैश्विक निर्यात में 8.1 प्रतिशत की तेजी के बाद मई में व्यापार धीमा हो गया। अमेरिका-चीन वार्ता का अगला दौर सोमवार को ब्रिटेन में होने वाला है। इस वार्ता में चीन की तरफ से उप-प्रधानमंत्री ही लेइफेंग शामिल होंगे। वहीं अमेरिका की तरफ से अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर बैठक में शामिल होंगे। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के नेता शी जिनपिंग के बीच फोन पर बात हुई थी, जिसे अमेरिकी

राष्ट्रपति ने अच्छी बातचीत बताया था। बीते महीने ही विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन ने आयात कर कम करने के लिए एक अस्थायी संघर्ष विराम पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन तब से ही दोनों देश एक-दूसरे पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहे हैं। फरवरी में ट्रंप ने चीन से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने का एलान किया था। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ा दिया। हालांकि मई में ट्रंप ने इस पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी।

पीयूष गोयल 9 से 13 जून तक स्विट्जरलैंड और स्वीडन की यात्रा पर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 9 से 13 जून तक स्विट्जरलैंड और स्वीडन की आधिकारिक दौरे पर हैं। वाणिज्य मंत्री की इस यात्रा का मकसद आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए साथ-साथ रणनीतिक ट्रेड और विनिवेश संबंधों को आगे बढ़ाना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की इस यात्रा की शुरुआत स्विटजरलैंड से होगी, जहां मंत्री वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) और प्रभावशाली उद्योग जगत की हस्तियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए संभावनाओं का पता लगाएंगे। पीयूष गोयल की बैठकें दोनों देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के नेताओं और व्यापार संघों के साथ उच्च-प्रभावी बातचीत को सुविधाजनक बनाने के लिए तय की गई हैं। यात्रा कार्यक्रम में फार्मा और लाइफ

साइंसेज, तथा प्रेसिजन इंजीनियरिंग, मशीन टूल्स, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में प्रमुख स्विस उद्योग जगत के नेताओं के साथ केंद्रित क्षेत्रीय बैठकें शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री की यह यात्रा प्रमुख यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को गहरा करने, मजबूत व्यापार और निवेश संबंधों को आगे बढ़ाने में भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। ये दौरा यूरोप की दो सबसे नवीन अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के जुड़ाव को बढ़ाने में महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारतीय तेल और गैस क्षेत्र में होगी वृद्धि, रिसर्च में किया गया दावा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तेल और गैस क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों में आने वाले सालों में मजबूत वृद्धि की संभावना है। सिस्टमैटिक्स इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिसर्च में यह दावा किया गया है। रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार तेल व गैस बाजार में पिछले महीने आए उतार-चढ़ाव के बावजूद वित्त वर्ष 2026 और 2027 में इस क्षेत्र में मजबूत वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026 में भारतीय तेल और गैस क्षेत्र की कंपनियों का एवरेज सेल 6 प्रतिशत, EBITDA 12.9 प्रतिशत और PAT(Profit After Ta&) 13.3 प्रतिशत होगा। वहीं वित्त वर्ष 2027 में औसत बिक्री 7.8 प्रतिशत, EBITDA यानी संचालन लाभ 9 प्रतिशत और कर पश्चात लाभ (PAT) 10.1 प्रतिशत रहेगा। सिस्टमैटिक्स के अनुसार इनमें रिलायंस लिमिटेड (ऋढ्रुरु), गेल इंडिया लिमिटेड , महानगर गैस लिमिटेड (और गल्फ ऑफ ऑयल लुब्रिकेंट्स इंडिया लिमिटेड टॉप में शामिल रहेंगे। रिसर्च के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के

कारण बाजार में काफी अस्थिरता रही, जबकि रिफाइनिंग मार्जिन में मजबूत उछाल आया। पिछले महीने ब्रेंट क्रूड की कीमतों में 22.9 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट हुई और 3.8 प्रतिशत की मासिक गिरावट देखने को मिली। यह गिरावट साऊदी अरब और यूए जैसे ओपेक (पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन) देशों में आपूर्ति वृद्धि से प्रभावित थी। इसके अलावा वैश्विक तरल की मांग में तेल गिरावट देखी गई। इसके विपरित, कंपनियों के बेंचमार्क सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) में 85 प्रतिशत मासिक और 121 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई। यह औसतन 6.4 डॉलर प्रति बैरल रहा। यह बड़ा सुधार कच्चे तेल की कम इनपुट लागत और गैसोलीन, गैसऑलय, जेट, कैरो और नेफ्था सेगमेंट में बेहतर उत्पाद से हुआ। इसके अलावा, प्राकृतिक गैस की कीमतों में मिली जुली स्थिति देखने को मिली। जनवरी 2025 से अधिक आपूर्ति के कारण अमेरिका के हेनरी हब की कीमतों में 31.8 प्रतिशत की गिरावट आई। वहीं, एशियाई स्पॉट एलएनजी (जापान कोरिया मार्कर) की कीमतें घरेलू मांग के कारण 6.7 प्रतिशत की वार्षिक बढ़त हुई। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में तेल और गैस क्षेत्र की कुल आय में साल दर साल की मामूली गिरावट देखी गई । हालांकि गैस और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों ने अनुमान से अधिक राजस्व की रिपोर्ट की।

भारत ने पिछले 11 वर्षों में कैशलेस क्रांति को अपनायाः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने सोमवार को कहा कि भारत यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसी विश्वस्तरीय डिजिटल पहलों के साथ कैशलेस क्रांति को अपना रहा है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पिछले 11 वर्षों में भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक शानदार यात्रा का अनुभव किया। एक दूसरी पोस्ट में कहा गया, भारत कैशलेस क्रांति को अपना रहा है। प्रतिदिन 70,000 करोड़ रुपए से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन और एक दिन में 59.6 करोड़ लेनदेन के साथ डिजिटल पेमेंट्स अब मानक बन गए हैं।÷

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने आगे कहा कि आम नागरिक के जीवन को आसान बनाने से लेकर कारोबारी आत्मविश्वास को

बढ़ाने तक, यह रियल और विजिबल चेंज का एक दशक रहा है। भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि क्लाइमेट एक्शन और डिजिटल इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक भागीदार भी है।

यूपीआई ने इस वर्ष मई में 18.68 बिलियन ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड कर मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो अप्रैल में 17.89 बिलियन थे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के अनुसार, यूपीआई ट्रांजैक्शन पिछले वर्ष इसी महीने 14.03 बिलियन ट्रांजैक्शन की तुलना में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। पिछले महीने मूल्य के हिसाब से यूपीआई ट्रांजैक्शन बढ़कर 25.14 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो अप्रैल में 23.95 लाख करोड़ रुपए से 5 प्रतिशत अधिक है। यह पिछले वर्ष मई में 20.45 लाख करोड़ रुपए से लगभग 23 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। मई में एवरेज डेली ट्रांजैक्शन की मात्रा 602 मिलियन रही, जबकि एवरेज डेली ट्रांजैक्शन अमाउंट 81,106 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। यूपीआई ने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम में अपना प्रभुत्व मजबूत किया है और कुल ट्रांजैक्शन की मात्रा में इसकी हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष के 79.7 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 83.7 प्रतिशत हो गई है।

मूंगफली तेल महंगा, सोयाबीन रिफाइंड में नरमी

एजेंसी

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में भाव ऊपर नीचे हुए। प्रोडक्शन सेंटरों की तेजी के साथ मूंगफली तेल महंगा बिका। वहीं सोयाबीन रिफाइंड तथा पाम तेल सस्ता बिका। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली रही, इससे भाव ऊंचे रहे। मूंगफली तेल 1330 से 1350 रुपये प्रति 10 किलोग्राम खुला जो 1340 से 1360 रुपये पर रुका। हालांकि कारोबार के दौरान भाव ऊपर नीचे हुए। सोयाबीन रिफाइंड 1165 से 1175 रुपये पर खुलकर 1135 से 1140 रुपये बिका। पाम तेल 1230 से 1235 रुपये खुलकर 1205 से 1210 रुपये होकर थमा। तिलहन जिन्सों में मांग से मिश्रित रंगत दर्ज की गई। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली से मजबूती रही।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, फीकी पड़ी सोने और चांदी की चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,960 रुपये से लेकर 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,790 रुपये से लेकर 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी आज मामूली कमजोरी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 200 रुपये सस्ती होकर 1,06,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,940 रुपये

प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

फोन पर ट्रंप ट्रम्प-शी की बातचीत के बाद लंदन में अमेरिका व चीन के बीच व्यापार वार्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल लंदन में बैठक कर रहे हैं, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले व्यापार विवाद में नाजुक संघर्ष विराम को मजबूत करने का प्रयास किया जा सके। उप प्रधानमंत्री हे लिफेंग के नेतृत्व में एक चीनी प्रतिनिधिमंडल एक अज्ञात स्थान पर अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक, ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट और व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात करेगा। यह वार्ता कम से कम एक दिन तक चलेगी। पिछले महीने जिनेवा में हुई वार्ता के बाद व्यापार युद्ध में कुछ समय के लिए राहत मिली थी। दोनों देशों ने 12 मई को घोषणा की थी कि वे 100 प्रतिशत से अधिक टैरिफ़ में से अधिकांश को 90 दिनों के लिए स्थगित करने पर सहमत हो गए हैं, जो उन्होंने बढ़ते व्यापार युद्ध के दौरान एक-दूसरे पर लगाए थे,

जिससे मंदी की आशंकाएं पैदा हो गई थीं। उसके बाद से दोनों देशों के बीच उन्नत सेमीकंडक्टर्स जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मजबूती प्रदान करते हैं और रेयर अर्थ मैटेरियल्स जो इलेक्ट्रिक कार निर्माताओं और अन्य उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण हैं, के अलावे चीनी छात्रों के लिए वीजा के मुद्दे पर एक दूसरे के खिलाफ नाराजगी भरे शब्दों का इस्तेमाल कर चुके हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले चीनी नेता शी जिनपिंग से फोन पर लंबी बातचीत की और संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश शुरू हुई। ट्रम्प ने अगले दिन सोशल मीडिया पर बताया कि सोमवार को लंदन में व्यापार वार्ता होगी। ब्रिटिश सरकार का कहना है कि वह आयोजन स्थल और रसद उपलब्ध करा रही है, लेकिन वार्ता में शामिल नहीं है। ब्रिटिश सरकार ने एक बयान में कहा, हम एक ऐसे देश हैं जो मुक्त व्यापार का समर्थन करते है और हमेशा से यह स्पष्ट रहा है कि व्यापार युद्ध किसी के हित में नहीं है, इसलिए हम इन वार्ताओं का स्वागत करते हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने ब्याज दर में की 0.5 प्रतिशत की कटौती

एजेंसी

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर में अप्रत्याशित आधे प्रतिशत की कटौती का लाभ ग्राहकों को पहुंचाने के लिए रेपो दर लिंक्ड उधारी दर (आरएलएलआर) को 0.5 प्रतिशत कम कर दिया है। बीओबी ने बताया कि यह नई दर 07 जून 2025 से प्रभावी हो गई है। कटौती के बाद बैंक की संशोधित आरएलएलआर अब 8.15 प्रतिशत हो गई है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 06 जून को रेपो दर में 50 आधार अंक की कटौती की। साथ ही नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में चरणबद्ध तरीक़े से एक प्रतिशत की कटौती करने की घोषणा की।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, हरे निशान में सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से पहले घंटे के कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव होता रहा। हालांकि लिवाली का जोर अधिक होने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। पहले एक घंटे का कारोबार खत्म होने के बाद सेंसेक्स 0.42 प्रतिशत और निफ्टी 0.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोटक महिंद्रा, जियो फाइनेंशियल, श्रीराम फाइनेंस, बजाज फाइनेंस और टाटा मोटर्स के शेयर 2.94 प्रतिशत से लेकर 1.62 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी लाइफ, भारती एयरटेल, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और अपोलो हॉस्पिटल के शेयर 0.83 प्रतिशत से लेकर 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,486 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,977 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 509 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 9 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान में और 17 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 385.56 अंक की मजबूती के साथ 82,574.55 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 82,669 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ने पर इसने 82,434.77 अंक के स्तर तक गोता भी लगाया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 347.25 अंक की बढ़त के साथ 82,536.24 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 157.05 अंक उछल कर 25,160.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 25,077.15 अंक तक गिर गया। राहत की बात ये रही कि बिकवाली के साथ ही खरीदारी भी होती रही, जिसके कारण ये सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बना रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10¬15 बजे निफ्टी 109.65 अंक की तेजी के साथ 25,112.70 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 746.95 अंक यानी 0.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ 82,188.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 252.15 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,003.05 अंक के स्तर पर कारोबार का अंत किया था।

नीलम करवरिया कप क्रिकेट :101 क्रिकेटरों ने दिया बारा टीम का ट्रॉयल

प्रयागराज। अक्टूबर माह में प्रस्तावित नीलम करवरिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए बारा विधानसभा टीम का ट्रॉयल को खंडाला क्रिकेट मैदान, रीवा रोड, जारी बाजार में हुआ। आयोजन सचिव सक्षम करवरिया के नेतृत्व में मुख्य चयनकर्ता केबी काला के साथ एलबी काला, प्रदीप सिंह, राकेश मिश्र, सुशील ओझा और जाहिद अली ने खिलाड़ियों का परीक्षण किया। ट्रॉयल के लिए 131 क्रिकेटरों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पंजीकरण कराया था। जिसमें दो दिनों में 101 खिलाड़ियों ने ट्रॉयल दिया। फूलपुर विधानसभा टीम का ट्रॉयल 11 व 12 जून को वर्मा क्रिकेट अकादमी झूंसी मैदान पर होगा।

हैरी ब्रुक ने 11 दिनों के अंदर जीती दूसरी श्रृंखला, वेस्टइंडीज को दूसरे टी20 में हराया

ब्रिस्टल (इंग्लैंड)। इंग्लैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में वेस्टइंडीज को 9 गेंद शेष रहते चार विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। टीम ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में भी सूपड़ा साफ किया था जिससे नए कप्तान हैरी ब्रुक को 11 दिनों के अंदर दूसरी श्रृंखला में जीत दर्ज की। जोस बटलर के बाद टीम की कमान संभालने वाले ब्रूक की यह पांच मैचों में पांचवीं जीत है। वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर 6 विकेट पर 196 रन बनाए। इंग्लैंड ने 18.3 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाकर मैच और श्रृंखला जीत ली। इंग्लैंड ने 9 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की लेकिन उसके लिए वेस्टइंडीज के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं था। जरूरी रनरेट एक समय 11 रन प्रति ओवर से अधिक हो गया था। टीम हालांकि शीर्ष क्रम में छह में से पांच बल्लेबाजों के शानदार प्रयास से जीत दर्ज करने में सफल रही। जैकब बेथेल (10 गेंद में 26 रन) और टॉम बैंटन (11 गेंद में नाबाद 30) ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 21 गेंदों पर 56 रन की साझेदारी कर वेस्टइंडीज की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। श्रृंखला के शुरुआती मैच में 96 रन बनाने वाले बटलर ने 36 गेंदों पर 47 रन बनाकर एक बार फिर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। वेस्टइंडीज ने इससे पहले आखिरी दो ओवर में 47 रन बटोर कर प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। इस दौरान टीम ने 19वें ओवर में आदिल राशिद के खिलाफ पांच छक्के की मदद से 31 रन बटोरे।

इंग्लैंड महिला टीम ने 61 रन से जीता अंतिम वनडे मैच, वेस्टइंडीज को किया क्लीन स्वीप

टॉन्टन । सेरा ग्लेन (तीन विकेट), एमिली आरलट (दो विकेट) के बाद कप्तान नेट सायबर ब्रंट (नाबाद 57) रनों की पारी की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डकवर्थ लुईस नियम (डीएलएस पद्धति) से 61 रनों से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज महिला टीम ने 21 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन का स्कोर बनाया। किआना जोसेफ ने वेस्टइंडीज के लिए सर्वाधिक 34 रन बनाए। आलियाह एलेन ने (27), कप्तान शमेन कैंपबेल ने (18) रनों का योगदान दिया। जाहजरा क्लैक्सटन (11) रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड की ओर से सेरा ग्लेन ने तीन, एमिली आरलट ने दो विकेट लिए। केट क्रॉस, लॉरेन फाइलर और शार्लेट डीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। बारिश के कारण मुकाबले को 21-21 ओवरों का कर दिया गया था। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने मात्र 10.5 ओवरों में एक विकेट पर 109 रन बनाकर मुकाबला (डीएलएस पद्धति) से 61 रनों से जीत लिया। इंग्लैंड के लिए सोफिया डंकली ने 21 गेंदों में (26) रनों की पारी खेली।

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने सांसद प्रिया सरोज से की सगाई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने लखनऊ में समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज से सगाई कर ली। उनकी शादी इस साल 18 नवंबर को होने वाली है। प्रिया के पिता तूफानी सरोज ने कहा कि सगाई समारोह एक निजी कार्यक्रम था, जिसमें करीबी परिवार के सदस्य, दोस्त और रिश्तेदार शामिल हुए थे। 27 वर्षीय रिंकू ने पिछले कुछ सालों में भारत के लिए 2 वनडे और 33 टी20 मैच खेले हैं और वह आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स की एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं। 26 वर्षीय प्रिया जौनपुर के मछलीशहर निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार सांसद बनी हैं। दुल्हन के पिता ने कहा, 'रिंकू और प्रिया एक-दूसरे को काफी समय से जानते हैं। उनकी मुलाकात प्रिया के दोस्त के पिता के जरिए हुई, जो खुद एक क्रिकेटर हैं। दोनों परिवारों के आशीर्वाद से उन्होंने शादी करने का फैसला किया।'

पीवीएल 4 नीलामी: जेरोम विनीत, शमीमुद्दीन और विनीत कुमार सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने

एजेंसी

कालीकट। प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) सीजन 4 की नीलामी में जेरोम विनीत सी, शमीमुद्दीन और विनीत कुमार ने सबसे अधिक बोली हासिल कर सुर्खियां बटोरीं। इन तीनों खिलाड़ियों को प्लेटिनम कैटेगरी में ?22.5 लाख की कीमत पर खरीदा गया। जेरोम विनीत को चेन्नई ब्लिट्ज ने अपनी टीम में शामिल किया, वहीं शमीमुद्दीन को कालीकट हीरोज और विनीत कुमार को कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने अपनी टीम में जोड़ा।

कुल 789 खिलाड़ियों की बोली, 10 फ्रेंचाइजियों ने किए 6 करोड़ से अधिक खर्च

इस बार नीलामी में कुल 789 खिलाड़ी शामिल हुए, जिन पर 10 फ्रेंचाइजियों ने बोली लगाई। कुल ?6 करोड़ 8 लाख 50 हजार की राशि खर्च की गई। हर फ्रेंचाइजी को अपने पुराने खिलाड़ियों को रिटेन करने या उन्हें ऑक्शन पूल में छोड़ने का विकल्प मिला था। विदेशी खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट सिस्टम से किया गया।

चेन्नई ब्लिट्ज की खरीदारी

जेरोम विनीत के अलावा चेन्नई ब्लिट्ज ने एम. अश्विन राज, आदित्य राणा और समीर चौधरी को ?8 लाख में, नांजिल सूर्या को ?5.75 लाख, टी. श्रीकांत को 6.5 लाख, तरुण गौड़ा के को 4.25 लाख, कैला विष्णु वर्धन बाबू और नमिथ एमएन को 3 लाख में खरीदा।

कालीकट हीरोज ने बनाई संतुलित टीम

शमीमुद्दीन के अलावा कालीकट हीरोज ने संतोश एस को 11.5 लाख, मोहनुक्क्रापांडियन को 8 लाख, अब्दुल रहीम और मुकेश कुमार को ?4 लाख तथा हारिस, किरणराज थेवलिल और उसामा रहमत को ?3 लाख में टीम में शामिल किया।

कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने भी दिखाई आक्रामकता

विनीत कुमार के साथ कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने जसजोध सिंह को 14.75 लाख, अमलके थॉमस को 6.5 लाख, जानशाद यू को ?4.25 लाख, और अयुष पांडे, निर्मल जॉर्ज, सचिन के, हेमंत पी और एलन अशीक वीएल को ?3 लाख में खरीदा।

अहमदाबाद डिफेंडर्स का मजबूत दांव

अहमदाबाद डिफेंडर्स ने शॉन टी जॉन को ?11.5 लाख, अंगमुथु को ?11 लाख, अखिन जीएस को ?10.25 लाख में खरीदा। अर्शक सिनान को ?8 लाख, पी. प्रभाकरण को 3.25 लाख, जबकि ध्रुविल पटेल, अभिनव बीएस और हर्ष चौधरी को ?3 लाख में टीम का हिस्सा बनाया।

बेंगलुरु टॉरपीडोज़ ने देर से लेकिन बड़ा दांव खेला

बेंगलुरु टॉरपीडोज़ ने जिश्नू पीवी को ?14 लाख में खरीदा। जोएल बेंजामिन जे ?6.5 लाख में टीम से जुड़े, वहीं रोहित कुमार और इबिन जोस को ?5 लाख में, हिमांशु त्यागी को ?4.25 लाख में और संदीप को ?3 लाख में टीम में शामिल किया गया। नितिन मिन्हास को 4.2 लाख में खरीदा गया। दिल्ली तूफान ने मुहम्मद जसीम को 11 लाख, आयुष को 9 लाख, मन्नत चौधरी को 6.5 लाख, जॉर्ज एंटनी को 5 लाख और अभिषेक राजीव, अविनाश व रिजास केआर को 3 लाख में टीम में शामिल किया।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 3-2 से हराकर यूरोपीय दौरे की शानदार शुरुआत की

एजेंसी

एंटवर्प (बेल्जियम)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 3-2 की रोमांचक जीत दर्ज कर यूरोप दौरे की विजयी शुरुआत की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्क्स प्लेन में खेला गया। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और 11वें मिनट में गीता यादव के शानदार गोल की बदौलत बढ़त बना ली। हालांकि, 25वें मिनट में बेल्जियम की मैरी गोएंस ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद 34वें मिनट में लुईस वैन हेके ने गोल कर मेजबान टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने हार नहीं मानी और 40वें मिनट में सोनम ने बराबरी का गोल कर मुकाबले में वापसी दिलाई। भारतीय टीम का आत्मविश्वास फिर से चरम पर पहुंचा और 45वें मिनट में लालथनत्लुआंगी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद भारत ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाया और बेल्जियम को बराबरी करने का कोई मौका नहीं दिया। अंततः भारत ने यह मुकाबला 3-2 से जीत लिया। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अब अपना अगला मुकाबला 10 जून को एक बार फिर बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

मार्क मार्केज ने अरागोन ग्रां प्री जीतकर पूरा किया परफेक्ट वीकेंड, डुकाटी का पोडियम पर कब्ज़ा

एजेंसी

अल्कानीज़ । डुकाटी के स्टार राइडर मार्क मार्केज ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मोटरलैंड सर्किट पर उनका कोई सानी नहीं है। उन्होंने पोल पोजिशन से शुरुआत करते हुए अरागोन ग्रां प्री में शानदार जीत दर्ज की और चैंपियनशिप में अपनी बढ़त और मज़बूत कर ली। इस जीत के साथ मार्क ने न केवल सीज़न की सातवीं जीत हासिल की, बल्कि इस सर्किट पर रिकॉर्ड सातवीं बार जीतकर इतिहास भी रच दिया। उनके छोटे भाई एलेक्स मार्केज ने ग्रेसिनी रेसिंग के लिए दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि डुकाटी टीम के ही फ्रांसेस्को बगनाइया तीसरे स्थान पर रहे। इस तरह डुकाटी ने पोडियम पर पूरी तरह कब्ज़ा जमाया।

सभी सेशनों में दिखाया दबदबा

मार्क मार्केज़ ने वीकेंड के हर सेशन – प्रैक्टिस, क्वालिफाइंग, वार्मअप और रेस – में टॉप पर रहकर 2015 जर्मन ग्रां प्री के बाद पहली बार किसी राइडर ने हर सेशन में बढ़त बनाई। उस समय भी ये कारनामा खुद मार्क ने ही किया था।

उन्होंने कहा, यह वीकेंड शानदार रहा। हर सेशन में लीड करना, पूरा फोकस बनाए रखना जरूरी था। एलेक्स और पेको (बगनाइया) की रेस पेस तेज थी, लेकिन मैं गैप कंट्रोल करता रहा। भाई के साथ जीत सेलिब्रेट करना बहुत खास था।

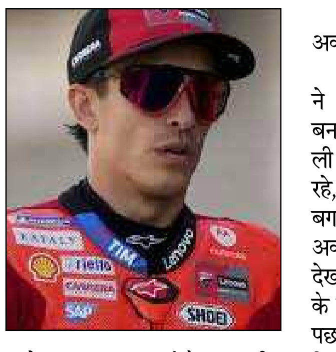

भाईचारा और सोशल मीडिया पर बना रहा रोमांच

रेस से पहले दोनों मार्केज़ भाइयों के बीच सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर मज़ेदार बहस चल रही थी कि उनकी मां किसे सपोर्ट करेंगी। रेस जीतने के बाद मार्क ने अपनी मां को डुकाटी की लाल शर्ट भेंट की, जिससे मज़ेदार लम्हा बन गया। रेस के बाद दोनों भाई घरेलू दर्शकों के सामने हाथ में हाथ डालकर डांस करते भी दिखे, जो उनके सम्मान में बनाए गए विशेष स्टैंड में मौजूद थे।

बगनाइया की पकड़ और अकॉस्टा की चुनौती

रेस के शुरुआती मोड़ पर मार्क ने बेहतरीन लॉन्च के साथ बढ़त बनाई और पहले मोड़ में ही लीड ले ली। एलेक्स दूसरे स्थान पर टिके रहे, जबकि तीसरे स्थान के लिए बगनाइया और केटीएम के पेड्रो अकॉस्टा के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। हालांकि, अनुभव के दम पर बगनाइया ने अकॉस्टा को पछाड़ दिया। वहीं, केटीएम के ही ब्रैड बिंडर का क्रैश होना टीम के लिए झटका साबित हुआ।

चैंपियनशिप में बढ़त

इस जीत के साथ मार्क मार्केज़ ने अपने भाई एलेक्स पर 32 अंकों की बढ़त बना ली है, जबकि बगनाइया अब शीर्ष से 93 अंक पीछे हैं। सीज़न के इस पड़ाव पर मार्क की फॉर्म और आत्मविश्वास उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बना रही है।

पुर्तगाल ने पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को हराकर दूसरी बार जीता नेशंस लीग का खिताब

एजेंसी

म्यूनिख। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुवाई में पुर्तगाल ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए यूएफ़ा नेशंस लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में पुर्तगाल ने स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर थीं।

रोनाल्डो ने दिलाया बराबरी का गोल

मुकाबले की शुरुआत स्पेन के पक्ष में रही, जब 21वें मिनट में मार्टिन जुबिमेंडी ने अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय गोल करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। लेकिन जल्द ही पुर्तगाल ने वापसी की और नूनो मेंडेस ने रोनाल्डो की मदद से शानदार गोल करते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।

पेड्री का कमाल और फिर रोनाल्डो का जवाब

स्पेन ने पहले हाफ के अंत तक फिर से बढ़त बनाई। मिडफील्डर पेड्री के बेहतरीन पास पर मिकेल ओयारज़ाबाल ने गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। हालांकि, दूसरे हाफ में रोनाल्डो ने एक बार फिर मौके का फायदा उठाया और 138वां अंतरराष्ट्रीय गोल दागते हुए पुर्तगाल को बराबरी दिला दी।

शूटआउट में स्पेन चूका, पुर्तगाल ने मारी बाज़ी

मैच के अंतिम क्षणों में रोनाल्डो चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। अतिरिक्त समय में भी दोनों टीमों के बीच कोई फर्क नहीं पड़ा और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा। यहां स्पेन के अल्वारो मोराटा चूक गए, जबकि पुर्तगाल ने अपने सभी पांच पेनल्टी गोल में बदले। आखिरी किक रूबेन नेवेस ने लगाई और पुर्तगाल को दूसरी बार नेशंस लीग चैंपियन बना दिया।

रोनाल्डो की भावुक विदाई

जीत के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपने आंसू नहीं रोक सके। यह संभवतः उनका आखिरी बड़ा टूर्नामेंट हो सकता है और टीम को ट्रॉफी दिलाकर वह भावुक हो उठे। 40 साल की उम्र में भी उनका जज्बा और प्रदर्शन प्रशंसकों के लिए प्रेरणादायक रहा।

स्पेन की अपराजेय रेखा टूटी

स्पेन ने सेमीफाइनल में फ्रांस को 5-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था और मार्च 2023 से वह अपराजित रहा था। यूरो 2024 का खिताब जीतने के बाद यह उनका लगातार दूसरा बड़ा फाइनल था, लेकिन इस बार रोनाल्डो और पुर्तगाल के सामने उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

तीसरे दिन भारत ए का दबदबा, खलील अहमद चमके, राहुल और ईश्वरन ने लगाया अर्धशतक

एजेंसी

नई दिल्ली। खलील अहमद की चार विकेट की शानदार गेंदबाजी, इंग्लैंड लॉयंस की निचले क्रम की लड़ाकू पारियां और फिर केएल राहुल व अभिमन्यु ईश्वरन की अर्धशतकीय साझेदारी के दम पर भारत ए ने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन खुद को मज़बूत स्थिति में पहुंचा दिया है। भारत ए ने तीसरे दिन स्टंप्स तक 4 विकेट पर 163 रन बनाकर 184 रन की कुल बढ़त हासिल कर ली है।

खलील की कहर बरपाती गेंदबाजी, लॉयंस ढेर होते-होते बचे

दिन की शुरुआत 192/3 से करने वाली इंग्लैंड लॉयंस की टीम 243/8 तक लड़खड़ा गई थी, जहां खलील अहमद ने कहर बरपाया। उन्होंने लगातार विकेट चटकाकर भारत ए को मजबूत वापसी कराई। हालांकि जोश टंग (36*) और फरहान अहमद (24) ने निचले क्रम में जुझारू बल्लेबाजी कर टीम को 327 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। खलील ने 4/70 की शानदार गेंदबाजी की।

राहुल-ईश्वरन की साझेदारी ने दिलाई बढ़त

दूसरी पारी में भारत ए की शुरुआत खराब रही और यशस्वी जायसवाल एक बार फिर सस्ते में आउट हो गए। लेकिन इसके बाद केएल राहुल (51) और अभिमन्यु ईश्वरन (80) ने 88 रनों की अहम साझेदारी की। राहुल ने पहले पारी के शतक के बाद दूसरी पारी में भी शानदार बैटिंग करते हुए फिफ्टी जड़ी। वहीं, कप्तान ईश्वरन अंत तक टिके रहे और 80 रन की दमदार पारी खेली। करुण नायर ने कुछ आकर्षक शॉट्स खेले लेकिन 15 रन बनाकर आउट हो गए। दिन के अंतिम क्षणों में रोशनी की समस्या के चलते खेल रोकना पड़ा और ईश्वरन का विकेट भी गिर गया जब उन्होंने वोक्स की गेंद पर स्लिप में कैच थमा दिया। इससे पहले सुबह के सत्र में जॉर्डन कॉक्स (45) और जेम्स रियू ने खलील और शार्दुल को चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन खलील ने दोनों को आउट कर भारत ए को बढ़त दिलाई। शार्दुल को स्विंग मिली लेकिन वो विकेट नहीं ले सके। तुषार देशपांडे और अंशुल काम्बोज ने बाद में असरदार गेंदबाजी की और पुछल्ले बल्लेबाज़ों को आउट कर पारी समेटी।

स्कोर संक्षेप में:

भारत ए: 348 और 163/4 (अभिमन्यु ईश्वरन 80, केएल राहुल 51; क्रिस वोक्स 2/31)

इंग्लैंड लॉयंस: 327 (एमिलियो गे 71, टॉम हेन्स 54; खलील अहमद 4/70)

भारत ए को कुल बढ़त: 184 रन

भारत ए की नजरें अब चौथे दिन इंग्लैंड लॉयंस पर दबाव बनाने और मैच में निर्णायक बढ़त लेने पर होंगी।

मैगनस कार्लसन नें रिकॉर्ड 7वीं बार जीता नॉर्वे शतरंज का खिताब, गुकेश रहे तीसरे स्थान पर

एजेंसी

स्टावेंगर। साल के सबसे मजबूत सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट नॉर्वे शतरंज का अंत बेहद नाटकीय अंदाज में हुआ जहां खिताब के दोनों प्रमुख दावेदार विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन और डी विश्व चैम्पियन डी गुकेश को हार का सामना करना पड़ा और ऐसे में कार्लसन विजेता बनने में कामयाब रहे । अर्जुन नें रोका कार्लसन का रथ - भारत के नंबर एक और दुनिया के नंबर 3 खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी सफ़ेद मोहरो से मैगनस का सामना कर रहे थे , पिछली बार वह कार्लसन से पांचवें राउंड में पराजित हो गए थे इस बार सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए पहले तो उन्होने कार्लसन से क्लासिकल में ड्रॉ पर रोका और फिर उन्हे टाईब्रेक आर्मगेडेन में मात देते हुए जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया । इस हार के बाद भी कार्लसन को क्लासिकल का एक अंक मिला और वह 16 अंको पर पहुँच गए । ऐसे में गुकेश के पास मौका था की वह कारुआना को हराए और विजेता बन जाये । करूआना के खिलाफ गुकेश नें काले मोहरो से इटेलिअन ओपनिंग में थोड़ा हटकर रास्ता बनाने की कोशिश की और राजा को वजीर के हिस्से में किलेबंदी करके ले गए जबकि करूआना नें राजा के हिस्से में किलेबंदी करते हुए अपने राजा को रखा और गुकेश पर हमला करना शुरू कर दिया । उन्होने अपना हाथी देकर गुकेश का एक ऊंट और घोडा ले लिया , इन सबके बावजूद गुकेश नें अपना एक प्यादा तेजी से वजीर बनाने के लिए आगे बढ़ा दिया और खेल की 48वीं चाल में जब गुकेश के पास सिर्फ 7 सेकंड बाकी थे ।

मुंबई सिटी एफसी ने मिजोरम के मिडफील्डर लालनुंतलुआंगा बावितलुआंगा को किया साइन

एजेंसी

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने आगामी 2025-26 इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सीजन से पहले एक अहम कदम उठाते हुए श्रीनिधि डेक्कन एफसी के मिडफील्डर लालनुंतलुआंगा बावितलुआंगा के साथ करार किया है। यह करार तीन साल के लिए हुआ है, जिससे यह युवा खिलाड़ी 2027-28 सीजन तक आइलैंडर्स के साथ जुड़ा रहेगा। 25 वर्षीय मिजोरमी खिलाड़ी ने पिछले तीन सीजनों में आई-लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। श्रीनिधि डेक्कन और रियल कश्मीर जैसे क्लबों के लिए खेलते हुए उन्होंने हर सीजन में 20 से अधिक मैचों में भाग लिया। मैदान पर उनकी ऊर्जा, दृढ़ता और निरंतरता उन्हें एक भरोसेमंद मिडफील्डर बनाती हैं। मुंबई सिटी द्वारा यह साइनिंग क्लब की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत टीम को और अधिक संतुलित, युवा और प्रतिस्पर्धी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। लालनुंतलुआंगा के आने से टीम को मिडफील्ड में नई मजबूती और गति मिलने की उम्मीद है। लालनुंतलुआंगा बावितलुआंगा ने क्लब से जुड़ने पर खुशी जताते हुए कहा, मुंबई सिटी एफसी से जुड़ना मेरे लिए गर्व का विषय है। यह क्लब जिस इतिहास और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है, उसमें योगदान देना मेरे करियर की एक बड़ी उपलब्धि है। आईएसएल में खेलना मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक बड़ा कदम है और मैं इस अनुभव से बहुत कुछ सीखने और आगे बढ़ने की उम्मीद करता हूं।

क्लब के फुटबॉल निदेशक सुजय शर्मा ने कहा कि हमने लालनुंतलुआंगा को उनकी गति, अनुशासन और लगातार प्रदर्शन के चलते साइन किया है। वे एक जुझारू खिलाड़ी हैं, जो मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देते हैं। हमें भरोसा है कि वह हमारी मौजूदा टीम के साथ शानदार तालमेल बिठाएंगे और क्लब को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करेंगे।

बुमराह ने सर्जरी से पहले बढ़ाया था कैमरून ग्रीन का हौसला, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने किया जिक्र

लंदन । कैमरून ग्रीन की पीठ की सर्जरी की पूर्व संध्या पर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक 'विशेष' संदेश ने ऑस्ट्रेलिया के इस हरफनमौला को सर्जरी करवाने के उनके फैसले को लेकर आश्वस्त कर दिया। ग्रीन को पिछले साल 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' हुआ था। यह चोट हालांकि 9 से 12 महीनों में स्वाभाविक रूप से ठीक हो सकती थी, लेकिन उन्होंने अक्टूबर में सर्जरी करवाने का फैसला किया। ग्रीन ने कहा, 'जसप्रीत बुमराह ने सर्जरी करवाने से एक रात पहले मुझसे संपर्क किया था। वह उस समय भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट मैच खेल रहे थे। ऐसी कुछ चीजें वाकई बहुत खास होती हैं और आपको इससे बहुत अच्छा महसूस होता है। उनके जैसे किसी व्यक्ति का साथ मिलना और फिर उन्हें ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन करते देख कर मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है।

प्राइम वॉलीबॉल लीग प्लेयर ऑक्शन में चेन्नई ब्लिट्ज ने जेरोम विनीत पर लगाई सबसे ऊंची बोली

एजेंसी

कालीकट। भारत की प्रमुख पेशेवर वॉलीबॉल प्रतियोगिता प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के चौथे सीजन की खिलाड़ी नीलामी में टीमों ने नए सत्र के लिए खिलाड़ियों को अपनी टीमों में शामिल करने के लिए जोरदार बोली लगाई। कालीकट में आयोजित इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम में देशभर से चुने गए होनहार और अनुभवी खिलाड़ियों पर जमकर पैसा बरसा। इस प्रमुख वॉलीबॉल लीग का चौथा सीजन अक्टूबर, 2025 में शुरू होगा।

विनीत और शमीमुद्दीन बने सबसे महंगे खिलाड़ी

नीलामी की सबसे बड़ी खबर रही चेन्नई ब्लिट्ज द्वारा प्लैटिनम कैटेगरी से जेरोम विनीत सी को 22.5 लाख रुपये में खरीदना। इस ऑलराउंडर को पाने के लिए चेन्नई को बेंगलुरु टॉरपीडोज़ और कोलकाता थंडर बोल्ट्स से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा। विनीत इससे पहले कालीकट हीरोज़ का हिस्सा थे। मेजबान कालीकट हीरोज़ ने भी स्थानीय खिलाड़ी शमीमुद्दीन को 22.5 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल कर फैन्स का दिल जीत लिया। इसके अलावा टीम ने मोहन उक्क्रापांडियन और संतोष एस को 8-8 लाख रुपये में राइट टू मैच विकल्प के तहत टीम में बरकरार रखा।

दिल्ली तूफांस ने अपनी सबसे बड़ी बोली लगाते हुए आयुष को 9 लाख रुपये में खरीदा। इसके अलावा टीम ने जॉर्ज एंटनी (5 लाख रुपये) और मन्नत चौधरी (6.5 लाख रुपये) को भी गोल्ड कैटेगरी में शामिल किया। कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने विनीत कुमार को 22.5 लाख रुपये में टीम में जोड़ा। साथ ही अमल के थॉमस (6.5 लाख रुपये) और जसजोध सिंह (14.75 लाख रुपये) जैसे खिलाड़ियों को खरीदकर नीलामी में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

अन्य टीमों की अहम खरीद

बेंगलुरु टॉरपीडोज़ः जिश्नु पीवी को 14 लाख रुपये में खरीदा, जबकि जोएल बेंजामिन जे, इबिन जोस और रोहित कुमार को 5-6.5 लाख रुपये की रेंज में टीम में जोड़ा गया। अहमदाबाद डिफेंडर्सः शॉन टी जॉन को राइट टू मैच के तहत 11.5 लाख रुपये में बरकरार रखा। अंगमुथु (11 लाख रुपये) और अखिन जी. एस. (10.5 लाख रुपये) भी टीम में शामिल हुए। हैदराबाद ब्लैक हॉक्सः शिखर सिंह को 16 लाख रुपये में खरीदा, जबकि अमन कुमार (11.5 लाख रुपये) और दीपु वेणुगोपाल (5.75 लाख रुपये) को भी टीम का हिस्सा बनाया।

सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के प्रतिभा ट्रायल्स में नए चेहरों को मिला प्रो टी20 मंच पर मौका

एजेंसी

कोलकाता। बंगाल प्रो टी20 लीग के दूसरे सीजन की तैयारियों के तहत सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स ने कोलकाता में ओपन ट्रायल्स का आयोजन किया, जिसमें उत्तर बंगाल के विभिन्न जिलों से सैकड़ों उभरते क्रिकेटर्स ने भाग लिया। इस ट्रायल्स के माध्यम से चयनित 9 पुरुष और 2 महिला खिलाड़ियों को टीम के साथ नेट सेशन्स और अभ्यास सत्रों में शामिल किया गया। इस आयोजन में युवा खिलाड़ियों ने अपने हुनर का जोरदार प्रदर्शन किया। अनुभवी कोचों और टैलेंट स्काउट्स की निगरानी में की गई गंभीर और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के बाद चुने गए खिलाड़ियों को सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के आगामी नेट कैंप में शामिल किया गया है।सर्वोटेक स्पोर्ट्स के निदेशक ऋषभ भाटिया ने ट्रायल्स को लेकर कहा, 'इस आयोजन में जो जोश और भागीदारी हमने देखी, वह उत्तर बंगाल की प्रतिभा पर हमारे विश्वास को और मजबूत करता है। हमारा लक्ष्य इन युवा खिलाड़ियों को पेशेवर मंच देना है ताकि वे राज्य और देश का नाम रौशन कर सकें।'

मार्की खिलाड़ी और टीम संरचना

पुरुष वर्ग में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज आकाश दीप को मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाए रखा गया है। वहीं महिला टीम की अगुआई प्रियंका बाला करेंगी, जो इस वर्ग की मार्की खिलाड़ी हैं। सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स इस बार दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, अलीपुरद्वार और कलिम्पोंग जिलों का प्रतिनिधित्व करेंगे। नेट सेशन्स और अभ्यास सत्रों के लिए जिन 11 खिलाड़ियों का चयन किया गया है उसमें नौ पुरुष और दो महिला खिलाड़ी हैं। पुरुष वर्ग में आयुष तिवारी, शुभज्योति मैती, स्निग्धो चौधरी, समृद्ध बनर्जी, दानियाल चौधरी, आर्यन शॉ, अंकित कुमार सोनी, एसके जहीर अब्बास और रौनक रौशन को चुना गया है। जबकि महिला वर्ग में उर्जा लोहिया और काजल रॉय का चयन हुआ है।

टूर्नामेंट शेड्यूल

पुरुष वर्ग की शुरुआत 11 जून को ईडन गार्डन में होगी, जहां सोबिस्को स्मैशर्स मालदा और मुर्शिदाबाद किंग्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। वहीं, महिला लीग 12 जून से शुरू होगी और इसका ग्रैंड फिनाले 28 जून को ईडन गार्डन में दोपहर 1:30 बजे खेला जाएगा।

सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की मुख्य टीमः

पुरुष टीमः आकाश दीप (मार्की), सूरज सिंधु जायसवाल, विकास सिंह, तरुण गोदारा, अंकुर पॉल, शुभम चटर्जी, नुरुद्दीन मंडल, इरशाद आलम, अंकुश त्यागी, सौरव पॉल, मिथिलेश दास, राजू हलदर, पवन, लोकेश, आदित्य सिंह, शिवम् भारती, सचिन यादव, अनुस्तुप मजूमदार

महिला टीमः प्रियंका बाला (मार्की), स्नेहा गुप्ता, तिथि दास, झुम्पा रॉय, रत्ना बर्मन, अनन्या हलदर, मौली मंडल, अनिंदिता नाथ, स्वास्तिका कुंडू, पूजा अधिकारी, सुमना मंडल, सुप्रिथा सरकार, स्निग्धा बाग, नफीसा यास्मीन, रितु गायेन, सौमी रॉय

पर्यटन का खास मुकाम डल झील

डल झील श्रीनगर, कश्मीर में तो प्रसिद्ध है ही लेकिन दुनिया भर के सैलानियों के लिए भी यह पर्यटन का एक खास मुकाम है। कहा जाता है कि इसमें स्त्रोतों से जल आता है एवं यह झाल खुद ही कश्मीर घाटी में काफी झीलों से जुड़ी हुई है।

यह दुनिया भर में शिकारों या हाऊस बोट के लिए जानी जाती है और सैलानी खासतौर पर इनका आनंद लेने के लिए यहां आते हैं। यह 18 किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। तीन दिशाओं से पहाड़ियों से घिरी डल झील जम्मू कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील मानी जाती है और भारत की सबसे सुंदर झीलों में इसे शामिल किया जाता है। पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएं और डल झील देखने न जाएं ऐसा हो ही नहीं सकता।

डल झील के पास ही मुगलों के सुंदर एवं प्रसिद्ध पुष्प वाटिका से झील की आकृति और उभरकर सामने आती है। मुख्य रूप से इस झील में मछली का काम होता है। डल झील के मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं यहां के हाउसबोट। सैलानी इन हाउसबोटों में रहकर इस खूबसूरत झील का आनंद उठा सकते हैं।

झील, कश्मीर की घाटियों की अन्य धाराओं के साथ मिल जाती है। झील के चार जलाशय हैं गगरीबल, लोकुट डल, बोड डल तथा नागिन। लोकट डल के मध्य में रूप लंक द्वीप स्थित है, तथा बोड डल जलधारा के मध्य में सोना लंक स्थित है। वनस्पति डल झील की खूबसूरती को और निखार देती है। कमल के फूल, पानी में बहती कुमुदनी, झील की सुंदरता को दुगुना कर देती है।

सैलानियों के लिए झील के सौंदर्य के अलावा भी विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन यहां पर उपलब्ध हैं। जैसे कि कायाकिंग, केनोइंग डोंगी पानी पर सर्फिंग करना व ऐंगलिंग मछली पकड़ना आदि से सफर और ज्यादा रोमांचक हो जाता है। कश्मीर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय झील के तट पर स्थित है। हाउसबोट में रहकर सैलानी इस झील के खूबसूरत वातावरण से भावविभोर हो जाते हैं।

शिकारे के माध्यम से सैलानी नेहरूपार्क, कानुटूर खाना, चारचिनारी, कुछ द्वीप जो यहां पर स्थित हैं, उन्हें देख सकते हैं। श्रद्धालुओं के लिए हजरतबल तीर्थस्थल के दर्शन करे बिना उनकी यात्रा अधूरी रह जाती है। शिकारे के माध्यम से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल के दर्शन कर सकते हैं। एक शिकारे पर सवार होकर विभिन्न प्रकार की कश्मीरी चीजें भी खरीद सकते हैं और दुकानें भी शिकारे पर ही लगी होती हैं। यह मात्र खरीददार तक ही सीमित नहीं है, परन्तु एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी होगा।

कैसे जाएं: यदि पर्यटक डल झील पहुंचना चाहते हैं, तो श्रीनगर जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर बडगाम जिले में स्थित एयरपोर्ट पर पहुंच सकते हैं। नजदीक रेल सेवा जम्मू में स्थित है, तथा वहां का नेशनल हाईवे एनएचए कश्मीर घाटी को देश के अन्य भागों से जाड़ता है। इन पहाड़ी इलाकों पर यात्रा करने के लिए दस से बारह घंटे लगते हैं। इस सफर के दौरान पर्यटक यहां के प्रसिद्ध जवाहर टनल को निहार सकते हैं।

धर्मशाला में उठायें बर्फली पहाड़ियों का रोमांच

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लााइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है।

पहाड़ियों में चीड़ व देवधर के घने जंगलों और बर्फ को करीब से देखने का अनुभव धर्मशाला में मिलता है। यहां सीधे-सादे और बौध धर्म के बिरले चिन्ह भी यहां आसानी से देखने को मिलते हैं। धर्मशाला में झरने व सुहाने नजारे इस जगह को सभी की पसंद बनाते हैं। हालांकि अब यहां तिब्बत के लोग ज्यादा रहते हैं, लेकिन ब्रिटिश काल का प्रभाव इस छोटे शहर पर आज भी महसूस किया जा रहा है।

खूबसूरत पहाड़ी शहर धर्मशाला को यूं तो अंग्रेजों ने बसाया था, लेकिन अब तिब्बतियों की संख्या ज्यादा होने से इस पर वहां के कल्चर का इतना प्रभाव पड़ा है कि इसे लिटल ल्हासा के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में धौलाधर की पहाड़ियों में बसा धर्मशाला देश-विदेश के सैलानियों का पसंदीदा हिल स्टेशन है। इसे साल 1855 में अंग्रेज ने इसे बसाया था। दरअसल, यह उन 80 रिजॉर्ट्स में से था, जिन्हें अंग्रेजों ने गर्मी से बचने के लिए तैयार करवाया था।

गद्दी, तिब्बती, टेकर्स, टूरिस्ट और लोकल वेंडर्स, सब मिलकर निचले धर्मशाला यानी कोतवाली बाजार में एक अलग ही माहौल बनाते हैं। यह जगह समुद्र तल से 1250 मीटर की ऊंचाई पर है। लोगों का खूब आना-जाना होने की वजह से यहां खासी हलचल रहती है। समुद्र तल से 1768 मीटर की ऊंचाई पर बसे ऊपरी धर्मशाला यानी मैकलॉडगंज में दलाई लामा का निवास है। दोनों जगह की दूरी 10 किलोमीटर है। जहां तक घूमने की बात है, तो धर्मशाला में आपको अडवेंचरस व स्प्रिचुअल माहौल मिलेगा। ठंडी पहाड़ी हवाओं में गूंजती प्रार्थनाओं की आवाजें मन को एक ठहराव देती हैं। ऐसे में बेशक धर्मशाला जाना दलाई लामा से मुलाकात के बिना अधूरा है और यकीन मानिए इस माहौल में उनका साथ किसी भी इंसान को कुछ देर के लिए एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। वैसे,धर्मशाला की तमाम मोनेस्ट्रीज एक बार देखने लायक जरूर है और अलग-अलग समाधियों में भगवान बुद्ध की तांबे की प्रतिमाएं भी दर्शनीय हैं। अब जब इतना कुछ एक ही जगह पर मौजूद है तो देश-विदेश के पर्यटकों का सहज ही धर्मशाला की ओर खिंचे आना हैरानी की बात नहीं है। अगर आप मेडिटेशन करते हैं तो यहां के तुशिता मेडिटेशन सेंटर में मोंक्स द्वारा दी जाने वाली क्लासेज जॉइन की जा सकती है। यहां आपको साफ-सुथरे आवास की सुविधा भी मिलेगी। मेडिटेशन सीखने के बाद नेचुंग मोनेस्ट्री में 3किलोमीटर बना म्यूजियम देख सकते हैं। नोबरलिंगा इंस्टीट्यूट में आप नए आर्टिस्ट्स को थंगका पेंटिंग्स सीखते देख सकते हैं। अगर आप दाल, चावल, रोटी और सैंडविच खाकर बोर हो गए हैं तो यहां आप बेहतरीन तिब्बती खाने का मजा ले सकते हैं।

यहां के कई रेस्तरांओं में आपको लजीज मोमोज व थुक्पा खाने को मिलेंगे। खाने का लुत्फ लेने के बाद आप लंबी वॉक, ट्रेकिंग और खूबसूरत नजारों में पिकनिक का मजा ले सकते हैं। यहां से 8 किलोमीटर आगे आपको ब्रिटिश राज का मेमोरियल चर्च ऑफ सेंट जॉन-इन-द विल्डरनेस देख सकते हैं। इसे ब्रिटिश वायसरॉय लॉर्ड एलगिन के नाम पर बनाया गया है। निचले धर्मशाला में बना कांगड़ा आर्ट म्यूजियम कांगड़ा के सालों पुराने इतिहास को दिखाता है।

म्यूजियम की एक गैलरी में आपको कांगड़ा की मशहूर पेंटिंग्स, स्कल्पचर्स, मिट्टी के बर्तन और एंथ्रोपॉलजी से जुड़ी तमाम चीजें देखने को मिलेंगी। धर्मशाला के एंट्री पॉइंट पर आपको एक वॉर मेमोरियल देखने को मिलेगा, जिसे स्वतंत्रता की लड़ाई में शहीद होने वाले जवानों की याद में बनवाया गया है। धर्मशाला में धर्मकोट व डल लेक जैसे पिकनिक स्पॉट्स भी हैं और यहां सितंबर के महीने में हर साल एक बड़ा मेला भी लगता है।

इसी के पास भगसुनाथ की श्राइन भी है। इस पुराने मंदिर के पास से बहते ताजे पानी से झरने इस जगह को एक अलौकिक नजारा बना देतो हैं। देवी कुणान पथरी को समर्पित मंदिर, ततवानी के गर्म पानी के झरने और मछरैल के बड़े वॉटरफॉल भी देखने लायक जगहें हैं। अगर वुड वर्क में दिलचस्पी रखते हैं तो नॉरबुलिंका इंस्टीट्यूट जरूर जाएं। यहां हो रहे काम की आर्ट को देखकर निश्चित तौर पर आप हैरान रह जाएंगे। स्वामी चिन्मानंद द्वारा बनाया गया चिन्मय तपोवन भी एक दर्शनीय जगह है। बिंदु सारस के किनारे बसे इस आश्रम में आपको नौ मीटर ऊंची हनुमान जी की मूर्ति, राम मंदिर, मेडिटेशन हॉल वगैरह दिखेंगे।

धौलधार की पहाड़ियों में ट्रैकिंग व रॉक क्लााइबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है। यहां से नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहां से धर्मशाला 85 किलोमीटर की दूरी पर है। सड़क मार्ग से यहां चंडीगढ़, कीरतपुर और बिलासपुर होते हुए पहुंचा जा सकता है। तिब्बती नए साल यानी मार्च के आस-पास यहां बहुत टूरिस्ट आते हैं। वैसे, मई से अक्टूबर के बीच ट्रैकिंग सीजन रहता है। धर्मशाला में हैंडीक्राफ्ट मसलन तिब्बती कार्पेट, टेक्स्टाइल, ट्रडिशनल, हैट्स, बैग्स, ट्राउजर्स, मेटलवर्क, जूलरी, जैकेट व हाथ से बने कार्डिगन आदि के शौकीनों के लिए ढेर सारी जगहें हैं।

खुद घुस जाओ अंदर,...

अवनीत कौर

के क्लीवेज पर फोकस करने पर पैपराजी पर भड़का सुयश राय का गुस्सा, कहा-तमीज़ कहां गई

एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। कोई इवेंट हो या फंक्शन, अक्सर उनका बोल्ड लुक देखने को मिलता है। अब हाल ही में अवनीत एक अवॉर्ड फंक्शन में डीप नेक और थाई-हाई स्लिट बॉडीकॉन ड्रेस पहनकर पहुंची, जिसने हर किसी...

एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। कोई इवेंट हो या फंक्शन, अक्सर उनका बोल्ड लुक देखने को मिलता है। अब हाल ही में अवनीत एक अवॉर्ड फंक्शन में डीप नेक और थाई-हाई स्लिट बॉडीकॉन ड्रेस पहनकर पहुंची, जिसने हर किसी का ध्यान खींचा। रेड कार्पेट पर उनकी अदाओं और लुक को देखकर जहां फैंस दीवाने हो गए, वहीं एक घटना ने इस मौके को विवाद में भी बदल दिया।

इस इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें अवनीत के लुक को कवर करते हुए कैमरा उनके चेस्ट एरिया पर जूम इन करता नजर आया। इस हरकत को देखकर कई यूज़र्स और सेलेब्स ने अपनी नाराजगी जताई। वहीं, टीवी एक्टर सुयश राय इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए बेहद नाराज़ नज़र आए।

उन्होंने लिखा: क्यों जूम किया? खुद घुस जाओ अंदर? हां, वो सुंदर लग रही है लेकिन आप लोग मीडिया के तौर पर क्या कर रहे थे? तमीज़, बेसिक्स कहां गई? ऐसा तो हो नहीं सकता कि आपके घर की कोई महिला इस तरह की रिकॉर्डिंग से खुश हो। ये बेहद दुखद है।"

उनकी इस टिप्पणी को सोशल मीडिया पर काफी समर्थन मिला और कई लोगों ने उन्हें सपोर्ट करते हुए मीडिया को आड़े हाथों लिया।

वहीं, इस घटना के पर अवनीत कौर ने अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन सोशल मीडिया पर लगातार इस पर बहस जारी है।

4 बार शादी कर सकती हूं, मुझे शर्म नहीं...दो तलाक के बाद फिर प्यार ढूंढ रही हैं 47 साल की

दीपशिखा नागपाल

'बादशाह' और 'सिर्फ तुम' जैसी फिल्मों पॉपुलैरिटी बटोर चुकी दीपशिखा नागपाल ने छोटे पर्दे पर भी काम किया है। हाल ही में उन्होंने अपनी दो शादियों के बारे में बात की और कहा कि अगर चीजें सही रहें तो वे फिर से नया रिलेशनशिप बना सकती हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान दीपशिखा से पूछा गया कि क्या वह एक बार फिर से शादी करने के बारे में सोचेंगी। इस पर एक्ट्रेस ने कहा-एक से ज्यादा बार शादी करने में कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि वह पहले ही दो तलाक से गुज़र चुकी हैं। मैं तीन बार, चार बार शादी कर सकती हूं। मुझे इसमें कोई शर्म नहीं है कम से कम मैं अपनी लाइफ जी रही हूं। जब मैं दो लोगों को देखती हूं जो आपस में नहीं मिलते।

एक्ट्रेस ने कहा-मैंने हमेशा गलत कारणों से शादी की ।आपको हमेशा सही कारणों से शादी करनी चाहिए इसलिए मैं हर चीज के लिए लड़के को दोष नहीं दे सकती ।मुझे लगता है कि मैं एक कट्टर रोमांटिक हूं. मैं प्यार में विश्वास करती हूं, मैं रोमांस में विश्वास करती हूं, मैं शादी में विश्वास करती हूं,दो लोग एक साथ हो सकते हैं इसलिए अगर यह काम नहीं कर रहा है तो इसे बर्बाद करने के बजाए अपना जीवन जीना बेहतर है। आपको अपना जीवन जीना चाहिए।

बता दें कि दीपशिखा की पहली शादी जीत उपेंद्र से हुई थी और 2007 में वे अलग हो गए थे। इसके बाद उन्होंने 2012 में कैशव अरोड़ा से शादी की और 2016 में उनका तलाक हो गया था।

अमिताभ की उम्र के एक्टर से कांप गई थीं माधुरी दीक्षित, इस हरकत के बाद लगाई थी जमकर फटकार

दिग्गज एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने चालीस साल पहले हिंदी सिनेमा में अपने कदम रखे थे. साल 1984 की फिल्म 'अबोध' उनके करियर की पहली फिल्म थी. हालांकि उन्हें पहली बड़ी और खास पहचान 1988 की पिक्चर 'तेजाब' से मिली थी. अनिल कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करके वो दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहीं. इसके बाद एक्ट्रेस ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा.

अपने लंबे और सफल करियर में माधुरी ने कई दिग्गज अभिनेताओं के साथ काम किया. हालांकि अमिताभ बच्चन की उम्र के अभिनेता रंजीत के साथ एक फिल्म के दौरान काम करने का उनका एक्सपीरियंस बेहद खराब रहा. एक रेप सीन में रंजीत, माधुरी के साथ जरूरत से ज्यादा रिएक्ट कर रहे थे और अपनी हदें पार कर चुके थे. इस घटना से माधुरी कांप गई थीं और उन्होंने सेट पर ही सबके सामने अभिनेता को फटकार लगा दी थी.

'प्रेम प्रतिज्ञा' के सेट पर घटी थी घटना

बात है साल 1989 में रिलीज हुई फिल्म 'प्रेम प्रतिज्ञा' के सेट की. इसमें माधुरी के साथ मिथुन चक्रवर्ती और विनोद मेहरा जैसे सितारों ने लीड रोल निभाया था. डायरेक्टर बापू (सत्तिरजू लक्ष्मीनारायण) की फिल्म में रंजीत विलेन के किरदार में थे. उनके अलावा सतीश कौशिक, देवेन वर्मा, नीलू फुले और अरुणा ईरानी ने भी इसमें काम किया था.

फिल्म में माधुरी और रंजीत के बीच एक रेप सीन भी दिखाया गया था. पहले तो माधुरी ने इस तह के सीन के लिए मना कर दिया था. हालांकि मेकर्स की समझाइश के बाद वो मान गईं थीं. लेकिन, इंडस्ट्री में पहले से ही खूंखार विलेन की छवि बना चुके रंजीत को देखकर माधुरी डर रही थीं. इसके शूट के दौरान तो रंजीत ने एक्ट्रेस को जरुरत से ज्यादा जोर से पकड़ लिया था. सीन खत्म होने के बाद भी एक्टर माधुरी को नहीं छोड़ रहे थे. इस घटना के बाद एक्ट्रेस कांप उठी थी और रोने लगी थीं.

माधुरी ने रंजीत को लगा दी थी फटकार

जब रंजीत सीन के दौरान बहक गए तो माधुरी के सब्र का बांध भी टूट पड़ा. अपने साथ हुई हरकत से माधुरी खामोश नहीं रहीं और रंजीत को सेट पर ही सबके सामने जोरदार फटकार लगा दी. एक्ट्रेस ने विलेन को फिर कभी हाथ ना लगाने की धमकी भी दी थी. बता दें कि प्रेम प्रतिज्ञा के बाद रंजीत और माधुरी ने साथ में 'कोयला' और 'किशन कन्हैया' जैसी फिल्मों में भी काम किया था.

2800 करोड़ की दौलत के मालिक हैं पति, शिल्पा शेट्टी के पास है सिर्फ इतना पैसा, जानें एक्ट्रेस की नेटवर्थ

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी आज 50 साल की हो चुकीं हैं. शिल्पा का जन्म 8 जून 1975 को कर्नाटक के मैंगलोर में सुनंदा शेट्टी और सुरेंद्र शेट्टी के घर हुआ था. बॉलीवुड में 1993 में अपनी शुरुआत करने वाली शिल्पा, 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेस थीं. उन्होंने अपनी अदाकारी के साथ ही अपनी खूबसूरती और फिटनेस से भी फैंस का दिल जीता है.शिल्पा शेट्टी ने बतौर एक्ट्रेस काफी नाम और शोहरत कमाई हैं. वहीं वो सबसे अमीर एक्ट्रेसिस में से भी एक हैं. हालांकि संपत्ति के मामले में एक्ट्रेस अपने पति राज कुंद्रा के आगे बिल्कुल नहीं टिकती हैं. आइए आज आपको शिल्पा के बर्थडे के खास मौके पर उनकी नेटवर्थ के बारे में बताते हैं. जानते हैं कि आखिर पति के मुकाबले एक्ट्रेस के पास कितना पैसा है.

'बाजीगर' से किया था डेब्यू

शिल्पा शेट्टी ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत 18 साल की उम्र में फिल्म 'बाजीगर' से की थी. इसमें उनके साथ काजोल, जॉनी लीवर, सिद्धार्थ रे और शाहरुख खान जैसे सितारों ने काम किया था. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई. इसके बाद एक्ट्रेस ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. उन्होंने अपने 32 साल के करियर में 'अपने', 'लाइफ इन ए मेट्रो', 'इंडियन', 'धड़कन', 'जानवर', 'हथकड़ी', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' सहित कई शानदार फिल्मों में काम किया है.

2009 में राज कुंद्रा से की थी शादी

बॉलीवुड में अपने करियर के शुरुआती दिनों के दौरान शिल्पा शेट्टी का नाम सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ खूब जुड़ा था. दोनों ने अपने अफेयर से जमकर सुर्खियां बटोरी थीं. हालांकि जल्द ही दोनों का ब्रेकअप हो गया था. शिल्पा ने अक्षय पर चीट करने के आरोप लगाए थे. अक्षय से अलग होने के कई सालों के बाद शिल्पा ने 2009 में बिजनेसमैन राज कुंद्रा से शादी की थी. दोनों एक लग्जरी लाइफस्टाइल जीने के लिए जाने जाते हैं. मुंबई में कपल का समंदर के पास 'किनारा' नाम का एक आलीशान घर है. इसके अलावा उनकी लंदन में भी संपत्ति है. राज की टोटल नेटवर्थ 2800 करोड़ रुपये है.

शिल्पा शेट्टी के पास है सिर्फ इतनी दौलत

पति के मुकाबले दौलत के मामले में शिल्पा शेट्टी काफी पीछे हैं. वो फिल्मों के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट से भी कमाई करती हैं. एक फिल्म के लिए एक से दो करोड़ रुपये लेने वाली शिल्पा ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 1 करोड़ रुपये तक चार्ज करती हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी टोटल नेटवर्थ 134 करोड़ रुपये है. शिल्पा का एक यूट्यूब चैनल भी है, जहां वो योगा सिखाती हैं और फिटनेस टिप्स देती हैं.